■ कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में खत्म किया अपना संबोधन, सीएम ने की आलोचना - 7

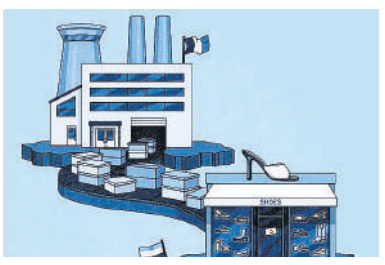

■ यूरोपीय संघ ने निर्यात लाभ छूट की स्थगित, 87% भारतीय उत्पाद उच्च आयात शुल्क से होंगे प्रभावित - 10

■ भारत ने यूएन में की अफ्रीका एशिया प्रशांत की पैरवी - 11

■ फिनिशर की भूमिका में खरे उतरे टीम से अंदर बाहर होने वाले रिंकू सिंह- 12

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04

सूर्यास्त 05.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष पंचमी 01:46 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 23 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 60, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे से 38.60 करोड़ की कोकीन जब्त, यात्री गिरफ्तार

बेंगलुरु। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने ब्राजील के साओ पाउलो से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 38.60 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि यात्री को हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर रोका गया था। बेंगलुरु सीमा शुल्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यात्री के कब्जे से 7.72 किलोग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी कीमत 38.60 करोड़ रुपये आंकी गई है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप 3 के तहत लागू पाबंदियां हटाई गईं

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद, दिल्ली-एनसीआर में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत लागू पाबंदियां गुरुवार को हटा दी गईं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि दिल्ली में एक्यूआई 332 दर्ज किया गया, जिसके बाद पाबंदियों में ढील दी जा रही है। आदेश में यह भी कहा गया कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में एक्यूआई के मध्यम से खराब श्रेणी में रहने की आशंका है।

महिलाओं के भाषण के दौरान उठकर जाने पर भड़के नीतीश

सिवान। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को उस समय आपा खो बैठे, जब उन्होंने अपने भाषण के दौरान महिलाओं के एक समूह को उठकर जाते देखा। उस वक्त वह अपनी सरकार द्वारा महिलाओं के लिए उठाए गए कदमों का विस्तार से जिक्र कर रहे थे। राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री ने सिवान जिले में एक कार्यक्रम में तीखे लहजे में कहा, आप सभी महिलाएं क्यों भाग रही हैं? अगर आप रुककर नहीं सुनेंगी तो आपको कैसे पता चलेगा कि आपके लिए क्या-क्या किया जा रहा है? वह सिवान जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था सितंबर तिमाही में 4.4 प्रतिशत बढ़ी

वाशिंगटन। अमेरिका की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में दो साल में सबसे तेज 4.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अप्रैल-जून तिमाही में इसकी वृद्धि दर 3.8 प्रतिशत रही थी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में पिछली बार इतनी तेजी जुलाई-सितंबर तिमाही, 2023 में दर्ज की गई थी।

जम्मू में सेना का वाहन 200 फीट गहरी खाई में गिरा, 10 जवानों की गई जान

सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा था वाहन, 11 गंभीर घायल

- 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप के पास हुआ हादसा, 21 जवान सवार थे वाहन में

भद्रवाह/जम्मू, एजेंसी

सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा सेना का एक बख्तरबंद वाहन गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार 10 जवानों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतर्राज्यीय मार्ग पर लगभग 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप पर उस समय हुआ, जब सेना के बुलेटप्रूफ वाहन 'कैस्पर' के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और यह 200 फुट गहरी खाई में जा गिरा। 'कैस्पर' एक 'माइन-रेजिस्टेंट एंबुश प्रोटेक्टेड (एमआरएपी)' वाहन है, जिसे सैनिकों को उन संवेदनशील इलाकों से सुरक्षित रूप से गुजरने की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जहां बारूदी सुरंगें बिछाए जाने या आईईडी (संवर्द्धित विस्फोटक उपकरण) लगाए जाने की आशंका अधिक होती है। सेना के

जम्मू में खाई में गिरा सेना का वाहन। **दाएं:** घायलों को अस्पताल ले जाती टीम।

जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खराब मौसम में दुर्गम इलाके से गुजरते समय वाहन सड़क से फिसल गया।

हादसे के बाद सेना और पुलिस ने तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया, हालांकि तब तक चार सैनिकों की जान जा चुकी थी और 17 अन्य घायल अवस्था में पाए गए। उन्होंने बताया कि बचाव दल को सेना का वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान के दौरान बाद में, चोटों के चलते छह और सैनिकों की मौत हो गई। घायल जवानों में से एक की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे भद्रवाह उप-जिला अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है, जबकि 10 अन्य को विशेष उपचार के लिए हवाई मार्ग से उधमपुर कमान अस्पताल ले जाया गया।

भद्रवाह के अतिरिक्त उपायुक्त सुमित कुमार भुटयाल ने बताया, सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हो गया, जिससे हमने 10 जवान खो दिए और 11 अन्य घायल हो गए। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, डोडा में खराब मौसम के बीच दुर्गम इलाके से गुजर रहा सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। इस वाहन में आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए जा रहे सैनिक सवार थे। हादसे में कई जवान हताहत हुए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने हादसे पर गहरा दुख जताया।

सैनिकों की मौत पर मोदी ने गहरा दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक सड़क दुर्घटना में सेना के जवानों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डोडा में हुए हादसे से गहरा दुख हुआ है, जिसमें हमने अपने बहादुर सैन्यकर्मियों को खो दिया है। राष्ट्र के लिए उनकी सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा। मोदी ने कहा, घायल व्यक्ति जल्द से जल्द स्वस्थ हों। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

योगी की चेतावनी, बेटियों से खिलवाड़ नहीं करेंगे बर्दाश्त

सोनीपत, हरियाणा में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं आठ मान के भव्य भण्डारा के दौरान लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

- मुख्यमंत्री ने कहा- एक योगी संत या संन्यासी के लिए राष्ट्र व सनातन धर्म से बढ़कर कुछ नहीं
- धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों से सतर्क रहने की अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों में लिप्त तत्वों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि बेटियों के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों को पूरी शक्ति से रोकने का संकल्प दोहराया। योगी ने धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों से सतर्क रहने का आह्वान किया।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को हरियाणा के मुरथल में नाथ संप्रदाय के मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं आठ मान भव्य भंडारा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक योगी, संत या संन्यासी के लिए राष्ट्र और धर्म ही सर्वस्व होते हैं। धर्म उसकी संपत्ति और राष्ट्र उसका स्वाभिमान है। जो कोई राष्ट्रीय स्वाभिमान को चुनौती देगा, उसके विरुद्ध खड़ा होना हमारा दायित्व है। उन्होंने चेताया कि धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने वाले कई 'कालनेमि' सक्रिय हैं, जिनसे सतर्क रहना आवश्यक है।

बजेगा सनातन का डंका

मुख्यमंत्री ने नाथ पंथ को भारत की प्राचीनतम आध्यात्मिक परंपराओं में से एक बताते हुए कहा कि इस परंपरा ने सदैव समाज को जोड़ने और जीवन को सार्थक दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संकल्प साकार हो रहा है। प्रयागराज, अयोध्या और काशी में एक दिन में जितने श्रद्धालु आते हैं, उतनी कई देशों की जनसंख्या भी नहीं होती। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले एक हजार वर्षों तक विश्व में भारत और सनातन धर्म का डंका बजेगा।

चौबारी में दो पक्षों में फायरिंग गोली लगने से दो घायल

- गोलीबारी से मची अफरा-तफरी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया
- पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर चार लोगों को हिरासत में लिया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : चौबारी गांव में बुधवार की रात गोलियों की तड़तड़ाहट से दहशत फैल गई। पुरानी रंजिश में दो पक्षों में हुए गोलीकांड के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। गोली लगने से दो लोग घायल हुए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कैंट थाना क्षेत्र के चौबारी गांव में पुरानी रंजिश के चलते बुधवार की रात दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई, फिर गाली-गलौज के बाद हथियार निकाल लिए और अंधाधुंध गोलियां चलने लगीं। दोनों पक्षों के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। अचानक हुई गोलीबारी से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। गोलियों की आवाज सुनकर लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में दुबक गए। गोलीकांड में दो लोग घायल हुए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

फायरिंग की सूचना पर कैंट पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने फील्ड यूनिट को बुलाकर मौके से कई कारतूस भी बरामद किए है। वहीं चार लोगों को हिरासत में लेकर क्रास रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस जांच कर रही है। तनाव को देखते हुए चौबारी गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि दोनों तरफ से 7 लोगों को नामजद करते हुए अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सिख विरोधी दंगों में कोर्ट ने सज्जन कुमार को किया बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद सज्जन कुमार को वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान दिल्ली के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने से संबंधित मामले में गुरुवार को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। कोर्ट ने कहा कि वह पीड़ितों व उनके परिवारों द्वारा झेली गई पीड़ा को समझती है लेकिन उसका निर्णय भावनात्मकता से रहित होना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, इस मामले में आरोपी को दोषी ठहराने का फैसला पेश किए गए सबूतों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष ने जिन गवाहों से जिरह की, उनमें से अधिकतर की गवाही सुनी-सुनाई बातों पर आधारित हैं और/या वे ऐसे गवाह हैं जिन्होंने तीन दशकों तक आरोपी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे गवाहों द्वारा आरोपी की पहचान किए जाने पर भरोसा करना जोखिम भरा होगा और इससे अन्याय हो सकता है।

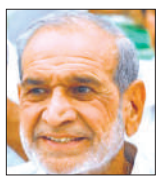

- राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने के मामले में नहीं साबित हुए आरोप

जनगणना 2027 में पूछे जाएंगे 33 सवाल, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने गुरुवार को 33 प्रश्नों की सूची जारी की, जो एक अप्रैल से शुरू होने वाले जनगणना के पहले चरण के दौरान नागरिकों से पूछे जाएंगे। गुरुवार को प्रकाशित एक राजपत्र अधिसूचना में, भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने घर के फर्श और छत में प्रयुक्त सामग्री, वहां रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, घर का मुखिया पुरुष है या महिला, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी एवं आधुनिक आवश्यकताओं तक पहुंच और स्वामित्व वाले वाहनों के प्रकार जैसे प्रश्न सूचीबद्ध किए हैं।

अधिसूचना में कहा गया है, जनगणना अधिकारी जनगणना 2027 के संबंध में आवास गणना और घर-सूचीकरण के माध्यम से जानकारी एकत्र करने के लिए उक्त सभी सूचीबद्ध प्रश्न पूछ सकते हैं। प्रश्नों की शुरुआत भवन संख्या, मकान के फर्श, दीवारों और छत में प्रयुक्त मुख्य

- पहले चरण में मकानों की होगी गिनती, दीवार से लेकर कमरे तक के बारे में लेंगे जानकारी

सामग्री के बारे में पूछकर की जाएगी। इसके बाद जनगणना अधिकारी मकान के उपयोग, उसकी स्थिति और उसमें रहने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में पूछेंगे। जनगणना अधिकारी मकान के मुखिया के बारे में भी जानकारी एकत्र करेंगे, जैसे नाम और वे महिला हैं या पुरुष, संपत्ति का स्वामी कौन है। पहला चरण - घरों की सूची तैयार करने का अभियान इस वर्ष एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा निर्दिष्ट 30 दिनों की अवधि के दौरान होगा।

भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलेगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश ने भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलने का फैसला किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), उनके क्रिकेटरों व सरकार के खेल सलाहकार के बीच ढाका में गुरुवार को बैठक के बाद यह फैसला सामने आया है।

बांग्लादेश यदि नहीं खेलता है तो विश्वकप में स्काटलैंड को खेलने का मौका मिल जाएगा। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा कि हम श्रीलंका में खेलने की अपनी योजना के साथ आईसीसी के पास जाएंगे। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन एक वैश्विक संस्था सही में ऐसा नहीं कर सकती। बांग्लादेश सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा हम उम्मीद करते है कि आईसीसी हमें श्रीलंका में खेलने का मौका देगा।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर दी गई शुल्क की धमकी वापस ली

दावोस, एजेंसी

- अमेरिका के राष्ट्रपति ने की घोषणा, यूरोपीय देशों को राहत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वह ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण के लिए दबाव बनाने के वास्ते आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की अपनी योजना रद्द कर रहे हैं। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि वह इस द्वीप पर पूरा अधिकार, और स्वामित्व हासिल करना चाहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट में कहा कि आर्कटिक सुरक्षा को लेकर नाटो प्रमुख के साथ भविष्य के एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है, जिससे व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव वाले तनाव के कम होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ग्रीनलैंड को लेकर 'अतिरिक्त बातचीत' भी जारी है, जिसमें गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा कार्यक्रम शामिल है। यह एक बहु-स्तरीय, 175 अरब डॉलर की प्रणाली है जिसके तहत पहली बार अंतरिक्ष में अमेरिकी हथियार तैनात किए जाएंगे।

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस का किया अनावरण भारत रहा अनुपस्थित

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गाजा में स्थायी शांति स्थापित करने और संभवत: वैश्विक संघर्षों का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए प्रस्तावित बोर्ड ऑफ पीस का गुरुवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में औपचारिक रूप से अनावरण किया, लेकिन भारत इस मौके पर अनुपस्थित रहा। ट्रंप ने अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इस बोर्ड को दुनिया के लिए एक बेहद अनोखी पहल बताया। (विस्तृत पेज 11 पर)

फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी से ठीक एक दिन पहले सुनाया आदेश

बसंत पंचमी पर भोजशाला में एक साथ होगी पूजा और नमाज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद स्थल पर बसंत पंचमी के दिन शुक्रवार को सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने, जबकि मुसलमानों को अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक नमाज अदा करने की अनुमति दी है।

न्यायालय ने गुरुवार को यह भी निर्देश दिया कि नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की सूची जिला प्रशासन को दी जाए। हिंदू और मुस्लिम समूहों ने 23 जनवरी शुक्रवार को भोजशाला परिसर में धार्मिक रस्मों के लिए अनुमति मांगी थी। उस दिन बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा भी है।

सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने दोनों पक्षों से परस्पर सम्मान और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की। पीठ ने कहा, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल और महाधिवक्ता, दोनों ने उचित सुझाव दिया है कि यह जानने के बाद कि शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए मुस्लिम समुदाय से कितने लोगों के आने की संभावना है, परिसर के भीतर एक विशेष और अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि निर्धारित समय पर नमाज अदा की जा सके। कोर्ट ने कहा, इसी प्रकार, पहले की तरह, बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक अनुष्ठान के लिए हिंदू समुदाय को एक अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए। जिला प्रशासन को उस स्थान पर कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया।

एएसआई द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है भोजशाला

हिंदू समुदाय, भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है। यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है। एएसआई द्वारा सात अप्रैल 2003 को की गई एक व्यवस्था के तहत, हिंदू समुदाय के सदस्य मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना करते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के सदस्य शुक्रवार को परिसर में नमाज अदा करते हैं। न्यायालय 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा। याचिका में, बसंत पंचमी पर हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने का विशेष अधिकार देने का अनुरोध किया गया था। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के मार्फत दायर याचिका पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया था। जैन ने कहा था कि एएसआई के 2003 के आदेश में शुक्रवार के दिन बसंत पंचमी पड़ने से उत्पन्न होने वाली स्थिति का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने बसंत पंचमी के अवसर पर पूरे दिन हिंदुओं के लिए विशेष, निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति देने का अनुरोध किया था।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

तलाक की खबरों को किया खारिज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अपर्णा यादव बोलीं- प्रतीक यादव से रिश्ते बिल्कुल ठीक
- पहचान लिए गए हैं रिश्ते में दरार डालने वाले

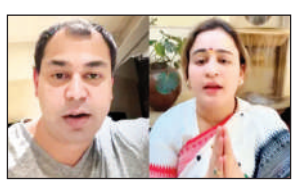

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अपर्णा यादव ने पति प्रतीक यादव से तलाक की खबरों को गुरुवार को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं और उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। बोलीं, प्रतीक यादव से रिश्ते बिल्कुल ठीक हैं, रिश्ते में दरार डालने वाले पहचान लिए गए हैं। जल्द ही सार्वजनिक रूप से एक्सपोज होंगे।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने एक टीवी चैनल से बातचीत में स्पष्ट किया कि उनके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की दरार नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवार और पति के साथ उनका रिश्ता मजबूत है, लेकिन कुछ लोग इसे पचा नहीं पा रहे हैं। मेरे निजी जीवन को राजनीतिक हथियार बनाकर सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अपर्णा यादव ने आरोप लगाया कि उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान कर ली है, जो जानबूझकर उनके रिश्तों में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन साजिशकर्ताओं को सार्वजनिक रूप से बेनकाब किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि वह किसी भी दबाव से डरने वाली नहीं हैं और हर चुनौती का मजबूती से सामना करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी राजनीतिक सक्रियता और हालिया मामलों में पीड़ित महिलाओं के पक्ष में मुखर भूमिका कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। निजी रिश्तों को लेकर फैलाई जा रही अफवाहें उसी का परिणाम हैं।

कर्तव्य पथ पर परेड में नजर आएगी बुंदेलखंड की शान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी की झांकी में दिखेगी विरासत और विकास की एकजुट तस्वीर
- कालिंजर दुर्ग से ब्रह्मोस तक परंपरा व प्रगति का अद्भुत संगम

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में निकलने वाली परेड में यूपी के बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत की झांकी का मॉडल।

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी इस वर्ष भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तैयार यह झांकी बुंदेलखंड की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक उत्तर प्रदेश की तेज विकास यात्रा को एक साथ प्रस्तुत करेगी। झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि प्रदेश अपनी परंपराओं को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

झांकी के अग्रभाग में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग की प्राचीन गरिमा को दर्शाया गया है। यहां स्थापित एकमुख लिंग बुंदेलखंड की आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था का प्रतीक होगा। मध्य भाग में क्षेत्र की समृद्ध हस्तशिल्प परंपराओं मृद्भांड कला, मनका शिल्प और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिन्हें 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। यह हिस्सा पारंपरिक कारीगरों की आत्मनिर्भरता और स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करता है।

झांकी के पिछले हिस्से में कालिंजर दुर्ग के नक्काशीदार स्तंभों और द्वारों के साथ नीलकंठ महादेव मंदिर की भव्य झलक दिखाई देगी, जो बुंदेलखंड को एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में प्रस्तुत करती है। इसी क्रम में बुंदेली कलाकार पारंपरिक लोकनृत्य के माध्यम से क्षेत्र के लोकजीवन और सांस्कृतिक रंगों को जीवंत बनाएंगे।

झांकी का अंतिम भाग आधुनिक उत्तर प्रदेश की तस्वीर पेश करता है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, औद्योगिक विकास और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

हेलमेट न पहनने पर 49,500 चालान

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में पहली से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग द्वारा सघन जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि 1 से 21 जनवरी तक की गई कार्रवाई में हेलमेट न पहनने के 49,500, सीट बेल्ट के 11,740, ओवर स्पीडिंग के 15,180, मोबाइल फोन के प्रयोग के 4,164, ड्रंक एंड ड्राइव के 304 तथा रांग साइड ड्राइविंग के 5,546 चालान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आगरा जोन में सर्वाधिक हेलमेट और कानपुर जोन में सर्वाधिक सीट बेल्ट चालान दर्ज हुए। 18,379 स्कूली वाहनों की जांच में 996 के चालान किए गए तथा 75 वाहनों की फिटनेस निरस्त की गई। अवैध पार्किंग के 2,617 चालान किए गए।

नवोदित प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

अमृत विचार, लखनऊ: यूपी दिवस के अवसर पर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और नवोदित प्रतिभाओं को नया मंच मिलने जा रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता "हमारी संस्कृति–हमारी पहचान" (संस्कृति उत्सव 2025–26) के तहत चयनित कलाकार 24 से 26 जनवरी तक राजधानी स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि यह बहुस्तरीय प्रतियोगिता गांव से लेकर मंडल स्तर तक आयोजित की गई, जिससे प्रदेश के कोने-कोने से प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिला। इसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों से आए प्रतिभागियों ने सहभागिता की। चयनित विजयी प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

पैथालॉजी लैब व फिजियोथेरेपी यूनिट का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ: बीमित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव, डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम ने कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, सरोजनी नगर में नव स्थापित पैथालॉजी लैब एवं फिजियोथेरेपी यूनिट का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने औषधालय का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान गुरुवार को पाई गई कमियों पर तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

अनावश्यक नियम हटें, भरोसे पर आधारित प्रशासन बने : मुख्यमंत्री

कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II की समीक्षा, कहा- सुधार कागज पर नहीं, जमीन पर दिखें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कम्प्लायंस रिडक्शन और डी–रेगुलेशन फेज–II के तहत चल रहे सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में कम्प्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-II के तहत चल रहे सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन का उद्देश्य आम नागरिकों और उद्यमियों को अनावश्यक प्रक्रियाओं, अनुमतियों और निरीक्षणों से राहत देकर भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सुधारों का असर फाइलों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखना चाहिए और नागरिकों को यह अनुभव होना चाहिए कि व्यवस्था उनके लिए आसान हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कम्प्लायंस रिफॉर्म्स के फेज-I में उत्तर प्रदेश ने देशभर में एक मजबूत पहचान बनाई है और अब फेज-II के माध्यम से इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप दिया जाना है। यह चरण केवल नियमों में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली और सोच में परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने दोहराया कि डी-रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल, स्पष्ट और पारदर्शी बनाना है। सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों में अग्रणी राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी-अपनी प्रक्रियाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाएं, स्पष्ट समयसीमा तय करें और ऑनलाइन व ऑटो-अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि निरीक्षणों की संख्या घटाई जाए, पुराने व अप्रासंगिक नियम हटाए जाएं और हर सुधार की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।

- योगी बोले- डी रेगुलेशन का मतलब नियंत्रण खत्म करना नहीं, बल्कि नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना

बैठक में अवगत कराया गया कि कैबिनेट सचिवालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-I में 'बेस्ट स्टेट' घोषित किया गया है। फेज-II के तहत 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया और 5 ऑप्शनल प्रायोरिटी एरिया चिन्हित किए गए हैं, जिन पर चरणबद्ध तरीके से सुधार लागू किए जा रहे हैं। भूमि उपयोग सुधारों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि किसानों और भू-स्वामियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाने के लिए चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों को समाप्त या सरल किया जा रहा है।

कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II : एक नजर में

लक्ष्य: भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन

फोकस क्षेत्र: 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया, 5 ऑप्शनल एरिया

भूमि उपयोग: चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों का सरलीकरण/समापन

निर्माण सेक्टर: रिस्क-बेस्ड सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन, डीम्ड अप्रूवल

यूटिलिटीज व ऊर्जा: एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन व ऑटो-अप्रूवल

पर्यावरण: कम जोखिम गतिविधियों के लिए ट्रस्ट-बेस्ड अप्रोच

नागरिक लाभ: घर निर्माण, बिजली-पानी कनेक्शन और सेवाएं होंगी आसान

निर्देश: सभी विभाग तय समयसीमा में सुधार लागू करें, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें

माघ मेला: बसंत पंचमी पर 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान का अनुमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- भीड़ प्रबंधन और रूट डायवर्जन की नई व्यवस्था, प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

अमृत विचार: गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर आयोजित माघ मेले के चौथे स्नान पर्व बसंत पंचमी को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। बसंत पंचमी, अचला सप्तमी और सप्ताहांत के संयोग को देखते हुए प्रशासन ने अनुमान लगाया है कि इन तीन दिनों में करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्राउड मैनेजमेंट और रूट डायवर्जन की विशेष व्यवस्था लागू की गई है।

माघ मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि श्रद्धालुओं के स्नान के लिए 3.5 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में 24 घाट तैयार किए गए हैं। घाटों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुचारु आवाजाही के लिए पांटून पुलों पर ऑड-इवेन व्यवस्था लागू की गई है। परेड से झूंसी जाने के लिए पांटून पुल संख्या 3, 5 और 7 तथा झूंसी से परेड आने के लिए पुल संख्या 4 और 6 का उपयोग होगा। आपात स्थिति के लिए पांटून पुल संख्या 1 और 2 आरक्षित रहेंगे।मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने बताया कि यातायात सुगम रखने के लिए बसंत पंचमी के दिन नया यमुना पुल बंद रहेगा, जबकि आवागमन पुराने पुल से किया जाएगा। भारी और हल्के वाहनों के लिए रूट डायवर्जन लागू रहेगा।

25 को मनाया जाएगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में 25 जनवरी को 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम "माई इंडिया, माई वोट" निर्धारित की गई है। इस अवसर पर प्रदेशभर के स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में मतदाता जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने गुरुवार को बताया कि विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में वाद-विवाद, परिचर्चा, निबंध लेखन, चित्रकला, गीत, नाटक (स्किट) जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

निर्वाचन प्रक्रिया में कानून की सख्ती जरूरी : रिणवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) सम्मेलन में उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शांतिपूर्ण और विश्वसनीय निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचे, अंतर-एजेंसी समन्वय तथा तकनीक आधारित उपायों की भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बनाए रखने के लिए कानून व्यवस्था का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित आईआईसीडीईएम-2026 के तीन दिवसीय सम्मेलन में दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। इस सत्र में प्रदेश के विशेषज्ञ प्रो. संजय गुप्ता, अविनाश सिंह बिसेन और शत्रुघन कर (एनएलएमटी) ने भी सहभागिता की। सम्मेलन में 27 देशों के राजदूत एवं उच्चायुक्तों सहित 42 निर्वाचन प्रबंधन निकायों, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थाओं के विशेषज्ञ और देशभर से 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी भाग ले रहे हैं।

'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध स्व. जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में स्थापित आदमकद प्रतिमा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया, साथ में पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल व अन्य।

ओडिशा में गूंजा योगी सरकार का डिजिटल नवाचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भुवनेश्वर के 'चिंतन शिविर' में आयुष्मान योजना के यूपी मॉडल की हुई सराहना
- आयुष्मान सारथी ऐप, आयुष एआई चैटबॉट और 'आयुषमैन' कॉमिक्स बने चर्चा का केंद्र

भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में यूपी की टीम हुई सम्मानित।

अमृत विचार: आयुष्मान भारत योजना के तहत डिजिटल नवाचार और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की पहल को देशभर में सराहना मिल रही है। इसका ताजा उदाहरण ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में देखने को मिला, जहां योगी सरकार के डिजिटल प्रयासों की खुले मंच से प्रशंसा की गई।

आयुष्मान भारत योजना पर केंद्रित इस चिंतन शिविर का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत, ओडिशा सरकार के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्देश्य आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रगति की समीक्षा तथा राज्यों के बीच श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करना रहा। शिविर में स्टेट हेल्थ एजेंसी की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल नवाचारों के प्रभावी उपयोग के लिए विशेष रूप से सराहा गया। लाभार्थियों को सही जानकारी, अस्पतालों तक आसान पहुंच और सेवाओं के सरल उपयोग के लिए प्रदेश में कई डिजिटल व सूचना-शिक्षा-संचार (आईईसी) पहलें शुरू की गईं, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिला है।

एसीईओ पूजा यादव ने बताया कि 'आयुष्मान सारथी' मोबाइल ऐप लाभार्थियों को सूचीबद्ध अस्पताल खोजने और जानकारी प्राप्त करने में मदद कर रहा है। वहीं, 'आयुष एआई चैटबॉट' अब तक 15 हजार से अधिक प्रश्नों के उत्तर देकर हेल्पडेस्क पर निर्भरता कम कर चुका है। इसके साथ ही 'आयुष्मान संपर्क' प्लेटफॉर्म के माध्यम से ओपीडी अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा शुरू की गई।

निरीक्षण | मेरठ में मुख्यमंत्री योगी का दौरा, सभी कार्य तय समय-सीमा में पूरा करने के दिए निर्देश

विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय बनाना सरकार का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खेल विश्वविद्यालय में 12 खेलों में डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम चलेंगे

निर्माणाधीन खेल विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मेरठ के सरधना क्षेत्र में निर्माणाधीन मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य इस संस्थान को विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा में पूर्ण किए जाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण, समीक्षा बैठक और विश्वविद्यालय के अभिवादन वाक्य 'जय हिंद' और प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाली फैकल्टी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए और पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को कोच के रूप में जोड़ा जाए, ताकि प्रशिक्षण में अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान का समुचित समावेश हो सके। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में बताया कि खेल विश्वविद्यालय में 12 खेलों में डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें छह पारंपरिक खेल भी शामिल होंगे। इसके साथ ही खेल विज्ञान, कोचिंग, खेल प्रबंधन और शोध से जुड़े पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

100 एकड़ में आकार ले रहा खेल परिसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पहले चरण में 90 एकड़ भूमि पर निर्माण शुरू किया गया था, जिसे बढ़ाकर कुल 100 एकड़ किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। पहले चरण में 250 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य जारी है, जिसे मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। दूसरे चरण में 200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

पशुपालन विभाग की सीधी भर्तियों में आरक्षण स्थिति की तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग में 17 शिकायतों पर जनसुनवाई

अमृत विचार : उप्र. पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने वर्ष 1994 के बाद पशु चिकित्साधिकारी के 404 पदों पर की गई सीधी भर्तियों में आरक्षण की स्थिति एवं रोस्टर रजिस्टर का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी 2026 को होगी।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष गुरुवार को इन्दिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में विभिन्न जिलों से प्राप्त 17 शिकायतों एवं पत्रावलियों पर जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। सुनवाई में जगन्नाथ प्रसाद गंगवार को भूखंड न दिए जाने के प्रकरण में उपाध्यक्ष, बरेली विकास प्राधिकरण को बुलाया गया था, लेकिन किसी सक्षम अधिकारी के उपस्थित न होने पर सुनवाई नहीं हो सकी। अध्यक्ष ने इस पर अप्रसन्नता व्यक्त की। सोनू कश्यप हत्याकांड से जुड़े प्रकरण में आयोग सदस्य रमेश कश्यप गौड़ द्वारा मामला प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ के प्रतिनिधि ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है तथा एसआईटी का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है।

नीलम, प्रधानाध्यापिका (कानपुर देहात) के प्रकरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति के कारण निस्तारण नहीं हो सका। वहीं विनोद कुमार के प्रकरण में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे और पिछड़े वर्ग के कार्मिक की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

न्यूज ब्रीफ

सपा के सीतापुर कार्यालय को लेकर याचिका निस्तारित

लखनऊ, एजेंसी : इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने समाजवादी पार्टी के सीतापुर कार्यालय को खाली कराने का नोटिस, नगर पालिका परिषद द्वारा वापस लिए जाने के बाद कार्यालय को खाली कराने के खिलाफ दायर याचिका गुरुवार को निस्तारित कर दी। सीतापुर की नगर पालिका परिषद ने सात जनवरी के अपने नोटिस में समाजवादी पार्टी को 15 दिनों के भीतर अपना जिला कार्यालय खाली करने को कहा था।

एक्सप्रेस-वे पर बस में आग लगी, बाल-बाल बचे 60 से ज्यादा लोग

मथुरा, एजेंसी : यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह एक डबल-डेकर बस में आग लगने के बाद 60 से ज़्यादा यात्री बाल-बाल बच गए। यह घटना सुबह करीब 5 .30 बजे राया थाना क्षेत्र में आगरा-नोएडा मार्ग पर माइल स्टोन 110 के पास हुई। अग्निशमन विभाग के अधिकारी किशन लाल ने बताया कि बांदा से दिल्ली जा रही बस में पिछले टायर का ब्रेक जाम होने के बाद आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए चार दमकल गाड़िया लगाई गईं और आग पर काबू पाने में एक घंटे से थोड़ा ज़्यादा समय लगा। उन्होंने यह भी बताया कि ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

इंजीनियर की मौत के मामले में दो और बिल्डर गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी : नोएडा पुलिस ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मृत्यु की जांच के संबंध में गुरुवार को और दो बिल्डर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार सेक्टर 150 में पानी से भरी एक खाई में गिर गई थी और पानी में डूबने से उसकी मृत्यु हुई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रवि बंसल और सचिन कर्नवाल के रूप में हुई है। गुरुग्राम में कार्यरत 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता 16 जनवरी की रात सेक्टर 150 में अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार एक निर्माण स्थल के पास पानी से भरी खाई में गिर गई थी और उनकी मृत्यु हो गई थी।

देवरिया के खुखुन्दू थानाक्षेत्र में एक छात्रा अपने घर में मृत मिली

देवरिया, एजेंसी : जिले के खुखुन्दू थानाक्षेत्र में गुरुवार को इंटर (12वीं) की एक छात्रा का संदिग्ध परिस्थितियों में उसके कमरे से शव मिला। पुलिस के अनुसार देवरिया जिले में खुखुन्दू थानाक्षेत्र के भलुआ गांव में मनोज राजभर की बेटी शीतल कुमारी (17) इंटर की छात्रा थी। वह इन दिनों प्री-बोर्ड की परीक्षा दे रही थी। पुलिस के मुताबिक गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में उसका शव मिला जिसकी सूचना उसके चाचा हरिकेश राजभर ने पुलिस को दी।

गैराज में लगी आग तीन कारें जलीं

रामपुर, अमृत विचार : बीएसएनएल कॉलोनी के गैराज में गुरुवार तड़के भीषण आग लग गई, जिससे तीन कारें जल गईं। यह घटना सुबह 4 से 5 बजे के बीच हुई, जब अधिकांश लोग अपने घरों में सो रहे थे। शोर सुनकर बीएसएनएल के अवर अभियंता जितेंद्र मौके पर पहुंचे। गैराज में उनकी बोलेरो, अन्य बोलेरो और टाटा नेक्सन खड़ी थी, जो आग की चपेट में आ चुकी थीं।

नंदा राजजात यात्रा 2026 स्थगित करने पर आक्रोश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नंदा देवी मंदिर परिसर में गुरुवार को नन्दा देवी मंदिर समिति की बैठक हुई। बैठक में नंदा राजजात यात्रा को स्थगित करने के निर्णय को कुमाऊं की उपेक्षा बताया। यात्रा को स्थगित करने पर आक्रोश व्यक्त किया।

नंदा देवी मंदिर कमेटी की ओर से हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नंदा राजजात के संबंध में कुमाऊं नंदा राजजात के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को राजजात नाटी गढ़वाल के अध्यक्ष कुंवर राकेश पवार एवं महामंत्री भुवन नौटियाल की ओर से बिना कुमाऊं नंदा राजजात समिति को विश्वास में लिए एवं वार्ता किए बिना राजजात यात्रा को स्थगित कर दिया गया। कहा कि 75 वर्ष बाद सन् 2000 में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे डॉ. मुरली मनोहर जोशी एवं गढ़वाल पवार वंशज कुंवर बलवंत सिंह के आग्रह पर कुमाऊं ने इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। लेकिन कुमाऊं राजजात समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने अफसोस व्यक्त कर कहा कि अब बिना कुमाऊं नंदा राजजात समिति को विश्वास में लिए नंदा राजजात 2026 को स्थगित करने के निर्णय तुगलकी फरमान जैसा है।

कहा कि शीघ्र ही चंद्रवंशी युवराज नरेंद्र चंद्र राज सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नंदा राजजात 2026 के संबंध में वार्ता की जाएगी।

माघ शुक्ल पंचमी को मां सरस्वती के अवतरण दिवस पर मनाया जाता है यह पर्व

बसंत पंचमी आज, दुर्लभ संयोग बना रहे विशेष

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : इस वर्ष ऋतुराज बसंत का आगमन एक विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा और दुर्लभ संयोगों के साथ हो रहा है। आज (शुक्रवार) को मनाई जाने वाली बसंत पंचमी पर ग्रहों की एक ऐसी अद्भुत स्थिति बन रही है, जो इसे सिद्धिदायक पर्व बना रही है।

इस पावन अवसर पर गजकेसरी और चतुर्ग्रही योग का महासंगम होने जा रहा है, जो भक्तों के लिए उन्नति और समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। ग्रहों का दुर्लभ संयोग और शुभ फलदायी बना रहा है। ज्योतिष अशोक वार्ष्णेय के अनुसार, इस बार आकाश मंडल में दो अत्यंत प्रभावशाली योग बन रहे हैं। चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है जो सुख-संपदा लाता है। वहीं सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र के एक साथ आने से चतुर्ग्रही योग बन रहा है जो विशेष शक्ति और सफलता प्रदान करता है। यह महासंगम विशेष रूप से कर्क, कन्या, धनु और मकर राशि के जातकों के लिए अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा। शास्त्रों में माघ शुक्ल आज पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना गया है, इस दिन किसी भी शुभ कार्य के लिए पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती।

यह दिन बच्चों के विद्यारंभ, अक्षर ज्ञान, गृह प्रवेश और यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार जैसे मांगलिक कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ है हालांकि, ज्योतिषीय गणना के अनुसार जनवरी में शुक्रास्त के कारण विवाह के लग्न नहीं होंगे। वैवाहिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त 4 फरवरी से प्रारंभ होंगे।

हल्द्वानी में पीले खेतों ने धरा को अपने रंग में रंग दिया, जैसे धरती बसंत पंचमी का स्वागत कर रही हो। ● अमृत विचार

पीटीआर: रिसॉर्ट्स और होटलों की होगी जांच

एनजीटी की डिवीजन बेंच ने संयुक्त कमेटी गठित की

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के इको सेंसटिव जोन के दायरे में नियम विरुद्ध तरीके से बने रिसॉर्ट्स-होटलों की जांच होगी। दरअसल हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में एक मध्यस्थ आवेदन किया गया था। उन्होंने टाइगर रिजर्व के इको सेंसटिव में बने रिसॉर्ट्स-होटलों से होने वाले नुकसान और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने का हवाला दिया था। इस मामले में एनजीटी की डिवीजनल बेंच ने नियम विरुद्ध बने रिसॉर्टस-होटलों की जांच के लिए संयुक्त कमेटी का गठन किया है। तीन सदस्यीय कमेटी को जांच कर 10 सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बढ़ती उपलब्धियों के बीच पर्यटन के नाम पर पिछले कुछ सालों से बड़े पैमाने पर रिसॉर्ट-होटलों का निर्माण किया जा रहा है। खास बात यह है कि ये रिसॉर्ट-होटल बनवाने वालों में सबसे ज्यादा रसूखदार उद्योगपति शामिल हैं, जिन्होंने अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के इको सेंसटिव जोन में रिसॉर्ट-होटलों के नाम पर बड़े-बड़े कंकरीट के भवन बना डाले। ऐसा भी नहीं कि टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इन पर सख्ती करते हुए काम रुकवाने का प्रयास नहीं किए हो, मगर इन रसूखदारों के आगे जिम्मेदारों की आवाज भी बड़े अफसरों के कान में महज शोर बन रह गई।

दिल्ली, मुंबई, लखनऊ जैसे महानगरों के उद्योगपतियों ने टाइगर जोन में ही रिसॉर्ट-होटलों की पूरी की चेन खड़ी कर दी। इधर हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस पूरे मामले को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक मध्यस्थ आवेदन किया था। जिसमें उन्होंने इको सेंसटिव में अवैध निर्माणों का जिक्र करते हुए मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने का खतरा बताया था।

पीटीआर के इको सेंसटिव जोन में बने रिसोर्ट। ● अमृत विचार

● हाईकोर्ट के अधिवक्ता ने एनजीटी किया था आवेदन, मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने का बताया है खतरा

5000 रुपये की रिश्वत लेते कानूनगो गिरफ्तार

मोहम्मदी, अमृत विचार : मोहम्मदी तहसील में एंटी करप्शन टीम ने एक कानूनगो को 5000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से पूरे राजस्व विभाग में खलबली मच गई और बड़ी संख्या में लेखपाल मोहम्मदी कोतवाली पहुंच गए।

मोहम्मदी के मोहल्ला बाजार गंज निवासी घनश्याम पाठक ने दो दिन पूर्व एंटी करप्शन विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि उनकी भूमि की मेड़बंदी के मामले में कानूनगो भूपेंद्र कार्य कराने के एवज में पांच हजार रुपये मांग रहे हैं। एंटी करप्शन टीम ने शिकायत की गोपनीय जांच की, जिसमें आरोप सही पाए गए। गुरुवार को योजनाबद्ध तरीके से एंटी करप्शन टीम मोहम्मदी पहुंची और कानूनगो भूपेंद्र को उनके आवास से पकड़ लिया। टीम उन्हें मोहम्मदी कोतवाली ले आई, जहां करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई। कानूनगो की गिरफ्तारी की सूचना फैलते ही तहसील परिसर में खलबली मच गई।

बताया गया कि लेखपालों ने एंटी करप्शन टीम से बातचीत कर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने किसी भी तरह की चर्चा से इनकार कर दिया। देर शाम कानूनगो को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

ओवरब्रिज पर कार बोल्डरों से टकराई, एक की मौत

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की गंभीर लापरवाही के चलते एनएच-730 पीलीभीत–बस्ती हाईवे पर फरधान रेलवे क्रासिंग के पास बन रहे ओवरब्रिज पर लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। गुरुवार सुबह एक बार फिर ओवरब्रिज पर रखे पत्थरों से कार टकरा गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

गुरुवार की सुबह एक कार गोला की तरफ जा रही थी। लखीमपुर रोड पर फ़रधान में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास कार निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास रखे बोल्डरों से टकरा गई। सभी कार सवार लखनऊ से टनकपुर जा रहे थे। हादसे में लखनऊ के इंद्रानगर निवासी राहुल अग्रवाल (30) अंशराज अग्रवाल की मौत हो गई। वहीं सोनू (30) निवासी बाराबंकी, आसिफ (25) निवासी गोमती नगर लखनऊ गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जुट गई।

बोल्डरों से टकराकर क्षतिग्रस्त कार।

सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई।

पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से पहले सीएचसी भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह ओवरब्रिज पिछले करीब पांच वर्षों से निर्माणाधीन है और सुरक्षा के नाम पर यहां पर कुछ भी नहीं है। 18 जनवरी को भी इन्हीं बोल्डरों से कार टकरा गई थी। कार चालक मुसर्रफ सुबह तड़के गोला से लखीमपुर की ओर जा रहा था। कोहरा अधिक होने के कारण उसे सामने रास्ता बंद होने का संकेत नहीं दिखा। इसी दौरान उसकी कार ओवरब्रिज के पास रखे इन्हीं बोल्डरों से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई ।

बदायूं के श्रद्धालुओं को पूर्णागिरी के दर्शन करना हुआ कठिन

बदायूं, अमृत विचार : चैत्र नवरात्रि में मां पूर्णागिरी के दर्शन करना लोगों के लिए दुर्लभ बना हुआ है। पिछले चार साल से बदायूं से टनकपुर के लिए बस का संचालन बंद हैं। टनकपुर जाने के लिए लोगों को बरेली जाना पड़ता है। इससे लोगों को असुविधा होती है। स्थानीय लोगों ने टनकपुर रोडवेज बस का संचालन करने की मांग की है।

चैत्र नवरात्रि में मां पूर्णागिरी देवी का मेला लगता है। जिले के अधिकांश लोग चैत्र नवरात्रि के दौरान मां पूर्णागिरी देवी के दर्शन के लिए जाते हैं। दो माह तक पूर्णागिरी देवी का मेला चलता है। इसके चलते भारी संख्या में स्थानीय लोग मां के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। करीब चार साल से बदायूं से टनकपुर के लिए कोई रोडवेज बस सेवा नहीं है।

लोगों को टनकपुर जाने के लिए बरेली जाना पड़ता है। ऐसे में लोगों को काफी परेशानी होती है। बदायूं से टनकपुर बस का संचालन शुरू कराने के लिए व्यापारी संगठनों के साथ साथ कई सामाजिक संगठनों के द्वारा बस चलवाने के लिए प्रदर्शन भी किया था। साथ ही परिवहन निगम के अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा। कई बार लोग अधिकारियों से भी मिले, लेकिन हर बार परमिट न होने की बात कहकर मामला टाल दिया गया।

दो पैनकार्ड और शत्रु संपत्ति मामले में नहीं हुई सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की दो पैनकार्ड मामले में मिली सजा के खिलाफ दायर अपील पर गुरुवार को भी सुनवाई नहीं हो सकी।

पैनकार्ड मामले में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई। 21 जनवरी को भी बार एसोसिएशन चुनाव में महासचिव पद के लिए दोबारा मतगणना के चलते सुनवाई टल गई थी। कोर्ट ने 22 जनवरी तिथि दी थी। लेकिन वकीलों के कार्य के विरत रहने के चलते 22 जनवरी को भी सुनवाई नहीं हो सकी। पैनकार्ड मामले में सजा के खिलाफ अब 27 जनवरी को सुनवाई होगी। 17 नवंबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खां और अब्दुल्ला आजम को दो पैन कार्ड रखने के मामले में दोषी ठहराया था।

सीएम धामी से मिलीं डीआरएम

देहरादून, अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में डीआरएम, मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव ने शिष्टाचार भेंट की। राज्य में रेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, पूर्ण एवं प्रगतिरत रेल परियोजनाओं तथा भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार-देहरादून रेल खंड की क्षमता वृद्धि योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि हर्रावाला में 24-कोच हैंडलिंग सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। डीआरएम ने बताया कि राज्य में कई अहम रेल परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। रुड़की से देवबंद को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना (27.45 किलोमीटर) का कमीशनिंग कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत बनहेड़ा खास व झबरेड़ा में नए रेलवे स्टेशनों का निर्माण हुआ है। लक्सर-हरिद्वार रेल खंड को 110 किमी प्रति घंटा तक उन्नत किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट करतीं डीआरएम मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव।

छात्रों को पढ़ाते समय प्रवक्ता को ब्रेन स्ट्रोक

देहरादून। रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि विकासखंड स्थित राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) बीना में कार्यरत प्रवक्ता प्रभाकर थपलियाल गुरुवार को छात्रों को पढ़ाते समय अचानक ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हो गए। उनकी नाजुक स्थिति देखते हुए उन्हें हेली एम्बुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया है।

सुबह कॉलेज में प्रवक्ता थपलियाल को ब्रेन स्ट्रोक आने से उनका स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ने लगा। कॉलेज प्रशासन व सहकर्मियों ने बिना विलंब उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग लाया गया। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी रही। इसी दौरान घटना की सूचना जिलाधिकारी प्रतीक जैन को मिली तो उन्होंने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था करायी।

धार्मिक अनुष्ठान

प्रयागराज के संगम में चल रहे माघ मेले के दौरान बसंत पंचमी की पूर्व संध्या पर एक साधु अनुष्ठान करते हुए। ● एजेंसी

विधायक का दु:ख

बोले–जब सिक्का ही खोटा तो क्या करूं, संबंध विच्छेद का ऐलान, कभी नहीं करेंगे माफ

बेटे की करनी पर भावुक और शर्मिंदा हुए विधायक बेहड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पार्षद सौरभ बेहड़ हमला प्रकरण में बेटे की करनी से आहत पिता किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ बेहद शर्मिंदगी में बेचैन दिखे। उल्लेखनीय है कि किच्छा से कांग्रेस विधायक तिलकराज बेहड़ के पार्षद पुत्र सौरभ राज बेहड़ पर हुए कथित हमले का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, मास्टरमाइंड सौरभ ने ही खास मित्र इंदर नारंग के साथ साजिश रचते हुए तीन युवकों द्वारा अपने ऊपर हमले जैसी घटना करायी थी। पुलिस ने इंदर समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आंखों में आंसू और चेहरे पर उदासी के साथ बेहड़ ने सर्वसमाज से माफी मांगते हुए कहा कि जब उनका खुद का बेटा ही खोटा सिक्का निकल जाए तो एक बेबस पिता के सामने माफी मांगने के सिवा कुछ नहीं बचता। उन्होंने बेटे से पूर्णतया संबंध विच्छेद, संपत्ति बेदखल का ऐलान करते हुए सार्वजनिक माफी भी मांगी।

गुरुवार को अपने आवास में पत्रकार वार्ता में विधायक बेहड़ ने कहा कि जिस प्रकार बेटे पर हुए हमले की सूचना मिलते ही सर्वसमाज, सत्ताधारी नेता और कांग्रेस पार्टी के अलावा पूरा तराई भाबर एक आवाज पर साथ खड़ा हो गया। दलगत राजनीति को छोड़ मुख्यमंत्री और दूसरे दलों के नेताओं ने साथ दिया। उनके राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी पूरी मदद की और पुलिस कड़ी मेहनत कर खुलासे में सच्चाई सामने लायी। कहा कि शादी के बाद से ही उन्होंने सौरभ को उसका अधिकार देते हुए अलग कर दिया था, लेकिन जब बेटे ने किडनी देकर जीवन दान दिया। उस वक्त एक पिता का लगाव बेटे के प्रति बढ़ गया था, लेकिन जब हकीकत सामने आई और पता चला कि बेटे ने पत्नी से मतभेद को दूर करने के लिए अपने दोस्त इंदर नारंग के साथ मिलकर खुद पर हमले की योजना बनाई। बेहड़ ने ऐलान किया कि उनका अपने बेटे सौरभ से कोई रिश्ता नहीं है और संपत्ति पर भी कोई अधिकार नहीं होगा। यदि बेटा हमला कांड में मुल्जिम बन सकता है तो उन्हें कोई गुरेज नहीं है। विधायक बेहड़ ने उन परिवारों से भी माफी मांगी जिनको पुलिस तफ्तीश का सामना करना पड़ा। विधायक ने यह भी कहा कि हमले की कोई जानकारी नहीं थी। जल्द ही वह बेटे के खिलाफ एक और बड़ा फैसला लेंगे।

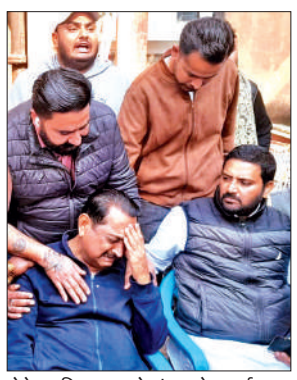

रोते हुए विधायक को संभालते समर्थक।

पत्नी को मनाने के लिए सौरभ ने रची साजिश

रुद्रपुर, अमृत विचार : पूरे प्रदेश में पार्षद सौरभ राज बेहड़ पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा हो रही थी। लोगों में यह भी उत्सुकता थी कि आखिर हमला क्यों हुआ और किसने किया। जब मामला सामने आया तो पता चला कि विधायक के बेटे और पार्षद सौरभ राज बेहड़ की पत्नी पिछले कुछ दिनों से नाराज होकर अपने मायके चली गई थी। बीवी को मनाने के लिए सौरभ ने खुद पर हमले की साजिश रच डाली जिसका अंदाजा विधायक पिता को भी नहीं था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से पार्षद सौरभ का अपनी पत्नी से मतभेद चल रहा था और बीवी अपने मायके चली गई थी। जब पार्षद का प्रयास विफल हो गया तो पार्षद ने ही बीवी को वापस बुलाने के लिए एक फर्जी हमला किए जाने की पटकथा लिख डाली और जिगरी यार घास मंडी निवासी इंदर नारंग से संपर्क किया। हमले की योजना बन चुकी थी और पार्षद ने ही इंदर के मोबाइल पर तीन हजार रुपये का भुगतान किया।

● पुलिस ने इंदर समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया

भारतीय परंपराओं में निहित है वैश्विक समस्याओं का हल: शाह

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय परंपराओं में विश्व की समस्याओं का समाधान निहित है। गुरुवार को हरिद्वार में आयोजित अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बीते दस वर्षों में देश की कार्य-संस्कृति और सोच में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है।

आज भारत को उसकी गौरवशाली विरासत, संस्कृति और मूल्यों के संदर्भ में आदर भाव से देखा जा रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और अरविंद घोष जैसे युगपुरुषों के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के उत्कर्ष से मानवता का उत्कर्ष सुनिश्चित होगा। देवभूमि हरिद्वार में कदम रखते ही आध्यात्मिक अनुभूति होती है और गायत्री मंत्र व्यक्ति के भीतर सद्भाव, राष्ट्र सेवा और मानव कल्याण की चेतना को जाग्रत करता है। उन्होंने युवाओं से आत्म-सुधार को सबसे बड़ी सामाजिक सेवा मानकर इसे जीवन में अपनाने का आग्रह किया।

इस दौरान अखिल विश्व गायत्री परिवार से डॉ. चिन्मय पांड्या ने कहा कि सनातन धर्म रक्षा के लिए राष्ट्र धर्म रक्षा जरूरी है। गायत्री परिवार का मूल दर्शन समाज से विमुख होना नहीं, बल्कि समाज में रहकर मानव कल्याण और सामाजिक उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाना है।

हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा

गृह मंत्री शाह ने कहा कि श्रीराम शर्मा आचार्य ने सनातन धर्म में व्याप्त विकृतियों को दूर कर आध्यात्मिकता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा तथा समानता, संस्कृति, एकता और अखंडता के मूल्यों को सुदृढ़ किया। व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग प्रशस्त किया। उनके संदेश 'हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा' को मानव कल्याण का मूल मंत्र बताते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

● गृह मंत्री अमित शाह ने किया गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित

खेलते वक्त नाले में गिरा डेढ़ साल का मासूम, मौत

प्रधान के पति के खिलाफ रिपोर्ट, घर के सामने बना नाला

संवाददाता, भोजीपुरा

मृतक प्रयाग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : घर के सामने बने नाले के पास खेलते समय डेढ़ वर्ष का मासूम नाले में गिर गया। बच्चे को परिजन मेडिकल कॉलेज में ले गए। जहां डाक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मृतक मासूम की मां ने प्रधान शशि गंगवार के पति व रोजगार सेवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

भोजीपुरा के गांव मोहम्मदपुर ठाकुरान निवासी जितेंद्र के घर सामने जल निकासी हेतु प्रधान द्वारा नाले का निर्माण कराया गया था। बृहस्पतिवार को दोपहर बच्चों के साथ मासूम प्रयाग खेल रहा था। तभी खेलते समय वह नाले में गिर गया। बच्चों की चीख-पुकार पर परिजन मौके पर पहुंचे और बच्चे को नाले से निकाला। परिजन आनन फानन में मेडिकल कॉलेज में ले गए। वहां डाक्टरों ने देखते ही बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों के साथ बच्चे की मां कलावती बच्चे के शव को लेकर भोजीपुरा थाने पहुंचे। मृतक की मां कलावती ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि प्रधान शशि गंगवार के पति रामकिशोर गंगवार व रोजगार सेवक जसवंत द्वारा उन लोगों के मना करने के बाबजूद भी अवैध तरीके से नाले का निर्माण कराया था।आरोप है कि प्रधान के पति रामकिशोर गंगवार ने कहा था कि उन लोगो ने वोट नहीं दिए तो वह घर के सामने नाला बनाया जाएगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

● घर के सामने नाला बनाने के विरोध के बाद प्रधान पति और रोजगार सेवक ने कराया निर्माण

थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिल गई है। रिपोर्ट दर्ज कर जांचोपरांत कार्रवाई की जाएगी।

दौली में खंती में पलटा टेम्पो, एक की मौत, तीन घायल

देवरनिया, अमृत विचार : मजदूरों को भरकर जा रहा टेम्पो खंती में पलट गया। दौली में हुए हादसे एक बुजुर्ग की मौत हो गई और तीन से ज्यादा लोग घायल हो गये है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है।

थाना शाही क्षेत्र के ग्राम दौली जवाहरलाल के समीप टेंपो पलट गया। इसमें नगला गांव के मजदूर थे जो मजदूरी करने जा रहे थे। खंती में टेपों पलटने से उसमें फंसे लोगों को राहगीरों ने बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल लेकर गये। इस दौरान अस्पताल ले जाते समय बुजुर्ग शमशेर अहमद (50) की रास्ते में ही मौत हो गई। इसके अलावा महबूब शाह, मोहम्मद अली, शकील निवासी नगला कोतवाली देवरनिया गंभीर घायल हो गये। ।शाही पुलिस के मौके पर पहुंचने से पूर्व ही सभी घायल व इलाज हेतु ले जाए गए थे ।

औरंगाबाद में 52 बीघा भूमि 1.45 करोड़ में बिकी

संवाददाता, नवाबगंज

ओसवाल चीनी मिल की भूमि की नीलामी करते हुए तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह

अमृत विचार : गन्ना किसानों का लगभग 72 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान न किए जाने पर तहसील प्रशासन ने गुरुवार को कड़ा कदम उठाते हुए ओसवाल चीनी मिल की औरंगाबाद स्थित भूमि की नीलामी कर दी। नीलामी के दौरान करीब साढ़े 52 बीघा जमीन 1 करोड़ 45 लाख 50 हजार रुपये में बिक गई।

आरसी जारी होने के बाद तहसील प्रशासन द्वारा नीलामी की सूचना प्रकाशित की गई थी। तय कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को तहसील सभागार में नीलामी प्रक्रिया शुरू कराई गई। तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह की मौजूदगी में हुई नीलामी में सिथरा स्थित फॉर्म पैक्स बायोएनर्जी एलएलपी के प्रतिनिधि अभिषेक सिंह ने सर्वाधिक बोली लगाई, जिसके बाद भूमि उनके नाम नीलाम की गई। नीलामी प्रक्रिया में आसानी होटल एलएलपी के प्रतिनिधि हरदीप सिंह और सुनील कुमार ने भी भाग लिया। तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह ने बताया कि ओसवाल चीनी मिल की मुड़िया भीकमपुर स्थित भूमि की नीलामी अभी शेष है, जिसे जल्द ही नीलाम किया जाएगा।

● ओसवाल चीनी मिल की औरंगाबाद स्थित जमीन की हुई नीलामी

दोहना और मुड़िया में फास्टैग आज से लागू

संवाददाता, बहेड़ी, भोजीपुरा

अमृत विचार : नैनीताल रोड पर बिना फास्टैग सफर करना अब ज़्यादा खर्चीला होने वाला है। फास्टैग न लगाने वाली गाड़ियों को कैश में तय शुल्क का दो गुना अदा करना होगा। नैनीताल रोड पर बने दोनों टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू कर दी गई है।

नैनीताल रोड पर मुड़िया में दो टोल प्लाज़ा काम कर रहे हैं। अब तक राष्ट्रीय राजमार्गो पर फास्टैग न होने की स्थिति में दो गुना शुल्क देना पड़ता है, लेकिन यह व्यवस्था अब राज्य के राजमार्गों पर भी लागू कर दी गई है। दोहना औरमुड़िया र फास्टैग न लगे वाहनों को कैश में भुगतान करने पर दो गुना शुल्क देना होगा।

टोल प्लाज़ा के मैनेजर दीपक पाण्डेय ने बताया कि यह व्यवस्था बृहस्पतिवार रात से चालू हो गई है। शुक्रवार से सख्ती से इसका पालन कराया जाएगा। कहा कि वाहन स्वामियों को किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए अपने वाहनों पर फास्टैग लगा लेना चाहिए।उन्होंने कहा कि ऑन लाइन पेमेंट से टोल प्लाज़ा से गुजरने में समय भी नहीं लगेगा।

● वाहनों में फास्टैग लगा लो नहीं तो देने होंगे डबल पैसे

देवस्थान भूमि पर अतिक्रमण का आरोप, ज्ञापन

नवाबगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव गंगापुर में देवस्थान की भूमि को लेकर चल रहे विवाद के मामले में भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी उदित पवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। संगठन ने देवस्थान की जमीन की पैमाइश कराकर अतिक्रमण हटवाने की मांग की है।

बताया कि गांव गंगापुर स्थित गाटा संख्या 51 राजस्व अभिलेखों में देवस्थान के नाम दर्ज है। इस भूमि पर कुछ लोगों ने पहले से ही आवास बना रखे हैं, जबकि कुछ नए निर्माण कार्य भी शुरू कर दिए गए हैं, पदाधिकारियों ने मांग की कि देवस्थान की भूमि की तत्काल पैमाइश कराई जाए, अवैध रूप से बने मकानों को ध्वस्त कराया जाए और नए निर्माण पर तुरंत रोक लगाई जाए अन्यथा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

मोबाइल टॉवर निर्माण का विरोध

संवाददाता, नवाबगंज

टॉवर लगने के विरोध के बाद मौके पर पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कस्बे के बीचोबीच मोबाइल टावर लगाए जाने की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में रोष फैल गया। ग्रामीणों ने भाजपा और व्यापारी नेताओं के साथ मौके पर पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। नाराज लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने निर्माण कार्य तत्काल रुकवा दिया।

कस्बे के मोहल्ला पुराना ब्लाक स्थित सुरजीत लाल के खाली प्लॉट पर एक मोबाइल कंपनी द्वारा टावर लगाए जाने की तैयारी की जा रही थी। गुरुवार को कंपनी के ठेकेदार ने मजदूरों के साथ पहुंचकर टावर लगाने के लिए गड्ढा खोदने का काम शुरू कर दिया। इसकी भनक लगते ही आसपास रहने वाले जितेंद्र कुमार सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और विरोध जताने लगे।

● लोगों के हंगामे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ,रुकवाया काम

● टॉवर को आबादी से दूर लगाने की रखी मांग

भाजपा नेता सचिन रस्तोगी और व्यापारी नेता प्रेम प्रकाश रस्तोगी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और निर्माण कार्य को लेकर हंगामा शुरू हो गया। ग्रामीणों ने एसडीएम उदित पवार, विधायक डॉ. एमपी आर्य और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. एके गंगवार को मामले से अवगत कराया, साथ ही डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। साथ ही टावर निर्माण करा रहे ठेकेदार और मजदूरों को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि कस्बे के बीच मोबाइल टावर लगाया जाना जनहित में नहीं है और इसे आबादी से दूर लगाया जाना चाहिए। विरोध करने वालों में जितेंद्र कुमार, गंगादेव, अभिषेक, इंद्रपाल, सचिन रस्तोगी आदि लोग शामिल रहे।

न्यूज डायरी

जीटीआर विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाए मॉडल

भुता, अमृत विचार : कस्बा क्षेत्र के गजनेरा रोड स्थित जीटीआर इंटर कॉलेज में दिन गुरुवार को विद्यालय के बच्चों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर अजीत कुमार गंगवार, भाजपा नेता प्रशांत पटेल व ईशान ग्वाल ने किया। प्रदर्शनी में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय में प्रदर्शनी में आए लोगों को खिचड़ी भोज भी कराया गया। इस दौरान प्रबंधक टी आर गंगवार, राजीव गंगवार, प्रधानाचार्य सी पी गंगवार, गया प्रसाद, अंकित कुमार, दिनेश कुमार, बृजेश गंगवार आदि लोग उपस्थित रहे।

फरीदपुर में न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

फरीदपुर , अमृत विचार : सिविल न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता मनोज यादव के भाई विधि छात्र योगेश यादव के हत्यारोपीयों की गिरफ्तारी शीघ्र से शीघ्र कराने हेतु गुरुवार को सभी अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्यों से विरत रहकर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में सिविल न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पाल सिंह यादव , महासचिव रजनीश कश्यप , श्रवण कुमार शर्मा,प्रवीण सिंह भदौरिया ,बृजेश यादव ,सत्येंद्र मिश्रा, कुलदीप सक्सेना ,शाहिद हुसैन ,राकेश यादव अतुल परमार, विजय यादव, सूरजपाल,अनिशुद्दीन, अभिषेक सक्सेना,अंशु सक्सेना,मनोज कुमार जावेद खान ,मथुरा प्रसाद साहू, राहुल कश्यप , अवनीश शर्मा, पंकज शर्मा,विकास मिश्रा, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ,देवेश पांडे संजीव सिंह, धर्मेंद्र मौर्य, रामगोपाल, श्यामवीर, राजकुमार, हरमेश एवं अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे। पुलिस क्षेत्राधिकारी संदीप कुमार द्वारा आश्वासन दिया गया है कि जल्द से जल्द सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार करने हेतु कार्यवाही की जाएगी।

पखुर्नी में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

देवरनियां, अमृत विचार : ग्राम पंचायत पखुर्नी में ग्रामीणों के सहयोग से श्रीमद् भागवत कथा कराई जा रही है, वृहस्पतिवार को महिलाओं द्वारा कलश यात्रा के साथ इसका शुभारंभ हुआ। श्रीमद् भागवत कथा स्थल से 11 बजे से कलश यात्रा निकालकर गांव के शिव मन्दिर पर पूजा अर्चना के बाद बाजार तिरहा उपस्वास्थ्य केन्द्र होते हुए ढोड़ा नदी से जल लेकर पुन : कथा स्थल पर पहुंचकर कलश यात्रा संपन्न हुई। दो बजे से कथावाचक आचार्य शिवम मिश्रा द्वारा भक्तों को कथा सुनाई। इस दौरान परीक्षित शिवम् उपाध्याय, प्रधान पति धर्मेन्द्र कुमार मौर्य, राकेश कुमार , मास्टर धर्मवीर मौर्य, हुरेश कुमार , उमेश कुमार मौर्य , रवि कुमार मौर्य , प्रधान बबली मौर्य, पिन्टू गुप्ता, देवीदास मौर्य, रामदयाल, दीपेन्द्र गुप्ता , उदयवीर , टीकाराम मौर्य, मास्टर हरीश कुमार पाली आदि रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

पासपोर्ट संख्या M1030344 में मेरा नाम MADEENA हो गया है, जोकि गलत है, सही नाम BUSHRA AMANAT है, भविष्य में मुझे बुशरा अमानत के नाम से जाना पहचाना जाए। बुशरा अमानत पुत्री अमानत रसूल निवासी भूरे खां, पीलीभीत उ.प्र. पिन-262001

सूचना

मैं शान्ती देवी पत्नी भगवान बक्श, ग्राम नकारा, पोस्ट औरंगाबाद, तहसील मितौली जनपद लखीमपुर-खीरी की निवासी हूँ। शान्ती देवी पत्नी भगवान बक्श व कांती देवी पत्नी भगवान बक्श दोनों नाम मेरे ही है, मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी PNB Metlife पॉलिसी सं. 23472519 में नाम भूलवश SHISHAPAL KALIYAN पुत्र KALYAN SINGH दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम SHEESH PAL SINGH पुत्र KALIYAN SINGH है। पैन कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी मेरा नाम SHEESH PAL SINGH पुत्र KALIYAN SINGH ही दर्ज है। **शीशपाल सिंह पुत्र श्री कल्यान सिंह निवासी संजय नगर नजदीक श्रीराम मोटर्स, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड में मेरा नाम भूलवश पप्पू तथा जन्मतिथि 01.01.2003 दर्ज हो गई है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम शिव ओम तथा जन्मतिथि 01.01.2006 है। शैक्षणिक दस्तावेजों में भी नाम शिव ओम तथा जन्मतिथि 01.01.2006 ही दर्ज है। **शिव ओम पुत्र प्रमोद कुमार निवासी ग्राम म्यारी पोस्ट अभिगाव गौतरा थाना उसावा पर. सलेमपुर तहसील दातागंज जिला बदायूँ।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)

Senior Consultant Neurosurgeon

मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ

Reg. No. UPMCI 65389

समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क | ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा | गर्दन दर्द (सर्वाइकल) | रीढ़ की चोट, टी.बी | सिर दर्द, माइग्रेन | कमर दर्द, कंधों में दर्द | पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ | सिर की चोट (हेड इंजरी) | हाथ पैरों में झनझनाहट | फालिज (लकवा) | नसों का दर्द | सियाटिका (कमर से पैरों में दर्द) | दिमागी में पानी व खून जमना

दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre

Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली

7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY

अमृत विचार

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय

राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक

निःशुल्क परामर्श

डॉ. दीपक माहेश्वरी

M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ

कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।

रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-

प्रेमलोक हॉस्पिटल •CARE FOR SURE•

नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430

डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी

एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)

Consultant Urologist & Andrologist

गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन

● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल

डॉ. एम. खान हॉस्पिटल

मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली

हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर

उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध

100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव

अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध

IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर

लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध

बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध

OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार

8077344353

समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

डॉ. आदित्य त्यागी

MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON

आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा

ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

नवाबगंज से रविन्द्र सिंह निर्विरोध निर्वाचित

नवाबगंज, अमृत विचार : भूमि विकास बैंक (एलडीबी) के प्रतिनिधि चुनाव में नवाबगंज ब्लॉक से रविंद्र सिंह राठौर को निर्विरोध प्रतिनिधि निर्वाचित घोषित किया गया। गुरुवार को नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद उनकी जीत की औपचारिक घोषणा कर दी गई। मंगलवार को रविंद्र सिंह राठौर ने नवाबगंज से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

मीरगंज से होरीलाल निर्विरोध निर्वाचित

मीरगंज, अमृत विचार : सहकारी ग्राम विकास बैंक शाखा के प्रतिनिधि पद पर गांव दियोसास निवासी एवं प्रधानपति होरीलाल गंगवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। एकल नामांकन होने के चलते निर्वाचन अधिकारी ने गुरुवार को उन्हें प्रतिनिधि पद पर निर्विरोध चुने जाने की घोषणा करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

उनके निर्विरोध की घोषणा निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र कुमार ने की। इसके बाद विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार ने होरीलाल गंगवार का फूलों की वर्षा व मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया।

अखंड पाठ के समापन पर शोभायात्रा निकाली

नवाबगंज, अमृत विचार : नीलेश्वर पंचमुखी श्री बालाजी मंदिर पर हनुमान चालीसा के सात दिवसीय अखंड पाठ से पूर्व यह शोभायात्रा निकाली गई। पंचानन सेवा समिति के प्रदीप राजपूत ने बताया कि अखंड पाठ के समापन के उपरांत 30 जनवरी को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देसी हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष बाबूराम गंगवार, गौ रक्षा प्रमुख प्रिंस गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

महिपाल बने माधौपुर के निर्विरोध कोटेदार

क्योलडिया, अमृत विचार : भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत माधोपुर में रिक्तचल रही कोटे की दुकान के चुनाव में महिपाल को निर्विरोध चयन हुआ और उन्हें कोटेदार नियुक्त किया गया। ए डी ओ भगवान स्वरूप सचिव सचिन गंगवार गांव पहुंचे और उन्होंने चुनाव अधिकारी बनकर कोटेदार के चुनाव के लिए नामांकन शुरू किया जिसमें एक मात्र उम्मीदवार महिपाल ने अपना नामांकन किया। तय समय तक किसी अन्य ने नामांकन नहीं किया तो उन्हें माधौपुर का नया कोटेदार चुना गया । कोटेदार बनने पर ग्राम प्रधान त्रिवेंद्र गंगवार पूर्व प्रधान मूंगा लाल गंगवार प्रदीप श्रीवास्तव सुग्रीव श्रीवास्तव, , राम प्रताप गंगवार आदि ने बधाई दी।

धूमधाम से निकाली ध्वज यात्रा

मानपुर, अमृत विचार : अयोध्या में श्रीराम मन्दिर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ठाकुर जी महाराज मन्दिर खमरिया पर अखण्ड रामायण पाठ के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रबंधक सुखबीर सिंह, अध्यक्ष माखनलाल, विमल सिंह आदि मौजूद रहे। भाजपा नेता महेन्द्र हिन्दू के नेतृत्व में वाहनों पर सवार होकर युवाओं ने श्रीराम के ध्वज के साथ रैली निकाली। रैली लखा चौराहे से शुरू होकर ग्राम गुलड़िया कला, बल्ली, लखीमपुर, ढकिया डाम, बिलसा, जाफरपुर आदि गाँवो से गुजरती हुई कस्बा शीशगढ़ पहुंची। शीशगढ़ में ठाकुर शिव कुमार सिंह, रामप्रकाश गुप्ता, लक्ष्मी देवल, जसवंत राठौर, राजीव कठेरिया, प्रदीप माली आदि ने पुष्प वर्षा कर श्रीराम ध्वज यात्रा का स्वागत किया।

बिथरी -मेहतरपुर सड़क निर्माण आज से, खनन वाहनों पर 'बैन'

जर्जर मार्ग पर डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आवाजाही अब पूरी तरह प्रतिबंधित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः बिथरी चैनपुर से मेहतरपुर करोर संपर्क मार्ग की चार किलोमीटर लंबी सड़क का शुक्रवार से निर्माण कार्य कराया जाएगा। यह सड़क पिछले चार सालों से जर्जर स्थिति में है और लगातार मिट्टी ढोने वाले डंपर व ट्रैक्टर-ट्रॉली के संचालन के कारण सामान्य वाहनों के लिए असुरक्षित हो चुकी थी। दिसंबर माह में शासन ने इस सड़क के निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी को 1.40 करोड़ रुपये मंजूर किए थे और 50 लाख की पहली किस्त भी जारी की गई थी, लेकिन एनएचएआई की परियोजनाओं का ठेका लेने वाली आरसीएल कंपनी के डंपरों और खनन माफिया के ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पीडब्ल्यूडी काम शुरू नहीं करा पा रहा था।

शुक्रवार को अरविंद पाल, राजवीर, ओमप्रकाश, शिशुपाल सिंह, हरपाल सिंह, वेदपाल समेत

जर्जर बिथरीचैनुपर-मेहतरपुर मार्ग। ● अमृत विचार

- डीएम के सख्त आदेश के बाद पीडब्ल्यूडी ने काम शुरू कराने की तैयारियां की पूरी
- आरसीएल के डंपरों और खनन माफिया के वाहनों की आवाजाही से रुका था काम

बड़ी संख्या में ग्रामीण डीएम से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे और सड़क की बदहाल स्थिति, लगातार हो रही दुर्घटनाओं और अवैध वाहनों के संचालन पर अपना रोष व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले माह प्रशासन ने कुछ डंपरों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर जुर्माना लगाया, लेकिन ये वाहन कुछ ही दिनों में फिर चलने लगे। इसी बीच नौ जनवरी को गांव सहजनपुर में एक अवैध ट्रैक्टर-ट्रॉली दुर्घटना में एक महिला और उसकी पांच वर्षीय पुत्री की मौत हो गई थी। बजट मिलने के बाद भी पीडब्ल्यूडी काम नहीं करा रहा है। इस पर डीएम ने तुरंत पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता भगत सिंह को फोन कर सख्त निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य हर हाल में शुक्रवार को शुरू किया जाए। डीएम के निर्देश पर एक्सईएन ने आसीएल कंपनी के साइट इंजीनियर से वार्ता कर दो टूक कहा कि आज से सड़क निर्माण शुरू होगा और डंपरों की आवाजाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भगत सिंह के मुताबिक कंपनी ने मेहतरपुर करोर सड़क के किनारे खुदाई की अनुमति प्रशासन से ली हुई है, इसी वजह से डंपरों की लगातार आवाजाही से सड़क पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है।

बिथरी और फरीदपुर विधायक की पहल से मिली थी स्वीकृति

बिथरी चैनपुर से मेहतरपुर करोर मार्ग लंबे समय से जर्जर है। इसे बनवाने के लिए बिथरी और फरीदपुर के दिवंगत विधायक ने लगातार प्रयास किए थे। उनकी सक्रिय पैरवी के बाद ही इस सड़क के निर्माण के लिए दिसंबर माह में स्वीकृति मिली थी, लेकिन आरसीएल कंपनी के डंपरों और खनन माफिया के ट्रैक्टर-ट्रॉली की लगातार आवाजाही के कारण पीडब्ल्यूडी काम कराने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

बुजुर्ग महिला की हत्या के तीन आरोपी पकड़े गए

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गये आरोपी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

- चोरी के लिए घुसे पहचाने जाने के डर से महिला का गला दबाया

अमृत विचार : गांव बांसबोझ की बुजुर्ग महिला की हत्या चोरों ने की थी। चोरी करने के लिए घर में घुसे तीन लोगों ने पहचाने जाने के डर से बुजुर्ग महिला का गला घोंट दिया था।

गांव बांसबोझ के लाला राम ने 16 जनवरी को बहेड़ी पुलिस को बताया था कि उसकी 70 वर्षीय मां ललिता देवी की गला घोंटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी थी।पुलिस की तफ्तीश में उसको एक लाइन मिली,जिसके आधार पर उसे गांव के ही तीन लोगों के बारे में जानकारी लगी। पुलिस उन तीनों की तलाश में लगी और आज पुलिस को रिछा फाटक के पास तीन लोगों मिल गए। पुलिस ने इनको गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में इन तीनों ने उस हत्या का पूरा राज़ उगल दिया। उन्होंने पुलिस को बताया कि 13जनवरी की रात वह लोग चोरी के लिए लाला राम के घर घुसे थे, तभी उसकी माँ जाग गई। महिला की बात से उन्हें लगा कि वह उनको पहचान गई है,जिससे उन्हें खतरा लगा कि बात खुल जाएगी। उनका कहना था कि इसी के चलते उन्होंने बुढ़िया का गला घोंट दिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए लोगों में गांव बांसबोझ के ही राजेश, आकाश और सर्वेश हैं।

छापामार कर नामी कंपनी की 648 टी शर्ट बरामद

बहेड़ी, अमृत विचार : टी-शर्ट बनाने वाले कारखाने में ब्रांड का लोगो लगाकर जारा ब्रांड की नकली टी-शर्ट तैयार किए जाने के मामले में कॉपीराइट उल्लंघन की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है।

त्रिका कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, कम्पनी मुम्बई को बहेड़ी में जारा ब्रांड की नकली टी-शर्ट बनाने की सूचना मिली थी। कम्पनी के फील्ड ऑफिसर शत्रुघ्न प्रसाद ने बृहस्पतिवार को बहेड़ी पुलिस के साथ मोहल्ला शेरनगर में अंसारी निट फैब के नाम से चल रहे कारखाने पर छापा मारा। छापे में मौके पर 648 टी-शर्ट मिलीं, जिन पर जारा कम्पनी का लोगो अवैध रूप से लगाया गया था। कम्पनी के अधिकारी का कहना था कि यह टी-शर्ट्स कम्पनी के नाम पर बाज़ार में बेची जातीं।

पुलिस ने मौके से तस्लीम बताया।छापे में मौके से ज़ारा के 1025 नकली लोगो,एक सिलाई मशीन को भी क़ब्ज़े में लिया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। छापे में एस आई अजय सिंह, विजय पाल सिंह हेड कांस्टेबल सरजीत व नीता शामिल रहे। बहेड़ी में सस्ते दामों वाले लोअर और टी-शर्ट बनाने के कारखाने हैं, इनमें नकली लोगो लगा दिए जाते हैं।

चाइनीज मांझे में टॉवर पर फंसा कबूतर, गई जान

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : कस्बे की इंद्रानगर बस्ती में लगे जियो कंपनी के मोबाइल टावर पर चाइनीज मांझे में उलझकर एक कबूतर फंस गया। टावर में फंसे इस बेजुबान पक्षी पर छात्रा पिंकी गंगवार की नजर पड़ी। लखनऊ में एमएसडब्ल्यू की पढ़ाई कर रही छात्रा ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए कबूतर को बचाने के लिए तत्काल प्रयास शुरू किए।

सुबह करीब नौ बजे पिंकी ने पहले एक रेस्क्यू टीम के सदस्य विक्रांत को फोन किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इसके बाद छात्रा ने सीधे पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी को फोन कर टावर में पक्षी के फंसे होने की जानकारी दी।

छात्रा के फोन के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया। वन विभाग और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। फायर स्टेशन प्रभारी पुष्पेंद्र चौहान और वन विभाग के अकबर अली अपने-अपने स्टाफ के साथ स्थल पर पहुंचे, लेकिन जियो कंपनी द्वारा टावर पर चढ़ने की अनुमति न मिलने के कारण दोनों विभागों के कर्मी असहाय बने रहे और टावर कर्मी के आने का इंतजार करते रहे। काफी देर बाद शाम करीब चार बजे जियो कंपनी का टावर कर्मी कैलाश राठौर ने टावर पर चढ़कर मांझे में फंसे कबूतर को बाहर निकाला, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और बेजुबान तड़पकर आखिरकार दम तोड़ चुका था।

नवनिर्वाचित बार पदाधिकारी सम्मानित

व्यापार मंडल ने क्लब के सभागार में बरेली बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सम्मानित किया। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राष्ट्र जागरण युवा संगठन ने गुरुवार को नावल्टी चौराहे स्थित एक क्लब के सभागार में बरेली बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनोज हरित और सचिव दीपक पांडेय को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि मनोज हरित ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। सचिव दीपक पांडेय ने कहा कि अधिवक्ता केवल मुकदमों तक सीमित नहीं होते, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। कमल जगवानी ने कहा कि राष्ट्र जागरण युवा संगठन सदैव समाज के विभिन्न वर्गों को सम्मान देने एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को सशक्त करने के लिए कार्य करता रहा है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विवेक कुमार ने किया। डॉ. पवन सक्सेना, रतन शर्मा, सौरभ शर्मा, नन्दू सिंह, विशाल मेहरोत्रा, सचिन श्याम भारतीय, लवलीन कपूर, पंकज सिंह, आकाश सक्सेना, सुषमा गौतम, बेबी शर्मा, आयुष गुप्ता, जैनब फातिमा, विमल भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

पेड़ के सहारे घर में घुसकर छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 9 की छात्रा के घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। छात्रा के शोर मचाने पर आरोपी मौके पर अपनी चप्पल छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता गांव के ही एक स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा है। छात्रा के पिता का आरोप है कि गांव का युवक आकाश आए दिन स्कूल आते-जाते रास्ता रोककर उनकी बेटी को फब्तियां कसता और अश्लील हरकतें करता था। ।

बीती रात छात्रा कमरे में सो रही थी। आरोप है कि इसी दौरान आकाश पेड़ के सहारे उसके कमरे में घुस आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। छात्रा के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंच गए। खुद को घिरता देख आरोपी अपनी चप्पलें मौके पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद जब छात्रा के परिजन शिकायत करने आरोपी के घर पहुंचे तो आरोपी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट कर दी। घटना से आहत छात्रा के पिता ने थाना नवाबगंज में तहरीर दी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छात्रा को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

तीन लाख वसूले, 51 कनेक्शन काटे

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : विद्युत विभाग के मेगा डिस्कनेक्शन व वसूली अभियान के तहत नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान विभाग की संयुक्त टीम ने एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत नगर क्षेत्र से एक लाख 30 हजार रुपये की वसूली की, जबकि 51 बड़े बकाएदार उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे गए। ग्राम मटकापुर और सतुइया खुर्द में भी विभाग की टीम ने लगभग 42 लाख रुपये के बकाए में 80 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे किए। करीब ढाई लाख रुपये की अतिरिक्त वसूली भी की गई। एसडीओ राजेन्द्र सिंह, जेई नीरज पाल आदि शामिल रहे।

कस्बे में कनेक्शन चेक करती विद्युत टीम। ● अमृत विचार

सतुईया में सख्त कार्रवाई, 1.5 लाख की वसूली

नवाबगंज, अमृत विचार : नवाबगंज क्षेत्र के सतुईया गांव में बिजली चोरी की शिकायतों पर विभागीय टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। जेई मोहित कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे उपभोक्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। अभियान में करीब डेढ़ लाख रुपये की राजस्व वसूली की गई, जबकि नियमों के विरुद्ध संचालित 30 बिजली कनेक्शन काट दिए गए। अचानक हुई इस कार्रवाई से गांव में हड़कंप मच गया ।

रात में लग गया यूनीपोल, निगम को भनक नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में अवैध यूनीपोल पर लगाम लगाने का दावा करने वाला नगर निगम एक बार फिर कटघरे में खड़ा नजर आ रहा है। संजय नगर रोड पर आम के पेड़ के पास निगम की अनुमति के बिना रातों-रात यूनिपोल लगाए जाने का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा ढांचा रातों-रात तैयार हो गया और निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। जबकि नियमों के तहत किसी भी यूनिपोल या विज्ञापन संरचना के लिए पूर्व अनुमति, शुल्क और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होता है, लेकिन इस मामले में सभी नियमों को खुलेआम ताक पर रख दिया गया।

संजयनगर रोड पर रातों रात लगा यूनिपोल। ● अमृत विचार

- संजय नगर में बिना अनुमति यूनीपोल लगाने ने नियमों की धज्जियां उड़ाईं
- एक्सईएन बोले- शुक्रवार को टीम भेजकर जब्त किया जाएगा यूनीपोल

इससे न केवल निगम की लापरवाही उजागर हुई है, बल्कि सड़क से गुजरने वाले लोगों की सुरक्षा भी खतरे में डाल दी गई है।

शहर में मानक विहीन और अवैध यूनीपोल और रूफटॉप्स हर महीने नगर निगम के राजस्व को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार नगर आयुक्त विज्ञापन विभाग पर नाराजगी जता चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि निगम की ओर से अवैध होर्डिंग और यूनीपोल हटाने की कार्रवाई के बाद अब साफ हो गया है कि निगरानी तंत्र केवल कागजों तक सीमित है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना अधिकारियों की मिलीभगत के यूनीपोल लगाना संभव ही नहीं है। एक्सईएन राजीव राठी का कहना है कि शुक्रवार को टीम मौके पर भेजकर यूनीपोल को हटवाया जाएगा। यूनीपोल किसने लगवाया इसकी जानकारी भी आसपास के लोगों से ली जाएगी ताकि जुर्माना डाला जा सके।

मंदिर में विराजने की खुशी

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर हुए कार्यक्रम, उत्सव के माहौल में मंदिरों में हुई सजावट, सुंदर कांड पाठ के बाद बांटा प्रसाद, बनाई गई रंगोली

अयोध्या में विराजे रामलला की वर्षगांठ पर निकली भव्य शोभायात्रा

श्रीराम शोभायात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करते भाजपा नेता नीरेंद्र सिंह राठौर।

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : अयोध्या में त्रिपाल से निकलकर भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर बृहस्पतिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

रामलीला मैदान से शुरु हुई शोभायात्रा को भाजपा नेता नीरेंद्र सिंह राठौर ने झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पंचमुखी बालाजी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्रीराम के जयघोष करते हुए चल रहे थे। महिलाएं, पुरुष और बच्चे पूरे उत्साह के साथ शोभायात्रा में सहभागी बने। शोभायात्रा के समापन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

रिठौरा में निकाली गई राम शोभा यात्रा

रिठौरा, अमृत विचार : भड़सर गांव में वृहस्पतिवार को रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भगवान श्री राम की शोभा यात्रा निकाली गई । इस मौके पर पूर्व प्रधान चंद्रपाल सिंह पटेल हरिपाल सिंह सुरेंद्र, इंद्रपाल सक्सेना, तेजपाल सक्सेना ,चंद्रपाल कश्यप नवल पटेल विनोद कनौजिया, वीरेंद्र ठाकुर ओमप्रकाश सक्सेना बेचेलाल राठौर प्रदीप नगर उपाध्यक्ष देवदत्त श्रीवास्तव अरविंद चौधरी जयपाल सक्सेना प्रेम राज कश्यप आदि रहें।

भोजीपुरा में प्राचीन मंदिर में मनाया गया स्थापना दिवस

भोजीपुरा, अमृत विचार : नदी किनारे स्थित गुफा वाले शिव मंदिर में राम दरबार की मूर्ति की स्थापना कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। बता दें की 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के विग्रह की स्थापना वाले दिवस में यहां के नदी किनारे गुफा वाले शिव मंदिर में राम दरबार की स्थापना बड़े धूमधाम से की थी। 2 वर्ष पूर्व होने पर स्थापित वर्ष मनाया गया। प्रात: सुंदरकांड का पाठ किया गया तत्पश्चात महा आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। भक्तों की भारी भीड़ रही धार्मिक कार्यक्रम पंडित हरिशंकर शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया तथा डॉक्टर जेसी शर्मा , दीप गुप्ता, राहुल शर्मा , बृजेश गुप्ता , अजय गौतम , उमंग गुप्ता, महेश चंद्र शर्मा , ग्राम प्रधान वीरेंद्र सिंह शाही का विशेष सहयोग रहा

भदपुरा के ढकिया बर्कली साहब गांव में मनाई वर्षगांठ

भदपुरा : ढकिया बर्कली साहब गांव में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाई गई। गांव के शिव मंदिर में हुए आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने खीर के रूप में भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर शिव ओम राठौर ने बताया कि गांव में शाम को भी लोगों ने दीप जलाकर उत्सव मनाया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया, । इस दौरान सुरेश कुमार राठौर, रमेश कुमार राठौर, सोहन लाल राठौर, वीरपाल राठौर, लेखराज राठौर, ओम प्रकाश कश्यप और छेदालाल सागर आदि रहे।

राम मंदिर की वर्षगांठ पर निकाला जुलूस

अलीगंज, अमृत विचार : अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर गुरुवार को कस्बा अलीगंज में भव्य एवं दिव्य जुलूस निकाला गया। ठाकुरद्वारा मंदिर अलीगंज से प्रारंभ होकर फ़कीराबाद मोहल्ला, मैन मार्केट होते हुए रामलीला मैदान पहुँचा। इसके बाद जुलूस पुन: मैन मार्केट, आंवला रोड स्थित पेट्रोल पंप से होते हुए वापस श्री ठाकुरद्वारा मंदिर पर आकर सम्पन्न हुआ। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में निकाले गए इस जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के अलीगंज नगर अध्यक्ष ऋतिक गुप्ता, हर्ष गुप्ता, नवीन ठाकुर सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिद्ध नठिया महाराज स्थान पर हुआ भंडारा

भमोरा, अमृत विचार : अयोध्या में हुए भगवान राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में हर वर्ष रामायण पाठ के बाद होता है भव्य भंडारा। ग्राम भमोरा स्थित बरेली बदायूं रोड पर सिद्ध नठीया बाबा महाराज के स्थान पर अयोध्या में हुए प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में ग्रामीणों द्वारा लगातार तीसरे वर्ष भी रामायण कथा के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद पाया। इस मौके पर विपिन शर्मा, मोहित सिंह, मनोज सिंह, विशेष, अभिषेक, ठाकुरकल्लू सिंह, ओमवीर सिंह, मोनू वर्मा, कवि देशपाल सिंह, वीरू मोर, टिंकू सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

शेरगढ़ में उत्साह से मनाई दूसरी वर्षगांठ

शेरगढ़, अमृत विचार : शेरगढ़ क्षेत्र में राम मंदिर की दूसरी वर्षगांठ (22 जनवरी) उत्साह से मनाई गई। इस दौरान कस्बे की बाजार रोड स्थित सर्राफा बाजार में लोगों ने प्रसाद के रूप में मेवा के साथ हलुआ का वितरण किया। शाम होते ही लोगों ने दीया, मोमबत्ती जलाईं और आतिशबाजी कर खूब खुशी मनाई। कार्यक्रम में क्षेत्र वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कस्बे के मोहल्ला गांधीनगर में शिवालय मंदिर पर भजन और कीर्तन का आयोजन किया गया। पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रमोद अग्रवाल, दिनेश शर्मा, राजीव वाजपेई ने क्षेत्रवासियों के सुख शांति और समृद्धि की कामना की। मोहम्मदपुर, नगरिया कलां, पनबड़िया, नगरिया सोबरनी, डेलपुर आदि समेत गांवों में भी उत्सव हुआ। इस अवसर पर चंद्रशेखर गुप्ता, डॉ नत्थूलाल गंगवार, दीपक रस्तोगी, पप्पू देवल, रमाशंकर देवल, राजेश रस्तोगी, युवराजआदि रहे।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

माघ मेले में एक महिला न्यायाधीश की ढाई तोले की सोने की चेन चोरी

प्रयागराज, एजेंसी : माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए जाते समय दो-तीन महिलाओं ने मध्यप्रदेश के दतिया जिले की एक महिला न्यायाधीश की लॉकेट समेत ढाई तोले की सोने की चेन पर कथित तौर पर हाथ साफ कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दारागंज पुलिस ने बुधवार को दो-तीन अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है और घटना के समय के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बाराबंकी में बालिका को आवारा कुत्तों ने हमला कर घायल किया

बाराबंकी, एजेंसी : जिले में मोहम्मदपुर खाला थानाक्षेत्र के बखरिया टोले में दूध लेने जा रही 12 वर्षीया एक बालिका को आवारा कुत्तों ने हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार बालिका को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ले जाने की सलाह दी गयी है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को बखरिया टोले में पंकज कुमार की 12 वर्षीया पुत्री ज्योति सुबह घर से निकली ही थी कि गली के बाहर चार-पांच आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया तथा उसके हाथ, पैर और पीठ पर काटकर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया।

रूस-यूक्रेन संघर्षविराम की दिशा में काफी तरक्की हुई : विटकॉफ

दावोस, एजेंसी : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने गुरुवार को कहा कि रूस-यूक्रेन विवाद खत्म करने के उद्देश्य से बातचीत में काफी तरक्की हुई है। विटकॉफ ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के समानांतर चल रहे कार्यक्रम दावोस यूक्रेनी ब्रेकफास्ट में कहा कि युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है। मुझे लगता है कि हम यह कर लेंगे।

बहन व उसके प्रेमी की हत्या में तीन भाई गिरफ्तार, जेल भेजा

पाकबड़ा के गांव में प्रेमी युगल की हत्या का मामला

ऑनर किलिंग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : थाना पाकबड़ा पुलिस ने आनर किलिंग मामले में प्रेमी व प्रेमिका की हत्या के आरोप में प्रेमिका के तीन भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया। एसपी सिटी ने बताया कि बताया कि आरोपियों ने दोहरी हत्या की बात स्वीकार की है।

गुरुवार को एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने उमरी सब्जीपुर गांव में दोहरे हत्या का कांड खुलासा किया। बताया कि अरमान के पिता हनीफ पुत्र रशीद अहमद निवासी ग्राम उमरी सब्जीपुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। तहरीर हत्या के तीन दिन बाद 21 जनवरी को दी गई। जिसमें आरोप लगाया था कि उसके पुत्र अरमान और गांव के ही गनपत सैनी की पुत्री काजल सैनी की गनपत के पुत्र सतीश रिंकू

सतीश और रिंकू को ले जाते पुलिसकर्मी।

और राजाराम ने हत्या कर शव छिपा दिया है। तहरीर के आधार पर पाकबड़ा थानाध्यक्ष योगेश कुमार मावी ने जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। जिस पर दोहरे हत्याकांड से अधिकारी दंग हो गए। पुलिस ने दोनों की खोजबीन शुरू की।

एसपी सिटी ने बताया कि जांच के लिए उनके पर्यवेक्षण एवं एसपी हाईवे सुभाष चंद गंगवार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस ने मामले में नामजद प्रेमिका के भाइयों की तलाश शुरू कर दी। अभियुक्त सतीश सैनी और रिंकू पुत्र गनपत सैनी निवासी ग्राम ऊमरी थाना पाकबड़ा को पहले गिरफ्तार कर लिया और उसके चंद घंटे बाद ही तीसरे आरोपी राजाराम को पुलिस ने पकड़ किया। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने हत्या की बात स्वीकारी और पारिवारिक कारणों से उन्होंने इस वारदात को अंजाम देना कबूल किया।

आरोपी सतीश ने बताया कि काजल की हरकत से पूरा घर परेशान था। कई बार मना करने के साथ ही डांट फटकार के बाद भी बहन नहीं मानी। 18 जनवरी को पत्नी ने दोनों को घर में ही रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को कमरे में बंद कर पिटाई की लेकिन फिर भी दोनों ने मिलना जारी रखने की बात कही। जिसके चलते पहले अरमान को मारा फिर काजल को मार दिया। बाद में दोनों को फावड़े से काटकर कट्टे में भरकर तीनों भाइयों ने नीम करोली मंदिर के पीछे जंगल में गड्ढा खोदकर दोनों के शव को दबा दिया।

सांस्कृतिक आयोजन

असम के मोरीगांव जिले में गुरुवार को जॉनबील उत्सव के अवसर पर आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं। ● एजेंसी

पुलिस मुठभेड़ के बाद दो गोतस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र, एजेंसी : सोनभद्र पुलिस ने गुरुवार को मुठभेड़ के बाद दो गोतस्करों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुलिस की कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पिकअप वाहन से टक्कर मारकर एक हेड कांस्टेबल को घायल कर दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी राहुल पांडेय ने बताया कि सूचना मिली थी कि कुछ पशु तस्कर बिना नंबर प्लेट वाले पिकअप वाहन से मध्यप्रदेश से गाय लेकर सोनभद्र के घोरावल थाना क्षेत्र से होते हुए बिहार ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर घोरावल, शाहगंज और कर्मा थाना की पुलिस ने खाखे मोड़ पर संयुक्त रूप से घेराबंदी की। पांडेय ने कहा कि आरोपियों ने खुद को घिरता देखकर पिकअप से हेड कांस्टेबल को टक्कर मार दी और भागने का प्रयास करते हुए पुलिस पर गोली चलाना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पिकअप वाहन चालक सिद्धनाथ खरवार और एक अन्य ओमप्रकाश यादव पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों घायल आरोपियों और हेड कांस्टेबल को घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है।

बागपत में युवती की हत्या, खेत के बिटौड़े में मिला अधजला शव

बागपत, एजेंसी

दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे के समीप ग्राम बाघू में एक युवती की कथित तौर पर हत्या कर उसका शव खेत में रखे बिटौड़े (उपले रखने की जगह) में जलाने का मामला प्रकाश में आया। पुलिस ने बताया कि अधजला शव गुरुवार सुबह खेत में मिला लेकिन अब तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक बुधवार देर रात एक खेत में बिटौड़ा जलने की सूचना डायल-112 (पुलिस आपात संपर्क सेवा)पर मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच की, लेकिन उस समय यह स्पष्ट नहीं हो सका कि बिटौड़े में किसी का शव जलाया जा रहा है एवं पुलिस कर्मी मौके से लौट आए।

उसने बताया कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे खेत पहुंचे लोगों ने बिटौड़े में अधजला शव देखा। शव के पास एक सैंडल मिली, जबकि कुछ दूरी पर सड़क किनारे सौंदर्य प्रसाधन का सामान पड़ा मिला।

सूचना मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। भारतीय किसान यूनियन(भानु) के जिला प्रभारी जगत गुर्जर ने बताया कि रात करीब एक बजे गांव के युवक रोहित ने फोन कर बिटौड़ा जलने की जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

अविमुक्तेश्वरानंद से की विरोध समाप्त करने की अपील

लखनऊ, एजेंसी

प्रयागराज कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े विवाद को लेकर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया देते हुए संयम और सम्मान का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पूज्य शंकराचार्य जी के चरणों में प्रणाम है। उनसे प्रार्थना है कि वह अच्छे से स्नान करें और इस विषय को यहीं समाप्त करें।

उन्होने शंकराचार्य के अपमान से जुड़े सवाल पर स्पष्ट किया कि किसी भी पूज्य संत, आचार्य या शंकराचार्य जी का अनादर स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी अनादर या अपमान की बात सामने

● मामले की जांच होगी, दोषियों पर कार्रवाई होगी: केशव प्रसाद मौर्य

आती है तो उसकी जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि फिलहाल प्राथमिकता यह है कि विवाद को समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी के चरणों में प्रार्थना है कि जो भी विरोध है उसे समाप्त करें और संगम स्नान कर अपना विरोध खत्म करें।

उपमुख्यमंत्री के इस बयान को विवाद के बीच शांति और सौहार्द का संदेश माना जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक योगी, संत और संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं होता।

उन्होंने कहा कि संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसका धर्म ही उसकी संपत्ति और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सनातन धर्म की आड़ में उसे कमजोर करने की साजिशें रचने वाले कालनेमि तत्व समाज के लिए खतरा हैं। ऐसे लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की

नई दिल्ली, एजेंसी

● द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा हुई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि ग्लोबल साउथ के साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह जल्द ही भारत में ब्राजील के राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति के बीच फोन पर हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने साझा चुनौतियों से निपटने में सुधारित बहुपक्षवाद के महत्व पर जोर दिया।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति लूला से बात करके खुशी हुई। हमने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा की, जो आने वाले वर्ष में नयी ऊंचाई को छूने वाली है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए हमारा घनिष्ठ सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मैं जल्द ही, भारत में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य विकासशील और अल्प विकसित देशों का समूह है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 07/2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 कार्य का विवरण:** क्लटरबकगंज स्थित ट्रेन सेट डिपो में स्व-चालित निरीक्षण कार (एस.पी.आई.सी) के लिए निर्धारित रखरखाव शेड का प्रावधान एवं विविध कार्य, एवं क्लटरबकगंज में पिट व्हील लेथ मशीन के पीछे मौजूदा 80 मीटर ट्रैक को 400 मीटर तक विस्तारित करना। **अनुमानित लागत रूपयों में** : 3,34,12,269.89/- **बयाना राशि रुपयों में (रु0)** : 3,17,100/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 (माह) 1. ई-निविदा दिनांक 16.02.2026 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू-422 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र **अकील** निवासी नौगवां पकड़िया, थाना सुनगढ़ी जिला पीलीभीत दिनांक 11.01.2026 को प्रात: 10 बजे से लापता है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। अगर किसी को कोई सूचना मिले तो कृपया निम्न नम्बर पर सूचित करने की कृपा करें। **जानकारी देने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा।**

हुलिया : उम्र करीब 26 वर्ष, कद 5 फुट 2 इंच, चेहरा लम्बा, सामान्य दुबला, सफेद व लाल रंग की जैकेट, पैरों में जूते, गले में मफलर पहने है।

राकेश कुमार चौकी इंचार्ज, बंजरिया मो. 9410458323
थाना प्रभारी शीशगढ़ हरेंद्र सिंह मो. 9454403102

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति दातागंज (बदायूं)

पत्रांक : कृ.उ.म.स./2025-26-102 दिनांक : 22.01.2026

दुकान आवंटन/नीलामी सूचना

कृषि उत्पादन मण्डी समिति दातागंज (बदायूं) की रिक्त दुकानों का आवंटन/नीलामी दिनांक 17.02.2026 को पूर्वान्ह 11:30 बजे मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति/फर्म मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय से रू. 295.00 नकद जमा करके आवंटन प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर न्यूनतम प्रीमियम की धनराशि का 05 प्रतिशत का नकद जमा/बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. संलग्न कर दिनांक 16.02.2026 को सायं 05:00 बजे तक मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कर दें। दुकानों का विवरण निम्नवत् है।

क्र.सं.	दुकानों का विवरण	कुल संख्या	दुकानों में आरक्षण का विवरण (दुकान संख्या)				न्यूनतम प्रीमियम
			अनु. जाति	अ.पि. वर्ग	सामान्य	दिव्यांग	
3.	मण्डी स्थल ''स'' श्रेणी की	02	-	01	01	-	872130.33

शेष शर्तें किसी भी कार्य दिवस में मण्डी समिति कार्यालय में देखी जा सकती है। सभी धनराशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देय होगा।

(खडबिन्द प्रकाश) सचिव

(धर्मेन्द्र कुमार सिंह) उपजिलाधिकारी/सभापति

कार्यालय नगर पंचायत निघासन, जनपद लखीमपुर खीरी

पत्रांक : 925/न.पं.नि./नि.सू.-सीवरेज एवं जल निकासी योजना/2025-26 दिनांक : 22.01.2026

ई-निविदा सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय को राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से प्रस्तावित निम्न निर्माण कार्य हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से दिनांक 16.02.2026 को समय अपरान्ह 3:00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसके ऑनलाइन निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है जोकि दिनांक 24.01.26 से दिनापंक 16.02.26 को अपरान्ह 3:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेब साइट पर लॉग इन करें तथा बिड को डाउनलोड करें।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	आगणन धनराशि	जमानत धनराशि	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1.	वार्ड-1 अम्बेडकरनगर में हीरालाल के घर से धीरेन्द्र प्रताप के घर तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य।	2179011	217901	2950	02 माह
2.	वार्ड-1 अम्बेडकरनगर में शंकर भार्गव के घर से दीप चन्द्र के घर तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य।	2987664	298766	3540	02 माह
3.	वार्ड-1 अम्बेडकरनगर में वनवारी कश्यप के घर से जुगुल किशोर के घर (दाहिने तरफ) तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य।	3324882	332488	4130	02 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत निघासन
लखीमपुर-खीरी

राम मंदिर में पहली बार सिया संग होली खेलेंगे राजाराम

सत्य प्रकाश, अयोध्या

अमृत विचार: राम मंदिर में पहली बार सिया संग प्रभु राजाराम बसंत पंचमी पर आज अबीर गुलाल खेलेंगे। जिसके साथ ही मठ मंदिर में रंगोत्सव की छटा बिखेरने लगेगी। रंगों की तो कहीं फूलों की होली के साथ मंदिर में भगवान के समक्ष गीत-संगीत का आयोजन होगा है। जिसे मंदिरों में अपने अलग-अलग परंपरागत रूप से 40 दिनों तक यह उत्सव मनाया जाएगा।

23 जनवरी की सुबह बसंत लगने के बाद से ही मंदिरों में भगवान का अभिषेक श्रृंगार के साथ अबीर-गुलाल लगाए जाने के परंपरा की शुरुआत होगी। राम मंदिर, हनुमानगढ़ी सहित लगभग 5000 मंदिरों में इस उत्सव को भव्यता के साथ बनाए जाने की तैयारी है। मंदिर के गर्भ ग्रह में प्रतिदिन दोपहर में भगवान

हनुमानगढ़ी पर रंगोत्सव का आयोजन (फाइल फोटो)।

को तरह-तरह के पकवान से भोग लगाए जाएंगे। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पूरा मंदिर परिसर आनंद विभोर होकर उत्सव मनाएगा। इस उत्सव को और भी भव्यता देते हुए साधु संत विभिन्न प्रकार की आयोजन को भी संपन्न करेंगे। रंगों की होली, फूलों की होली, संतों की होली, भक्तों की होली के दृश्य भी दिखाई देंगे।

मुख्य रूप से कनक भवन, लाल साहब दरबार, बड़ा भक्माल, राम बल्लभ कुंज, चौभुजी मंदिर, मंगल भवन, दशरथ महल, राम हर्षद कुंज, जानकी महल, तपस्वी छावनी, चारु शिला मंदिर, बधाई भवन मंदिर, वैदेही मंदिर, बावन मंदिर में उत्सव को भव्य रूप मनाया जायेगा।

बड़ा भक्तमाल के माल अवधेश दास ने कहा कि बसंत पंचमी के बाद से ही रंग, अबीर, गुलाल के साथ होली उत्सव प्रारंभ हो जाता है। जो दिन पर्यंत चलता है। उसी के उपलक्ष्य में भगवान श्री सीताराम जी की दिव्य होली महोत्सव का कार्यक्रम किया जाता है। जिसमें अयोध्या के सभी संत महंत शामिल होते हैं।

● रंगों की तो कहीं फूलों की होली के साथ मंदिर में भगवान के समक्ष गीत संगीत का होगा आयोजन

वहीं जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जनमेजय शरण ने बताया कि अयोध्या का भव्य सुंदरीकरण हो रहा है। सभी संत हर्ष उत्साहित है। होली महोत्सव को अलग-अलग मंदिरों में मनाया जायेगा और पूरी अयोध्या में श्री सीताराम जी के फूलों की होली खेलेगी। यह भगवान से जुड़ने और जोड़ने की होली होती है।

शहबाज विपक्ष की आलोचना के बीच ट्रंप के शांति बोर्ड में शामिल हुए

इस्लामाबाद,एजंसी, पाकिस्तान में विपक्षी दलों की आलोचना के बावजूद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में गाजा के लिए गठित शांति बोर्ड में शामिल होने के करार पर हस्ताक्षर कर दिये। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में वार्षिक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के इतर इस बोर्ड के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए समारोह की मेजबानी की। पाकिस्तान को ट्रंप से बोर्ड में शामिल होने का निमंत्रण मिला था, जिसे उसने स्वीकार कर लिया है।

शहबाज ने दावोस में आयोजित कार्यक्रम में कई अंतर्राष्ट्रीय नेताओं के साथ इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ शांति बोर्ड में शामिल होने के पाक सरकार के फैसले को स्वीकार नहीं करती है।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी मामले में नेहा सिंह राठौर को नोटिस

वाराणसी, एजेंसी

वाराणसी पुलिस ने लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में 2025 में दर्ज एक प्रकरण में नोटिस जारी किया है। लंका थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में राठौर के खिलाफ 2025 में मामला दर्ज किया गया था।

उन्होंने कहा कि मामले में आरोपपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया के तहत बुधवार को उन्हें नोटिस जारी किया गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लखनऊ के हजरतगंज थाने से बुलाए जाने के बाद वाराणसी के लंका थाने के पुलिसकर्मी भी उनके घर पहुंचे। उन्होंने लिखा कि जितनी मेहनत और तेजी मुझे परेशान करने के लिए की जा रही है, काश उतनी मेहनत और तेजी पटना की बेटी को न्याय दिलाने के लिए की गई होती। खैर, हजरतगंज कोतवाली से बुलावे के बाद बनारस के लंका थाने की पुलिस भी घर आ गई है। खूब बेटी बचा रहे हैं,लानत है।

पुलिस ने कहा कि नोटिस 2025 में दर्ज मामले से संबंधित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही जारी किया गया है। लखनऊ पुलिस भी राठौर के खिलाफ अलग से जांच कर रही है। उनके विरुद्ध पहलगाम आतंकवादी हमले से संबंधित एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज की गई थी। पिछले साल हुए इस हमले में जम्मू-कश्मीर में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में 27 अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

व्यापारी के परिवार को बंधक बनाकर 7 लाख की लूट

किच्छा। पुलभट्टा थाना क्षेत्र के बरा गांव में हथियारबंद बदमाशों ने मूंगफली व्यापारी के परिवार को बंधक बनाकर आभूषण और नगदी समेत सात लाख की लूटपाट को अंजाम दे डाला। बदमाश पड़ोसी की बाइक लेकर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, गांव बरा निवासी नरेश प्रजापति मूंगफली के थोक सप्लायर होने के साथ ही खेती भी करते हैं। बीती बुधवार आधी रात के समय घर के पिछले रास्ते से उनके घर में दाखिल हुए तीन बदमाशों ने नरेश, पत्नी प्रेमवती और दोनों बच्चों को नींद से जगाकर हथियारों के बल पर बंधक बना लिया। बदमाशों ने पूरे घर की तलाशी ली और अलमारी एवं लॉकर में रखे 6 लाख रुपये कीमत से ज्यादा के सोने-चांदी के आभूषण और करीब 87 हजार रुपये कब्जे में कर लिए। बदमाशों ने दहशत में बैठे परिवार को शोर मचाने पर गोली मारने की धमकी दी और लूटपाट को अंजाम देकर पूरे परिवार को एक कमरे में बंद कर दिया।

कुशाग्र हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● कुशाग्र की मां बोलीं तीनों को फांसी की सजा होनी चाहिए

अमृत विचार: कुशाग्र कनोडिया हत्याकांड में दो दिन पहले दोषी करार दिए गए तीनों हत्यारों को अदालत ने गुरुवार को उम्रकैद की सजा सुनाई और दो लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। कोर्ट ने कहा है कि तीनों दोषियों को मरते दम तक जेल में रखा जाए। कोर्ट के इस फैसले पर कुशाग्र की मां सोनिया बोलीं, तीनों को सजा के तौर पर फांसी होनी चाहिए थी।

कुशाग्र कनोडिया।

एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट ने मंगलवार को कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और प्रेमी के दोस्त आर्यन उर्फ शिवा गुप्ता को दोषी करार दिया था। 30 अक्टूबर 2023 को स्कूटी से ट्यूशन जाते समय दसवीं के छात्र कुशाग्र का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी और फिर 30 लाख की फिरौती का पत्र भेजा गया था। अभियोजन पक्ष ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के मामले में 14 गवाह अदालत में पेश किए। गुरुवार दोपहर कुशाग्र की हत्यारिन ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला व दोस्त आर्यन उर्फ शिवा गुप्ता को कोर्ट लाया गया। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया। कोर्ट में फैसला सुनाए जाने के दौरान कुशाग्र की मां सोनिया भी मौजूद थीं। वह बोलीं, तीनों हत्यारों को फांसी की सजा होनी चाहिए थी। वहीं, कुशाग्र के चाचा सुमित कनोडिया ने आंसू पोछते हुए कहा कि मेरा बच्चा तो चला गया। कोर्ट में दौड़ते-दौड़ते आंखों के आंसू सूख गए। उनके बच्चे को गए ढाई साल हो गए, जबकि हत्यारे आराम से सांस ले रहे हैं। फांसी की मांग को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

नेशनल ब्रीफ

ईडी के समन पर पेश न होने के मामले में केजरीवाल बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल को राहत देते हुए बृहस्पतिवार को दो अलग-अलग मामलों में बरी कर दिया। ये मामले आबकारी नीति घोटाले की जांच में शामिल होने के लिए ईडी के समक्ष पेश नहीं होने के कारण दर्ज किए गए थे। अदालत ने कहा कि आरोपी एक मुख्यमंत्री थे और उन्हें भी आवागमन का मौलिक अधिकार प्राप्त था। अदालत ने माना कि समन की विधिवत तामील को लेकर कानूनी चुनौती स्वीकार्य है। अदालत ने कहा, ईडी न न तो ईमेल के माध्यम से समन की तामील साबित की है और न ही पीएमएलए की धारा 50(2) के तहत किसी व्यक्ति को ईमेल के माध्यम से समन जारी करने की प्रक्रिया कानून के अनुसार साबित हुई है।

किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़ के बाद तलाश अभियान तेज

जम्मू। गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू में चलाए जा रहे आतंकवाद रोधी अभियान के बीच, चार दिन के अंतराल के बाद बृहस्पतिवार को जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षा बलों का आतंकवादियों से एक बार आमना-सामना हुआ। चटरू पट्टी में मंड्राल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में आतंकवादियों की तलाश में रविवार को अभियान शुरू किया गया, जिसमें हुई गोलीबारी में एक पैराट्रूपर शहीद हो गया और सात सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को कई घंटों तक हुई गोलीबारी के बाद, घने जंगल और दुर्गम भूभाग का फायदा उठाते हुए आतंकवादी घने जंगल में भाग गए। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उनकी तलाश जारी रखी और आखिरकार आज सुबह माली दाना चोटी पर छिपे आतंकवादियों का पता लगा लिया। दोनों पक्षों के बीच घंटों तक भारी गोलीबारी हुई।

परिवहन सचिव सौमित्र मोहन को सुनवाई के लिए तलब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के परिवहन सचिव सौमित्र मोहन को एसआईआर सुनवाई के लिए तलब किया गया है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, मोहन को 25 जनवरी को एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज में दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सौमित्र मोहन न्यू टाउन विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता हैं और उन्हें मौजूदा मतदाता सूची में दर्ज नाम और 2002 के दस्तावेजों में उनके पिता के नाम में विसंगति के कारण नोटिस जारी किया गया है।

नासिक एयर शो पर प्रशासन ने लगाया टिकट, वायुसेना नाराज

दो सौ से आठ सौ रुपये तक के बेचे टिकट, वायुसेना ने कहा- पैसे के लिए नहीं, युवाओं को प्रेरित करने के लिए करते हैं एयर शो

मुंबई, एजेंसी

- आपत्ति के बाद बैकफुट पर आए प्रशासन ने कहा- सैनिक कल्याण कोष में देंगे धनराशि

भारतीय वायुसेना ने नासिक जिले में बृहस्पतिवार को आयोजित एयर शो के लिए टिकट बेचकर पैसे लिए पर नाखुशी जताई है। बताया गया है कि प्रशासन की ओर से एयर शो में आए दर्शकों को टिकट बेचकर प्रवेश करने दिया जिनकी कीमत 200 से 800 रुपये तक थी। वायुसेना की आपत्ति के बाद बैकफुट पर आए अधिकारियों ने कहा है कि टिकट बेचने से मिली धनराशि वे सैनिक कल्याण कोष को दान करेंगे।

नासिक में वायुसेना की ओर से बृहस्पतिवार को दो दिवसीय एयर शो की शुरुआत की गई थी। शुक्रवार को वायुसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह बात सामने आई है कि नासिक में आयोजित भारतीय वायुसेना के एयर शो को देखने आने वाले लोगों से प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है। वायुसेना ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने तथा राष्ट्र के साथ गहरा जुड़ाव पैदा करने के लिए देशभर में एयर शो आयोजित करती है। भारतीय वायु सेना यह स्पष्ट करना चाहती है कि वह इन आयोजनों के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं लेती है और न ही इनसे उसे कोई आर्थिक लाभ होता है।

नासिक में वायुसेना ने शुक्रवार को भी किया एयरशो।

भारतीय वायु सेना की ''सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम'' की ओर से आयोजित एयर शो बृहस्पतिवार को नासिक जिले के गंगापुर बांध के ऊपर हुआ, इसका उद्देश्य युवाओं को वायुसेना में आने के लिए प्रेरित करना था। पूर्व सैनिकों ने भी इस एयर शो को देखने के लिए 200 रुपये से 800 रुपये तक का शुल्क लेने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रशासन के इस कृत्य ने एयर शो के उद्देश्य को ही खत्म कर दिया है। यह एयर शो अशुक्रवार को भी आयोजित किया गया।

सफाई... भीड़ नियंत्रित करने को लगाया टिकट

नासिक प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से वसूला गया शुल्क शो देखने के लिए नहीं बल्कि पानी और नाश्ता जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए था। टिकट व्यवस्था का उद्देश्य भीड़ को नियंत्रित करना और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अधिकारी ने बताया कि जिला कलेक्टर ने हाल में घोषणा की थी कि एकत्रित धनराशि सैनिक कल्याण कोष में दी जाएगी। नासिक जिले के कलेक्टर आयुष प्रसाद ने भी कहा कि यह कदम भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने कहा, इकट्ठी की गई धनराशि महाराष्ट्र सैनिक कल्याण विभाग को सौंप दी जाएगी। यह निर्णय जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

निर्वाचन आयोग ने नया एप ईसीआईनेट किया जारी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को मतदाताओं, अधिकारियों और राजनीतिक दलों के लिए एक नया डिजिटल एप ईसीआईनेट जारी किया और कहा कि यह भ्रामक सूचना का मुकाबला करने का एक हथियार है। उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को उनकी भाषाओं में और उनके कानूनों के अनुसार उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की।

कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी।

उप्र गैंगस्टर अधिनियम की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

याचिकाकर्ताओं ने बताया- 1986 का कानून मनमाना और केंद्रीय कानून के विपरीत

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीठ ने कहा- राज्य का कानून केंद्रीय कानून के विपरीत नहीं है और दोनों एक ही चीज

उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी गतिविधि रोकथाम अधिनियम 1986 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई शुरू की। याचिकाकर्ताओं ने न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया कि 1986 का कानून मनमाना और केंद्रीय कानून के विपरीत है।

याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 111 में पहले से ही गैंगस्टरों और संगठित अपराध से संबंधित प्रावधान हैं और ऐसे ही प्रावधान उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के तहत भी हैं। राज्य सरकार ने 1986 के अधिनियम से जुड़े नियमों में संशोधन किया है और कुख्यात अपराधियों की संपत्ति कुर्क करने का प्रावधान अब बीएनएस में भी शामिल किया गया है। उप्र का गैंगस्टर अधिनियम केंद्रीय कानून से टकराता है क्योंकि इस क्षेत्र में पहले से ही कानून मौजूद है और राज्य का कानून उस पहलू पर नियम नहीं बना सकता।

पीठ ने कहा कि राज्य का कानून केंद्रीय कानून के विपरीत नहीं है और दोनों एक ही चीज हैं। तिवारी ने दलील दी कि यह जरूरी नहीं कि कानूनों में सीधा टकराव हो, बल्कि पहले से ही केंद्र का कानून लागू है, तो राज्य उस क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज और अधिवक्ता रुचिरा गोयल ने कहा कि टकराव का मुद्दा सुनवाई में पहली बार उठाया गया है और वे इस संबंध में जवाब दाखिल करना चाहेंगे। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तिवारी के तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि यह कानून सिर्फ केंद्र के कानून से टकराता ही नहीं है, बल्कि मनमाना भी है। कोर्ट ने सुनवाई मार्च में तय की।

भगदड़ रोकने पर निर्देश जारी करने से इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों और यात्राओं समेत बड़े सार्वजनिक समारोहों के दौरान भगदड़ रोकने से जुड़ी जनहित याचिका पर कोई व्यापक आदेश पारित करने से गुरुवार को इन्कार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता को यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय और निर्वाचन आयोग के समक्ष आगे बढ़ाने की अनुमति दी। सीजेआई ने शुरुआत में भीड़ प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे को लेकर बुनियादी सवाल उठाए। तुम्बलम गूटी वेंकटेश द्वारा दायर याचिका में केंद्र को बड़ी संख्या में लोगों के जमावड़े वाले सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन के बारे में बाध्यकारी एसओपी तैयार कर लागू करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

टीम को टीम इंडिया कहने से रोकने की मांग खारिज

उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका को बेकार बताते हुए खारिज कर दिया, जिसमें प्रसार भारती को बीसीसीआई की क्रिकेट टीम को टीम इंडिया कहने से रोकने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के 8 अक्टूबर के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें वकील रीपक कंसल की जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया था।

निर्वाचन आयोग ने एसआईआर को निष्पक्ष न्यायसंगत और उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने संबंधी निर्णय को निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित बताया और उच्चतम न्यायालय से बिहार में इस प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया। इसने दलील दी कि कुछ गैर सरकारी संगठनों और नेताओं के इशारे पर विशेष पड़ताल के नाम पर बिना किसी ठोस आधार के जांच नहीं की जा सकती। आयोग के अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि बिहार एसआईआर में जिन 66 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे, उनमें से कोई भी इस अदालत या उच्च न्यायालय में नहीं आया और न ही उन्होंने निर्वाचन आयोग के समक्ष कोई याचिका दायर की। एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स), पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी) तथा कुछ सांसदों के कहने पर बिना किसी ठोस आधार के जांच की अनुमति नहीं दी जा सकती। वरिष्ठ वकील ने बिहार समेत विभिन्न राज्यों में निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर करने के निर्णय को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई के दौरान ये दलीलें पेश कीं।

परेड की तैयारी

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां तेज हो गई हैं। परेड में भाग लेने वाली झांकियों में शामिल होने वाले लोक कलाकार लगातार रिहर्सल कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को रिहर्सल करता लोक कलाकारों का एक दल।

झारखंड में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में 2.35 करोड़ के इनामी अनल दा समेत 15 माओवादी मारे गए

चाईबासा। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली नेता अनल दा समेत 15 माओवादी मारे गए। अनल दा के सिर पर 2.35 करोड़ रुपये का इनाम था। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों में पांच महिलाएं शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि किरीबुरु थाना क्षेत्र के अंतर्गत सारंडा वन के कुमडी इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा इकाई के लगभग 1,500 जवान इस अभियान में लगे हुए थे। सीआरपीएफ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) साकेत कुमार सिंह ने बताया, हमने 15 माओवादियों के शव बरामद किए हैं, जिनमें उनका शीर्ष नेता पतिराम मांझी उर्फ अनल दा भी शामिल है, जिस पर 2.35 करोड़ रुपये का इनाम था। मुठभेड़ सात घंटे तक चली। 15 शवों में से 11 की पहचान हो चुकी है और शेष चार माओवादियों की पहचान जारी है।

बजट सत्र से एक दिन पहले 27 को होगी सर्वदलीय बैठक

- दोनों सदनों के विधायी कार्यों और अन्य विषयों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। संसद के आगामी बजट सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक होगी, जिसमें दोनों सदनों के विधायी कार्यों और अन्य विषयों को लेकर चर्चा की जाएगी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और केंद्रीय बजट एक फरवरी (रविवार) को पेश किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बताया था कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र की शुरुआत लोकसभा में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आर्थिक सर्वेक्षण और आम बजट पेश करेंगी। संसदीय परिपाटी के मुताबिक, इस बार भी बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। इस बार एक फरवरी रविवार को है। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा और 9 मार्च से बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होगा जो दो अप्रैल तक चलेगा।

कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में खत्म किया संबोधन

बेंगलुरु, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ने की आलोचना राज्यपाल पर खुद का विचार व्यक्त करने का लगाया आरोप

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया, जिसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल पर अपना खुद का विचार व्यक्त करने का आरोप लगाया और उन्हें केंद्र सरकार की कठपुतली करार दिया। गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों (केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक) में दो दिनों में राज्यपाल और सरकार के बीच तीसरी बार टकराव हुआ है। विधानसभा और विधानपरिषद में अपने संक्षिप्त संबोधन के बाद गहलोत सत्ताधारी कांग्रेस सदस्यों के विरोध के बीच सदन से बाहर चले गए, जिन्होंने उन्हें घेरने का प्रयास किया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, विपक्ष के नेताओं, मंत्रियों और सदस्यों का अभिवादन करते हुए अभिभाषण शुरू किया। राज्यपाल ने हिंदी में कहा कि मैं राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे कर्नाटक विधानमंडल के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं भौतिक विकास को दोगुना करने को प्रतिबद्ध है। जय हिंद, जय कर्नाटक। इस पर सत्ता पक्ष के विधायक खड़े हो गए और गहलोत से अभिभाषण पूरा करने का अनुरोध किया।

छत्तीसगढ़ में इस्पात संयंत्र में विस्फोट में छह लोगों की मौत

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार सुबह इस्पात संयंत्र में हुए विस्फोट में छह मज़दूरों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। जिलाधिकारी दीपक सोनी ने बताया कि यह घटना बकुलाही गांव में स्थित रियल इस्पात एंड पावर लिमिटेड में सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद फैक्टरी से धुएं का गुबार उठता देखा गया।

जिलाधिकारी सोनी ने बताया कि भट्टी से जुड़े डस्ट सेटलिंग चैंबर (डीएससी) में विस्फोट से रिसाव होने लगा। डीएससी वह जगह होती है जिसमें उच्च तापमान वाली राख पहुंचाई जाती है। इस रिसाव से गरम राख कर्मचारियों पर गिर गई जिससे छह की मौत हो गई, जबकि पांच झुलस गए। घायलों को बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया।

किसानों ने मजदूरों को दिखाया एकजुट होने का रास्ता : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता ने किया मनरेगा के लिए मिलकर लड़ने का आह्वान

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मनरेगा की जगह लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों।

उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा ने तीनों काले कृषि कानून लाकर किसानों के साथ जो किया था, वही अब वह मनरेगा को खत्म कर मजदूरों के साथ करना चाहती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जिसमें एक राजा सारे फैसले करे तथा देश के गरीब, अदाणी और अंबानी पर पूरी तरह निर्भर हो जाएं।

राहुल ने कहा, मनरेगा ने गरीबों को अधिकार दिया था। इसके पीछे यह सोच थी कि जिसे भी काम की जरूरत हो, वह सम्मान के साथ काम मांग सके। मनरेगा को पंचायती राज के तहत चलाया जाता था। मनरेगा में लोगों की आवाज थी, उनका अधिकार था जिसे मोदी खत्म करने में लगे हैं।

बेंगलुरु 2025 में सबसे ज्यादा यातायात भीड़ वाला दुनिया का दूसरा शहर

बेंगलुरु, एजेंसी

- नीदरलैंड की लोकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी ने जारी किए आंकड़े
- 74.4% रहा भीड़ का स्तर, 10 किमी जाने में लगे 36 मिनट

भारत का आईटी केंद्र बेंगलुरु वर्ष 2025 में विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर रहा, जहां औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 74.4 प्रतिशत रहा। इस संबंध में नीदरलैंड स्थित लोकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी टॉमटॉम ने आंकड़े जारी किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टॉमटॉम के वर्ष 2025 से संबंधित ट्रैफिक इंडेक्स में मैक्सिको सिटी को शीर्ष स्थान पर रखा गया है, उसके बाद बेंगलुरु और आयरलैंड के शहर डबलिन का स्थान है।

यह सूचकांक दुनिया भर के शहरों का मूल्यांकन औसत यात्रा समय और यातायात भीड़भाड़ के स्तर के आधार पर करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला, सार्वजनिक रूप से सुलभ डेटा उपलब्ध होता है। बेंगलुरु में पिछले वर्ष की तुलना में औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 1.7 प्रतिशत अंक बढ़ गया। चालकों ने औसतन 4.2 किलोमीटर की दूरी 15 मिनट में तय की, जबकि 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में औसतन 36 मिनट और नौ सेकंड का समय लगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त समय के दौरान गाड़ियों की औसत गति घटकर 13.9 किमी प्रति घंटा हो गई। इसके अलावा, रिपोर्ट में 17 मई को शहर का सबसे खराब यात्रा दिवस बताया गया है, जिस दिन यातायात भीड़भाड़ का स्तर 101 प्रतिशत तक पहुंच गया था। उस दिन शाम छह बजे भीड़भाड़ का स्तर बढ़कर 183 प्रतिशत हो गया, जिससे 15 मिनट में तय की जाने वाली दूरी घटकर मात्र 2.5 किलोमीटर रह गई।

भारत के 6 और शहर दुनिया के शीर्ष 35 में

बेंगलुरु के अलावा छह अन्य भारतीय शहर वैश्विक स्तर पर शीर्ष 35 नगरों में शामिल हैं। पुणे 71.1 प्रतिशत यातायात भीड़भाड़ के साथ पांचवें स्थान पर रहा। इसके बाद मुंबई 63.2 प्रतिशत के साथ 18वें स्थान पर, नई दिल्ली 60.2 फीसदी के साथ 23वें स्थान पर, कोलकाता 58.9 प्रतिशत के साथ 29वें स्थान पर, जयपुर 58.7 फीसदी के साथ 30वें स्थान पर और चेन्नई 58.6 प्रतिशत के साथ 30वें स्थान पर रहा।

एसआईआर के तनाव ने 110 लोगों की ली जान : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मानसिक तनाव और दहशत से अब तक 110 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने यहां 49वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनकी नई पुस्तक का इस मेले में विमोचन होगा। यह पुस्तक एसआईआर के कारण लोगों को झेलनी पड़ रही पीड़ा पर आधारित 26 कविताओं का संकलन है।

बनर्जी ने कहा कि बुजुर्ग सहित सैकड़ों लोगों को सुनवाई के लिए एसआईआर शिविरों में कतार में खड़ा होना पड़ रहा है और प्रतिदिन पांच-छह घंटे खुले में इंतजार करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तार्किक विसंगतियों के नाम पर वे (निर्वाचन आयोग) बंगालियों के उपनाम को लेकर सवाल पूछ रहे हैं, जो (उपनाम) वर्षों से ज्ञात और स्वीकृत हैं। उन्होंने कहा कि मुझे ममता बनर्जी और ममता बंद्योपाध्याय, दोनों नाम से जाना जाता है। उसी तरह चटर्जी और चट्टोपाध्याय एक ही उपनाम हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान ठाकुर को टैगोर नाम से भी जाना जाने लगा। अगर रवींद्रनाथ टैगोर जीवित होते, तो शायद उन्हें भी आज इस स्थिति का सामना करना पड़ता। उन्होंने दावा किया कि दो या दो से अधिक बच्चों वाले माता-पिता

आज 129वीं जयंती | बेटी अनीता बोस ने अस्थियां भारत लाने की मांग की, सभी भारतीयों से इस मांग का समर्थन करने की भी अपील

नेताजी बोस की अस्थियां 80 साल बाद भी जापान के मंदिर में

नई दिल्ली, एजेंसी

देश 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है, इस बीच नेताजी की पुत्री अनीता बोस फाफ ने जापान के रेनकोजी मंदिर में रखी उनकी अस्थियों को वापस लाने की मांग की है। वह और उनके परिवार के सदस्य इन अस्थियों को नेताजी के अवशेष मानते हैं।

फाफ ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि भारत की आजादी के लिए लड़ते हुए अपने जीवन को न्यौछावर करने वाले नेताजी की मृत्यु के 80 साल बाद और देश की आजादी के 78 साल बाद भी उनके

अवशेष मातृभूमि से बाहर रखे हुए हैं। फाफ ने कहा, मैं नेताजी का सम्मान करने वाले भारतीयों को आमंत्रित करती हूं कि वे उनके अवशेषों को अंतिम और उचित संस्कार के लिए भारत लाए जाने का समर्थन करें। नेताजी के भाई शरत बोस की पोती माधुरी बोस ने कहा, हम नेताजी के परिवार के सदस्य महान नेता के अवशेषों की सम्मानजनक वापसी की मांग कर रहे हैं और मुझे आशा है कि यह जल्द ही होगा।

फाफ ने अपने संदेश में उल्लेख किया कि नेताजी ने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए दशकों समर्पित किए। जब कारावास में रहने से उनका मिशन असंभव हो गया तो उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को जारी रखने के लिए भारत छोड़ने और इस लड़ाई को देश के बाहर से चलाने का निर्णय लिया। यूरोप की ओर उनका पलायन, उसके बाद एक पनडुब्बी में दक्षिण-पूर्व एशिया की खतरनाक यात्रा और आजाद हिंद फौज के नेतृत्व में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार का गठन हुआ। फाफ ने बताया कि अगस्त 1945 में जापान के आत्मसमर्पण के बाद नेताजी सिंगापुर से टोक्यो रवाना हुए थे, लेकिन 18 अगस्त 1945 को ताइपे में एक घातक विमान दुर्घटना का शिकार हो गए। ताइपे में उनका अंतिम संस्कार कर उनकी अस्थियां टोक्यो ले जाई गईं जो तभी से जापान के रेनकोजी मंदिर के मुख्य पुजारी की कस्टडी में रखी हुई हैं।

अस्थियों के डीएनए टेस्ट की मांग नहीं हुई पूरी

माधुरी बोस ने बताया कि नेताजी की पुत्री अनीता फाफ, उनके बड़े भाई के पुत्र और प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी द्वारका नाथ बोस और नेताजी के एक भतीजे अर्धेंदु बोस सहित परिवार के तीन सदस्यों ने अक्टूबर 2016 और दिसंबर 2019 में सरकार से विवाद खत्म करने के लिए रेनकोजी की अस्थियों के डीएनए परीक्षण का आदेश देने का अनुरोध किया था। हालांकि ऐसा नहीं किया गया है। आजाद हिंद फौज के कर्नल हबीबुर रहमान सहित कई प्रत्यक्षदर्शियों ने नेताजी की मृत्यु के संबंध गठित आयोग के समक्ष गवाही दी थी कि अगस्त 1945 में ताइपे में एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। उनके जीवित बचने या उस विशेष विमान में न होने की भी बात कही गई। यह भी कहा गया कि नेताजी किसी तरह भारत लौट आए थे और देश में भेष बदलकर रह रहे थे। किसी रूसी गुलाग (जेल) में उनकी मौत की भी बात कही गई थी।

अमृत विचार

शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

कायर कभी इतिहास नहीं रचते।
-सुभाष चंद्र बोस

संतुलन का समय

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति का सबसे स्थायी तत्व उनकी अस्थायित्व और अनिश्चितता है। कभी 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी, फिर उससे पीछे हटना, कभी ग्रीनलैंड पर कब्जे का दावा, कभी सैन्य कार्रवाई से इनकार; कभी नाटो से दूरी, तो कभी समझौते की भाषा— यह शैली पारंपरिक कूटनीति से अलग, दबाव-आधारित सौदेबाज़ी की रणनीति प्रतीत होती है। ट्रंप की राजनीति को समझने के लिए इसे 'नीति की अस्थिरता' नहीं, बल्कि 'रणनीतिक अनिश्चितता' के रूप में पढ़ना होगा, जहां अधिकतम लाभ के लिए भ्रम और दबाव दोनों साधन हैं। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का तर्क कि यदि अमेरिका नियंत्रण नहीं करेगा तो रूस या चीन प्रभाव बढ़ा लेंगे, भू-रणनीतिक चिंताओं का बहाना है, असल बात आर्कटिक क्षेत्र में पिघलती बर्फ, जो नए समुद्री मार्ग और खनिज संसाधनों के अवसर खोल रही है, उसे कब्जाना है। रूस आर्कटिक में सैन्य उपस्थिति मजबूत कर चुका है, चीन अपने को 'नियर-आर्कटिक स्टेट' कहता है, लेकिन इसका बहाना लेकर संप्रभु डेनमार्क का अधिग्रहण कहां से उचित है। अमेरिका को अपनी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नाटो के ढांचे, संयुक्त रक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी के माध्यम से करना होगा, बलपूर्वक कब्ज़े से नहीं।

अमेरिका जानता है कि डेनमार्क, फ्रांस, कनाडा और अन्य यूरोपीय देशों द्वारा राजनीतिक, कानूनी और सामूहिक सुरक्षा तंत्र के माध्यम से जो प्रतिरोध करेंगे, वह असरकारक होगा। नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धता भी एक बड़ा अवरोध है। ऐसे में ग्रीनलैंड पर आसानी से कब्ज़ा कठिन है। घरेलू राजनीति के स्तर पर भी यह दांव जोखिमपूर्ण है। यदि ट्रंप पीछे हटते हैं, तो उनके समर्थक इसे कमजोरी मान सकते हैं; यदि आक्रामक कदम उठाते हैं, तो त्वरित अधिग्रहण से 'अमेरिकी महानता' का प्रतीकात्मक संदेश तो मिल सकता है, पर अंतर्राष्ट्रीय अलगाव और आर्थिक अस्थिरता राजनीतिक लाभ को नुकसान भी पहुंचा सकती है। रूसी मीडिया द्वारा ट्रंप की प्रशंसा और चीनी आलोचना भी रोचक संकेत देती है। रूस को यूरोप-अमेरिका संबंधों में दरार लाभप्रद दिखती है, जबकि चीन किसी भी अमेरिकी क्षेत्रीय विस्तारवादी संकेत से सावधान है। व्यापक संदर्भ में यह अमेरिका, रूस और चीन के बीच नई शक्ति-संतुलन की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा है, जहां आर्कटिक, इंडो-पैसिफिक और ऊर्जा मार्ग नई भू-राजनीतिक सीमाएं बन रहे हैं। इसे नई औपनिवेशिक व्यवस्था शायद अतिशयोक्ति हो पर शक्ति-प्रदर्शन की प्रवृत्ति स्पष्ट है। भारत के लिए यह परिदृश्य चुनौती और अवसर दोनों है।

यदि अमेरिका और यूरोप के बीच तनाव बढ़ता है, तो भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में नई गति आ सकती है। प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता दो अरब से अधिक लोगों के बाजार को जोड़ सकता है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई होगा। फार्मा, टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, ऑटोमोबाइल, सोलर उपकरण और लेदर जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिल सकता है। अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता कम कर बहुध्रुवीय व्यापार साझेदारियां भारत की सामरिक स्वायत्तता को मजबूत करेंगी। वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में भारत की नीति स्पष्ट है- रणनीतिक स्वायत्तता, संतुलित बहुपक्षीयता और आर्थिक कूटनीति का विस्तार।

प्रसंगवश

प्रकृति के शृंगार का पर्व बसंत पंचमी

बसंत के आते ही प्रकृति मानो अपनी पुरानी, सूखी केंचुली को त्यागकर नव-वधू की तरह शृंगार करती है। कड़ाके की ठंड की विदाई होती है और सूर्य की किरणें शरीर में गर्माहट भरने लगती हैं। खेतों में सरसों के पीले फूल ऐसे लहलहाते हैं, मानो धरती ने 'पीतांबर' ओढ़ लिया हो। पेड़ों पर नई कोपलें आने लगती हैं, आम की मंजरियों की महक वातावरण को सुगंधित कर देती है और कोयल की कूक मन को आनंदित कर देती है। यह वह समय है जब प्रकृति और पुरुष दोनों में नई ऊर्जा का संचार होता है।

जब बसंत आता है, तो यह तिथि शीत ऋतु की जड़ता से निकलकर जीवन में नवचेतना, सृजन और ज्ञान का प्रवेश करती है। इसी कारण इसे मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस से भी जोड़ा जाता है। जैसे बसंत पंचमी में प्रकृति में पेड़-पौधे फिर से जीवंत होने लगते हैं, वैसे ही इस अवसर पर माता सरस्वती की पूजा साधक के भीतर विचारों की शुद्धि, चेतना का विस्तार और ज्ञान का अंकुरण लाता है।

गौरव शर्मा
शिक्षक

ऋग्वेद में माता सरस्वती का उल्लेख नदी और देवी, दोनों रूपों में मिलता है। वेदों में मां सरस्वती को ब्रह्मज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। योग और वेदांत में बसंत पंचमी को नई साधना की शुरुआत का श्रेष्ठ समय कहा गया है। इस दिन किया गया मंत्र-जप, ध्यान या अध्ययन मन को स्थिर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और साधक को दीर्घकालीन आध्यात्मिक लाभ देता है। इसी कारण कई आश्रमों और गुरुकुलों में इसी दिन विद्यारंभ संस्कार होता है।

बसंत पंचमी के अवसर पर माता सरस्वती की पूजा भी होती है। बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की पूजा करने का अर्थ है मन, बुद्धि और चित्त को शुद्ध करना, वाणी को संयमित करना और आंतरिक अज्ञानता का विसर्जन करना, लेकिन माता सरस्वती का स्थान केवल छात्रों के जीवन में ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में होनी चाहिए क्योंकि वो ज्ञान, विवेक और वाणी की शुद्धता प्रदान करने के साथ-साथ अहंकार, भ्रम और अज्ञानता का नाश भी करती है। जब बसंत पंचमी आती है, तो यह तिथि शीत ऋतु की जड़ता से निकलकर जीवन में नवचेतना, सृजन और ज्ञान का प्रवेश करती है। इसी कारण इसे माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस से भी जोड़ा जाता है।

जैसे बसंत पंचमी में प्रकृति में पेड़-पौधे फिर से जीवंत होने लगते हैं, वैसे ही इस अवसर पर माता सरस्वती की पूजा साधक के भीतर विचारों की शुद्धि, चेतना का विस्तार और ज्ञान का अंकुरण लाता है। उन्हें महान, पवित्र और प्रेरणादायिनी कहा गया है। ऋग्वेद में लिखा है - 'अम्बितमे, नदीतमे, देवितमे सरस्वति'

इसका अर्थ है कि 'हे सरस्वती! आप माताओं में श्रेष्ठ, नदियों में श्रेष्ठ और देवियों में श्रेष्ठ हैं'। वेदों में माता सरस्वती को वाणी की अधिष्ठात्री माना गया है। यज्ञ, मंत्र और स्तुति, सब मां सरस्वती की कृपा से ही संभव माने गए हैं। बिना सरस्वती की कृपा के वेदपाठ, मंत्रोच्चार और ज्ञान प्राप्ति अधूरी मानी जाती है। उपनिषदों में माता सरस्वती को ब्रह्मविद्या से जोड़ा गया है। पुराणों में माता सरस्वती को भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री और शक्ति माना गया है। वे सृष्टि के निर्माण में ब्रह्माजी को ज्ञान, विवेक और सृजन शक्ति प्रदान करती हैं, इसलिए उन्हें ब्रह्माणी भी कहा जाता है। देवी भागवत और स्कंद पुराणों में माता सरस्वती को माया से मुक्त करने वाली शक्ति कहा गया है।

सर्दी में बारिश और बर्फबारी की कमी अच्छे संकेत नहीं

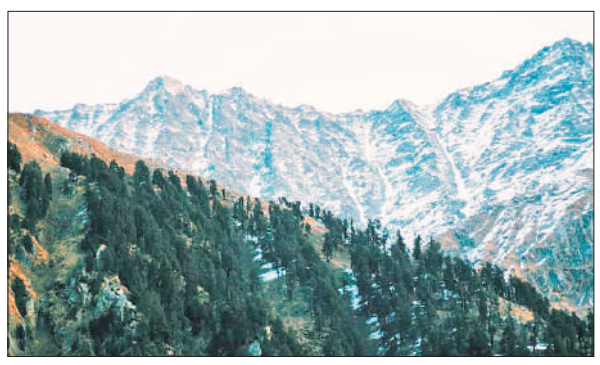

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

कोई 75 दिन बीत गए हैं, कश्मीर से ले कर उत्तरखंड और दिल्ली से ले कर समूचे मैदानी इलाके में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। सूखी सर्दी ने जनजीवन, खेती-किसानी और पर्यावरण पर जो चोट पहुंचाई है, उसका असर दूरगामी होना है। सबसे बड़ी बात, जब गर्मी के दिन और तापमान बढ़ रहा है, भारत सहित बहुत से देशों की जीवन रेखा कहे जाने वाले हिमालय के पहाड़ बर्फ न गिरने से भूरे दिख रहे हैं। हिमाचल में इस साल 'स्नो ड्राउट' यानी बर्फीले-सूखे के हालात हैं। उत्तर-पश्चिमी हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर) में 2025-26 की सर्दियों में बर्फ का गिरना सामान्य से 45 से 75 फीसदी कम रहा, खासकर नवंबर-दिसंबर में। उत्तराखंड में दिसंबर 2025 में 100% वर्षा की कमी दर्ज की गई और जनवरी 2026 तक ऊंचे इलाकों में बर्फ नहीं जमी। बढ़ते तापमान, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और ग्लोबल वॉर्मिंग से बर्फ तेजी से पिघल रही है। बीते पांच जाड़ों के मौसम में बर्फबारी में 25 फीसदी की गिरावट आई है, जो 1980-2020 के औसत से बहुत नीचे है।

कश्मीर का 'चिल्लई कलां', जो अपनी कठोर बर्फबारी और जमा देने वाली रातों के लिए जाना जाता है, इस बार वीरान है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल दिसंबर और जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल, जो इस समय तक चांदी जैसी बर्फ से ढके रहते थे, वहां केवल सूखी घास और नग्न पहाड़ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यटन को आर्थिक चोट नहीं पहुंचा रही, बल्कि ग्लेशियरों के पुनर्भरण (Recharge) की प्रक्रिया को भी बाधित कर रही है। यदि बर्फबारी का यह अकाल जारी रहा, तो गर्मियों में झेलम और सिंधु जैसी नदियों का जल स्तर रिकॉर्ड स्तर तक गिर सकता है, जिससे न केवल पीने के पानी का संकट पैदा होगा, बल्कि जल विद्युत परियोजनाओं पर भी ताला लग सकता है।

उत्तराखंड में शून्य बरसात के कारण राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे की स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में भी सामान्य से 97% कम बारिश दर्ज की गई। गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी की फसलें अक्टूबर से दिसंबर तक बोई जाती हैं। इन फसलों को अच्छी पैदावार के लिए बढ़ने और पकने के समय ठंडे मौसम की जरूरत होती है। बारिश न होना रबी की फसलों खासकर गेहूं के लिए बुरा है। असल में सर्दियों की बारिश केवल पानी की जरूरत पूरा नहीं करती, बल्कि खेतों के लिए खाद का काम करती है, जिससे पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और दूसरे पोषक तत्व कुदरती रूप से मिलते हैं। इसकी पूर्ति सिंचाई करने से नहीं की जा सकती है।

उधर अक्टूबर-नवंबर के गर्म रहने से आलू का अंकुरण कम हुआ है। बहुत सी जगह बोए हुए आलू के बीज पौधा बनने की जगह गर्मी से गल गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ने की मिठास नवंबर की गर्मी ने सोख ली। गन्ने में सुक्रोज बनने के लिए ठंड आवश्यक है, लेकिन अभी तक गन्ने में पानी की मात्रा अधिक है, इसलिए गुड़ बन ही नहीं पा रहा था। एक महीने देरी से गुड़ बनना शुरू हुआ है। देश के हर हिस्से की खेती-किसानी में बदलते मौसम ने ग्रहण लगा दिया है। उधर किसान खाद–बीज के लिए परेशान है। समझ लें कि रबी की फसल बिगड़ने का असर सारे देश की अर्थ और भोजन व्यवस्था पर पड़ना तय है।

ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इन्सुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनकी फसलों की रक्षा होती है। कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है। पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

कम बर्फबारी के कारण अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है, तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदी दायक होगी। इससे जीएलओएफ (हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़) अचानक बाढ़ आएगी और घरों, बागानों और मवेशियों को बहा ले जाएगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैंकड़ों मेगा वाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट या सकता है, हालांकि यह भी कड़वा सच है कि पहाड़ों के मिजाज को बिगाड़ने में इन जल विद्युत परियोजनाओं की भूमिका काम संदिग्ध नहीं है। पहाड़ों पर बर्फ का असर पंजाब की नदियों पर घहराई से होता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का जल स्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है।

उत्तराखंड के पौड़ी जिले में भले ही तगड़ा जाड़ा हो, लेकिन बीते चार महीनों से बर्फबारी और बारिश न होने के कारण यहां के पर्यावरण पर अलग किस्म का खतरा मंडरा रहा है। लगातार सूखे से जमीन की नमी समाप्त हो गई है। यदि हालात नहीं सुधरे, तो यहां जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाएगा, हालांकि यह खतरा समूचे राज्य में है और सूखी ठंड इंसानों के स्वास्थ्य के साथ-साथ खेती-किसानी का मिजाज भी बिगाड़े हुए है। बारिश और बर्फबारी की कमी का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बरसात और बर्फ न गिरने से जमीन का सूखना, वहां के वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा है। हरियाली पर जीने वाले जानवर बस्ती की तरफ आ रहे हैं और उनके पीछे-पीछे गुलदार, तेंदुए भी। घास के मैदान समाप्त होने का असर कस्तूरी मृग पर तो गहरा पड़ा है। हिमाचल, लेह, लाहौल स्पीति से ले कर उत्तराखंड के उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में दुर्लभ हो चुके हिम तेंदुओं का बगैर बर्फ के जीना मुश्किल हो रहा है।

> कोई 75 दिन बीत गए हैं, कश्मीर से लेकर उत्तरखंड और दिल्ली से ले कर समूचे मैदानी इलाके में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। दिसंबर–जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

आमने

भारत के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मना रहे हैं। यात्रा का खर्च जनता के पैसों से पूरा किया जाएगा। यात्रा करने वाले नेताओं के खर्च का सार्वजनिक खुलासा किया जाए। भारतीय दृष्टिकोण से दावोस सम्मेलन हास्यास्पद है।

-संजय राउत
शिवसेना (यूबीटी)

सामने

मेरे पति दावोस पिकनिक मनाने नहीं गए हैं। जो व्यक्ति पिकनिक पर जाता है, वह भारत और महाराष्ट्र में निवेश लाने, रोजगार बढ़ाने के लिए काम नहीं करता। देवेंद्र फडणवीस निवेश लाने, रोजगार बढ़ाने के लिए सुबह छह से रात 11 बजे तक लगातार सम्मेलन और बैठकें करते हैं।

-अमृता फडणवीस
पत्नी, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र

कूटनीतिक चालाकी में फंसी फ्यूचर टेक्नोलॉजी

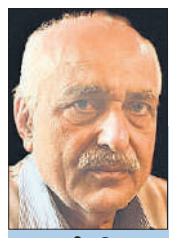

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

चीन से प्रकाशित एक्टा एरोनॉटिका एट एस्ट्रोनॉटिका सिनिका जर्नल में जनवरी 2026 महीने में छपे एक रिसर्च पेपर में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स अर्थात यूएसएएफ़ के लिए नॉर्थरॉप ग्रुमन एयरो स्पेस कंपनी द्वारा विकसित किए जा रहे यूएस बी 21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर के विकास में कुछ मौलिक खामियों की तरफ इशारा किया गया है। पेपर के मुख्य लेखक और शोधकर्मी हुआंग जियानताओ द्वारा इस्तेमाल किए गए डाटा का सोर्स मालूम नहीं है और न ही उक्त जर्नल के प्रकाशक ने अपनी वेबसाइट पर जर्नल की पीडीऍफ़ कॉपी पोस्ट की है। प्रतीत होता है कि इस पेपर की एडवांस्ड कॉपी एविएशन और एरोनॉटिक्स में पॉपुलर जर्नल्स के रिपोर्टर्स को खुफिया तौर से मिली और उन्होंने इसे प्रकाशित करके यूएसएएफ़ के लिए यह हंगामा खड़ा कर दिया।

अमेरिकन विशेषज्ञों ने शंका जाहिर की है कि बी-21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर के बारे में कुछ डाटा या तो चोरी से चीन भेजा गया है, या फिर यह सिर्फ उन सूचनाओं की दृश्यता पर आधारित है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय एविएशन मीडिया जर्नल्स ने प्रकाशित किया और जिसे विकिपीडिया जैसे सार्वजनिक प्लेटफॉर्म्स पर भी पोस्ट किया गया है। क्या यह अनधिकृत चेष्टा है, संदेह के बीज बोने का उपक्रम अथवा प्रतिद्वंदी द्वारा विकसित की जाने वाली वार टेक्नोलॉजी पर खुफिया तौर से निगहबानी? चीन के इस साइंटिफिक रिसर्च दुस्साहस में कितना सच और कितना झूठ है, तब तक मालूम नहीं हो सकता, जब तक रिसर्च पेपर के डाटा की पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वज्जनों द्वारा नहीं की जाती।

चीन की पूरी की पूरी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का रहस्य है, अनधिकृत और अनापेक्षित रूप से प्राप्त की गई टेक्नोलॉजी, जिसे रिवर्स इंजीनियरिंग से उन्नत करके अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में उतरना। इसी सिलसिले में ताज़ा खबर है कि उन्नत माइक्रो प्रोसेसर चिप्स के निर्माण के लिए चीन ने नीदरलैंड्स की एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मटेरियल लिमिटेड एएसएमएल कंपनी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाले एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट फोटो लिथोग्राफिक प्रिंटिंग मशीन का स्वदेश में निर्माण कर लिया है। कंपनी की इस मशीन टेक्नोलॉजी में वैश्विक मोनोपॉली है।

इस मशीन के इस्तेमाल से मास्क बनाकर सिलिकॉन वेफर्स पर माइक्रो चिप का इन्टिग्रेटेड सर्किट प्रिंट किया जाता है और फिर इस पर लाखों की संख्या में ट्रांजिस्टर्स चिपकाए जाते हैं। इसे मास्किंग, एचिंग एंड प्रिंटिंग कहते हैं। चीन के इंजीनियरों द्वारा बिना लाइसेंस के इस मशीन का निर्माण कर लेना तकनीकी तौर से समकक्ष क्षमता हासिल करने के अलावा बौद्धिक संपदा चोरी भी है। चीन ने ऐसा करके सबको विस्मित कर दिया है, क्योंकि उसे बौद्धिक संपदा कानून के उल्लंघन की बिलकुल परवाह नहीं है।

नए विमानों के विकास का बहुत सा डाटा टॉप सीक्रेट होता है, जिसे रिसर्च पेपर्स में दशकों तक जाहिर नहीं किया जाता। लंबी दूरी तक पहुंचने वाले बी-21 रेडर स्टील्थ विमान की लागत $203 मिलियन या तकरीबन 18 अरब 49 करोड़ भारतीय रुपये मूल्य में है, जिसके लिए अनुसंधान और विकास में $23.1 से अधिक का व्यय हो चुका है। बी-21 बमवर्षक विमान पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार ले जाकर दुश्मन के ठिकानों पर वार कर सकता है। बूढ़े हो चुके रॉकवेल बी-1 लांसर, बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस और बी-2 स्पिरिट को हटाकर सन 2040 तक बी-21 विमान का प्रयोग यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स कर पाएगी, इसी उम्मीद के साथ इसका विकास किया गया है।

चीन के एयरोस्पेस साइंटिस्ट्स द्वारा प्रकाशित उक्त रिसर्च पेपर के जरिये से किया गया दावा बी-21 के डिज़ाइन में कमज़ोरियां हैं। एक साइंटिफिक दुस्साहस है। अगर यह सही हैं, जो इनकी अनदेखी के चलते बी-21 की एयरोडायनामिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में पीएडीजे-एक्स एक स्टेटिस्टिकल सॉफ्टवेयर टूल है, जिसे एयरोस्पेस सिमुलेशन में फाल्स डिस्कवरी रेट जानने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे सही लगने वाली त्रुटियों को जो भौतिक सच नहीं होतीं, या ऐसी त्रुटियां जिन्हें हम भौतिक सच मान लेते हैं, फाल्स-नेगेटिव या फाल्स पॉजिटिव कहा जाता है। यह एडजॉइंट ऑप्टिमाइजेशन टेक्नोलॉजी पर आधारित है और इसका इस्तेमाल एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन और स्टील्थ सहित कई डिसिप्लिन में एयरक्राफ्ट डिज़ाइन का एनालिसिस और ऑप्टिमाइज करने के लिए किया जाता है।

यह सॉफ्टवेयर ऑप्टिमाइजेशन प्रोसेस में एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, इंफ्रारेड सिग्नेचर और सोनिक बूम, को एक ही प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेट करता है, जिससे हजारों डिज़ाइन पैरामीटर्स को एक साथ टेस्ट किया जा सकता है। रिसर्च पेपर में चीन के एयरोडायनामिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर के हुआंग जियांगताओ ने कहा है कि भविष्य के युद्ध के माहौल में कॉन्फ़िगरेशन के मुकाबले में एयरक्राफ्ट की इंटीग्रेटेड परफॉर्मेंस की ज्यादा ज़रूरत महसूस हो सकती है।

> चीन की एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का रहस्य है, अनधिकृत और अनापेक्षित रूप से प्राप्त की गई टेक्नोलॉजी।

सोशल फोरम

अटल-फैज की मुलाकात

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

बात सन 1977 या 78 की है जब पहली बार देश में गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे और अटल बिहारी वाजपेई विदेश मंत्री। अटल जी अपने आधिकारिक दौरे पर पाकिस्तान गए थे। जैसा कि मंत्री स्तर पर प्रोटोकॉल के तहत सब कुछ पहले से तय होता है, वैसे ही सब तयशुदा कार्यक्रम के तहत हुआ, पर अचानक ही अटल जी फ़ैज़ साहब से मिलने उनके घर पहुंच गए। यहां बता दूं कि फ़ैज़ साहब उन दिनों एशियाई-अफ्रीकी लेखक संघ के प्रकाशन के अध्यक्ष थे और उन दिनों लेबनान में कार्यरत थे, पर उन दिनों पाकिस्तान आए हुए थे।

अचानक अटल जी को आया देख वे भी सकपका गए, पर अटल जी ने बड़ी विनम्रता से हंसते हुए उनसे कहा मैं सिर्फ आपके एक शेर के लिए आपसे मिलकर आपको दाद देना चाहता था।

मक़ाम 'फ़ैज़' कोई राह में जचा ही नहीं
जो कू-ए-यार से निकले तो सू-ए-दार चले

कहते हैं कि यह सुनकर फ़ैज़ भावुक हो गए थे। बाद में अटल जी ने न सिर्फ उनसे भारत आने को कहा, बल्कि भारत आकर बसने को भी कहा।

सनद रहे कि फ़ैज़ साहब लियाकत अली खां की सरकार के तख्तापलट की साज़िश करने के जुर्म में पांच साल जेल में रह चुके थे और संदर्भित ग़ज़ल भी फ़ैज़ ने मांटगुमरी जेल में रहते हुए लिखी थी। पाकिस्तानी हुक्मरानों को फ़ैज़ कभी फूटी आंख न सुहाए। यह अलग बात है कि भारत हो या पाक वे दोनों जगह अवाम के महबूब शायर थे।

जब सन् 1981 में फ़ैज़ भारत आए तो कई शहरों में उनका काव्यपाठ आयोजित हुआ। एक पाठ के दौरान उनसे उनकी प्रसिद्ध नज़्म रकीब से पढ़ने के लिए कहा गया। फ़ैज़ ने वह नज़्म बस आधी ही सुनाई। यह पूछने पर कि आधी ही क्यों सुनाई? फ़ैज़ ने कहा, "जहां तक सुनाया, वहीं तक असली नज़्म है। बाद का हिस्सा बाद में लिखा गया था।" **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

अब निवेश सलाहकारों के दावों की होगी जांच

देश में पूंजी बाजार विशेषज्ञों के नाम पर किए जाने वाले रिटर्न दावों का अब आसानी से सत्यापन किया जा सकेगा। भ्रामक प्रचार कर बेहतर रिटर्न देने का दावा करने वालों को पकड़ने और सत्यापित करने के लिए सेबी ने पीआरआरवीए एजेंसी लॉन्च कर वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का नया प्रयोग शुरू किया है। 1992 में सेबी अधिनियम के तहत सेबी को कानूनी दर्जा मिला था, जिससे उसे निवेशकों की सुरक्षा, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय गतिविधियों की निगरानी का अधिकार प्राप्त है। अपनी नियामक क्षमता के आधार पर सेबी ने स्वेच्छा से पीआरआरवीए जैसी पारदर्शी व्यवस्था शुरू की है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को प्रमाण-आधारित और सटीक जानकारी उपलब्ध कराना है।

पीआरआरवीए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और केयर एज रेटिंग्स के सहयोग से लॉन्च की गई है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बढ़ गई है। अब निवेशक किसी ब्रोकर, एल्गो ट्रेडर, रिसर्च एनालिस्ट या निवेश सलाहकार के पिछले रिकॉर्ड को सत्यापित कर सकेंगे। कई लोग खुद को निवेश सलाहकार बताकर बेहतर रिटर्न का दावा करते रहते हैं, लेकिन उनका रिकॉर्ड जांचना लगभग असंभव था। कई बार केवल भरोसे और दावों के आधार पर निवेश नुकसान में बदल जाता है और निवेशकों की मेहनत की कमाई डूब जाती है। कुछ सलाहकार अपने तथ्यों में हेरफेर कर पिछले रिटर्न को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं। ऐसे में पीआरआरवीए की व्यवस्था निवेशकों के लिए राहत साबित होगी।

धनीश शर्मा
लेखक

ये बात जगजाहिर है कि कुछ निवेश सलाहकार सोशल मीडिया पर दावा करते हैं कि उन्होंने ग्राहकों को सालाना 25–30% तक का रिटर्न दिया है। अक्सर वे एडिटेड स्क्रीनशॉट, भ्रामक ग्राफ और अधूरी जानकारी दिखाकर निवेशकों को आकर्षित करते हैं, हालांकि पिछले कुछ समय से सेबी ने सोशल मीडिया पर गैर पंजीकृत सलाहकारों पर लगाम लगाई है, वहीं पीआरआरवीए ऐसे दावों की वास्तविक सच्चाई तुरंत उजागर कर देगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि टीवी चैनलों पर भी कई विशेषज्ञ तेज़ रिटर्न देने का दावा करते हैं, जबकि बाजार की वास्तविकता संभावनाओं पर आधारित है। कोई भी 100% सटीक अनुमान नहीं लगा सकता।

कोविड के बाद से ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, यूट्यूब और सोशल मीडिया पर गैर-पंजीकृत निवेश सलाहकार और फिनफ्लुएंसरों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। वे आकर्षक वीडियो और अधूरी जानकारी दिखाकर निवेशकों को गुमराह करते हैं। सेबी की इस पहल से ऐसे गैर-सत्यापित दावों पर रोक लगेगी। फिलहाल सिस्टम स्वैच्छिक है और शुरुआती चरण में है। जो लोग पीआरआरवीए में शामिल नहीं होंगे, वे भविष्य में अपने रिटर्न दावों को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखा पाएंगे। केवल वही सलाहकार या ब्रोकर अपना प्रदर्शन दिखा सकेंगे, जिनके डेटा को स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया गया है।

पीआरआरवीए के माध्यम से निवेशक यह सत्यापित कर सकेंगे कि किसी ब्रोकर, एल्गो ट्रेडर या रिसर्च एनालिस्ट ने पिछले वर्षों में वास्तविक रूप से कितना रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई सलाहकार पिछले पांच वर्षों में औसतन 8–10% रिटर्न दे पाया है, तो निवेशक इसे आसानी से जांच सकेंगे और जोखिम समझकर ही निवेश करेंगे। केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में पूंजी बाजार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। फिनटेक क्षेत्र को नियंत्रित करने, निवेशक संरक्षण को मजबूत करने और डिजिटल धोखाधड़ी रोकने के लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

कागज की खोज

मानव सभ्यता के विकास में कागज का आविष्कार एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी घटना माना जाता है। आज जिस कागज को हम सामान्य और दैनिक उपयोग की वस्तु समझते हैं, उसने ज्ञान के संरक्षण, प्रसार और लोकतंत्रीकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कागज के आविष्कार से पहले मनुष्य पत्थर, ताम्रपत्र, ताड़पत्र, भोजपत्र, चमड़े और रेशम जैसे माध्यमों पर लिखता था, जो या तो भारी थे, महंगे थे या लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रहते थे।

इतिहासकारों के अनुसार कागज का आविष्कार 105 ईसवी में चीन में हुआ। इसका श्रेय हान वंश के शाही दरबार के अधिकारी त्साई लुन (Cai Lun) को दिया जाता है। उन्होंने पेड़ की छाल, पुराने कपड़े, मछली पकड़ने के जाल और बांस जैसे रेशेदार पदार्थों को पानी में गलाकर, पीसकर और सुखाकर कागज बनाने की एक व्यावहारिक विधि विकसित की। यह पहले से मौजूद लेखन माध्यमों की तुलना में सस्ता, हल्का और अधिक उपयोगी था। चीन में लंबे समय तक कागज बनाने की तकनीक को गुप्त रखा गया, लेकिन धीरे-धीरे यह ज्ञान अन्य क्षेत्रों तक फैल गया। आठवीं शताब्दी में यह तकनीक अरब दुनिया पहुंची, जहां बगदाद और समरकंद जैसे नगर कागज निर्माण के प्रमुख केंद्र बने। इसके बाद कागज़ भारत पहुंचा और यहां फारसी व अरबी पांडुलिपियों के लेखन में इसका व्यापक प्रयोग हुआ। तेरहवीं शताब्दी तक कागज यूरोप पहुंच चुका था, जहां बाद में छापेखाने के आविष्कार के साथ इसने ज्ञान क्रांति को जन्म दिया।

भारत में कागज बनाने की सबसे पहली मिल कश्मीर में लगाई गई थी, जिसे वहां के सुल्तान जैनुल आबिदीन ने स्थापित किया था। सन् 1887 में भी कागज बनाने वाली मिल स्थापित की गई थी, जिसका नाम था टीटा कागज मिल्स, लेकिन ये मिल कागज बनाने में असफल रही। आधुनिक कागज का उद्योग कलकत्ता में हुगली नदी के तट पर बाली नामक स्थान पर स्थापित किया गया।

वैज्ञानिक के बारे में

त्साई लुन (Cai Lun) चीन के हान राजवंश के समय एक प्रमुख विद्वान और शाही अधिकारी थे। उन्हें कागज के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। इससे पहले लेखन के लिए बांस की पट्टियां और रेशम का प्रयोग होता था, जो भारी और महंगे थे। त्साई लुन के इस आविष्कार ने लेखन को सरल बनाया और ज्ञान, शिक्षा तथा प्रशासन के व्यापक प्रसार में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

सम्मोहित करता विलक्षण पक्षी

सनबिटर्न

क्या कोई पक्षी अपनी चोंच या नुकीले पंजों का प्रयोग किए बिना भी खूंखार शिकारियों को परास्त कर सकता है? सनबिटर्न यह सिद्ध करता है कि भीषण संकट के समय धैर्य और मनोवैज्ञानिक कौशल ही सबसे अचूक प्रहार साबित होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

मध्य और दक्षिण अमेरिका के अभेद्य वर्षावनों में, जहां हर आहट एक नए खतरे का उद्घोष होती है, वहां जीवित रहने के लिए केवल शारीरिक शक्ति पर्याप्त नहीं है। इन रहस्यमयी जंगलों में एक ऐसा पक्षी निवास करता है, जिसने यह सिद्ध कर दिया है कि बुद्धि का सटीक प्रयोग दुनिया के किसी भी घातक हथियार से अधिक शक्तिशाली हो सकता है। प्रकृति प्रेमी इसे 'सनबिटर्न' के नाम से जानते हैं। यह न तो गरुड़ जैसी शक्ति रखता है और न ही चीते जैसी तीव्र फुर्ती, फिर भी इसमें एक ऐसा अनूठा रणकौशल है, जो बड़े-बड़े शिकारियों को किंकर्तव्यविमूढ़ कर देता है। इसकी आत्मरक्षा की यह रणनीति महज जान बचाने की कोशिश भर नहीं है, बल्कि शिकारी के मस्तिष्क को भ्रमित कर देने वाला एक गहरा मनोवैज्ञानिक मायाजाल है।

अदृश्यता का आवरण

प्रकृति में विलीन होना- सनबिटर्न की आत्मरक्षा का प्रथम चरण है पूर्णत: अदृश्य हो जाना। नदी के किनारों पर सूखी पत्तियों और कीचड़ के बीच जब यह पक्षी निश्चल खड़ा होता है, तो इसके धूसर-भूरे पंख इसे परिवेश के साथ इस कदर एकाकार कर लेते हैं कि कोई अत्यंत निकट से भी गुजर जाए, तो इसे पहचान नहीं सकता। विज्ञान की शब्दावली में इसे 'क्रिप्टिक कलरेशन' कहते हैं। इसका सीधा अर्थ है स्वयं को परिवेश के रंगों में इस तरह विलीन कर लेना कि शिकारी की दृष्टि आप पर टिक ही न पाए। जब तक संकट टल न जाए, सनबिटर्न किसी पत्थर की भांति अडिग रहकर अपनी शांति को ही अपनी सबसे अभेद्य ढाल बनाए रखता है।

भ्रम का प्रहार : आंखों का धोखा

असली रोमांच तब प्रारंभ होता है, जब छिपने का विकल्प समाप्त हो जाता है। जैसे ही कोई भूखा सर्प या जंगली बिल्ली सनबिटर्न के घेरे में प्रवेश करती है, यह शांत पक्षी अचानक रौद्र रूप धारण कर लेता है। यह पलक झपकते ही अपने पंखों को एक विशाल पंखे की भांति फैला देता है। इस क्षणिक रूपांतरण में वह लघु पक्षी एकाएक एक विशाल और डरावने जीव जैसा प्रतीत होने लगता है। उसके पंखों के भीतर नारंगी, लाल और पीले रंगों के सम्मिश्रण से दो विशाल आकृतियां उभर आती हैं, जो हूबहू किसी खूंखार शिकारी की धधकती आंखों जैसी दिखती हैं।

मनोवैज्ञानिक विजय

वैज्ञानिक इन आकृतियों को 'आई-स्पॉट्स' कहते हैं। एक सुलभ शिकार की तलाश में आया शिकारी, अचानक अपने सम्मुख दो विशाल जलती हुई आंखें देखकर स्तब्ध रह जाता है। उसे भ्रम होता है कि वह किसी पक्षी को नहीं, बल्कि किसी ऐसे दैत्यकार जीव को देख रहा है, जो स्वयं उसे ही अपना ग्रास बना सकता है। सनबिटर्न यहीं नहीं थमता, वह अपने शरीर को एक विशिष्ट लय में झुकाकर और पंखों को थिरकाकर इस भ्रम को इतना जीवंत बना देता है कि शिकारी भय और अनिश्चितता से घिर जाता है। यही एक क्षण सनबिटर्न की विजय सुनिश्चित कर देता है और शिकारी अपनी जान बचाकर वहां से भागने में ही अपनी भलाई समझता है।

जीवन का संदेश

सनबिटर्न की युक्ति, आत्मरक्षा का अर्थ सदैव हिंसा या प्रतिघात नहीं होता हैं। हमें जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। यह सिखाती है। कभी-कभी बिना चोंच चलाए और बिना पंजा मारे, केवल अपनी बुद्धिमत्ता और दृष्टि के छलावे से भी बड़ी जंग जीती जा सकती है। वर्षावनों की सघनता में आज भी यह पक्षी हमें स्मरण कराता है कि जब संकट विकराल हो, तो धैर्य और मानसिक कौशल ही आपके सबसे अचूक प्रहार सिद्ध होते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

शहद एक ऐसा प्राकृतिक खाद्य पदार्थ है, जो सामान्य परिस्थितियों में वर्षों तक सुरक्षित रहता है और लगभग कभी खराब नहीं होता। इसके पीछे कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उसकी विशिष्ट रासायनिक संरचना और प्राकृतिक गुण जिम्मेदार हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल से शहद को न केवल भोजन, बल्कि औषधि के रूप में भी महत्व दिया जाता रहा है।

शहद के दीर्घायु होने का विज्ञान

शहद में पानी की मात्रा बेहद कम होती है। आमतौर पर इसमें नमी 16 से 18 प्रतिशत के बीच रहती है, जबकि अधिकांश बैक्टीरिया और फफूंद को जीवित रहने और बढ़ने के लिए कहीं अधिक नमी की आवश्यकता होती है। पानी की कमी के कारण सूक्ष्मजीव शहद में पनप नहीं पाते। इसके साथ ही शहद में शर्करा की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक होती है। इतनी अधिक शर्करा के कारण उसमें ऑस्मोटिक दबाव बहुत ज्यादा होता है, जिससे बैक्टीरिया और फफूंद की कोशिकाओं से पानी बाहर खिंच जाता है और वे निष्क्रिय हो जाते हैं।

शहद की प्रकृति हल्की अम्लीय होती है। इसका pH सामान्यतः 3.2 से 4.5 के बीच रहता है। यह अम्लीय वातावरण अधिकांश रोगजनक सूक्ष्मजीवों के लिए अनुकूल नहीं होता, जिससे वे उसमें जीवित नहीं रह पाते। इसके अलावा शहद में प्राकृतिक जीवाणुरोधी तत्व भी पाए जाते हैं। मधुमक्खियां शहद बनाते समय उसमें ग्लूकोज़ ऑक्सीडेज नामक एंजाइम मिलाती हैं, जो नमी के संपर्क में आने पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड उत्पन्न करता है। यह पदार्थ बैक्टीरिया को नष्ट करने में सहायक होता है।

इतिहास में इसके प्रमाण भी मिलते हैं। मिस्र के पिरामिडों से हजारों वर्ष पुराना शहद प्राप्त हुआ है, जो आज भी सुरक्षित पाया गया। हालांकि यदि शहद में पानी मिल जाए, वह खुले या गीले बर्तन में रखा जाए या उसमें मिलावट हो, तो उसके खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से रखा गया शुद्ध शहद समय की कसौटी पर खरा उतरता है और प्रकृति का एक अनोखा, दीर्घजीवी खाद्य पदार्थ साबित होता है।

जंगल की दुनिया

छोटे शरीर में बड़ी सजा बुलेट चींटी का डंक

मध्य और दक्षिण अमेरिका के घने वर्षावनों में पाई जाने वाली बुलेट चींटी (Paraponera clavata) को दुनिया के सबसे दर्दनाक डंक वाले कीटों में गिना जाता है। प्रसिद्ध कीट विज्ञानी जस्टिन श्मिट द्वारा विकसित श्मिट स्टिंग पेन इंडेक्स में इसका स्थान सबसे ऊपर है। स्वयं श्मिट ने इसके दर्द की तुलना "गरम कोयलों पर चलते हुए एड़ी में कील ठोंक दिए जाने" से की थी। इस डंक का असर केवल तीव्र पीड़ा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई मामलों में यह दर्द 24 घंटे या उससे अधिक समय तक बना रह सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि बुलेट चींटियां आक्रामक शिकारी नहीं होतीं। ये मुख्यतः जमीन और पेड़ों के निचले हिस्सों में रहती हैं और अपने डंक का उपयोग आत्मरक्षा के लिए करती हैं। इनका विष (venom) शिकार को मारने से ज्यादा शत्रु को डराने और लंबे समय तक निष्क्रिय करने के लिए विकसित हुआ है। यही कारण है कि डंक के बाद दर्द तो अत्यधिक होता है, लेकिन स्थायी शारीरिक क्षति अपेक्षाकृत कम होती है।

इसी तरह, टारेंटुला हॉक ततैया, कुछ बिच्छू और अन्य विषैले कीट भी ऐसे रक्षात्मक तंत्र अपनाते हैं, जिनका उद्देश्य मृत्यु नहीं बल्कि तीव्र, यादगार पीड़ा देना होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसा दर्द शिकारियों के व्यवहार को लंबे समय तक बदल देता है, वे भविष्य में उस प्रजाति से दूरी बनाए रखते हैं। इन कीटों के डंक पर किए गए अध्ययन हमें यह समझने में मदद करते हैं कि विकासक्रम (evolution) में दर्द किस तरह एक प्रभावी हथियार के रूप में उभरा। साथ ही, इन विषों के रासायनिक गुणों पर शोध से दर्द निवारण (pain management) और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

बुलेट चींटी और ऐसे अन्य कीट हमें यह सिखाते हैं कि प्रकृति में शक्ति हमेशा आकार या आक्रामकता में नहीं, बल्कि अनुभव कराए गए भय और दर्द की तीव्रता में भी निहित हो सकती है।

मृत्यु को चुनौती देने की मानवीय महत्वाकांक्षा व उसके वैज्ञानिक आयाम

मनुष्य ने सदियों से मृत्यु को अपनी सबसे बड़ी पराजय माना है। प्राचीन सभ्यताओं में अमृत की खोज, चीन के सम्राटों द्वारा जीवन रसायनों की तलाश और भारतीय पौराणिक कथाओं में अमृत मंथन की कहानियां इस बात की गवाह हैं कि अमरता मानव की सबसे पुरानी आकांक्षाओं में से एक रही है। 21 वीं सदी में यह खोज पौराणिक कथाओं से निकलकर अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं तक पहुंच चुकी है, जहां अरबों डॉलर की पूंजी और विश्व के श्रेष्ठ वैज्ञानिक इस प्रश्न से जूझ रहे हैं, क्या मनुष्य वास्तव में मृत्यु के विधान को बदल सकता है?

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

विज्ञान की नई सीमाएं: कहां पहुंची है अमरत्व की खोज- आज एंटी-एजिंग और दीर्घायु अनुसंधान एक बहु-अरब डॉलर का उद्योग बन चुका है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, वैश्विक एंटी-एजिंग बाजार 2023 में 60 से 70 अरब डॉलर का था, जो 2030 तक 100 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। सिलिकॉन वैली के अरबपति इस दौड़ में सबसे आगे हैं। जेफ बेजोस द्वारा समर्थित एल्टोस लैब्स सेलुलर रीप्रोग्रामिंग पर काम कर रही है, जबकि गूगल की सहायक कंपनी कैलिको उम्र बढ़ने की जैविक प्रक्रिया को समझने में अरबों डॉलर खर्चकर रही है।

सैम ऑल्टमैन और ब्रायन जॉनसन जैसे तकनीकी उद्यमी स्वयं को "जीवित प्रयोगशाला" में बदल चुके हैं। ब्रायन जॉनसन अपने "ब्लूप्रिंट" कार्यक्रम पर हर साल लाखों डॉलर खर्च करते हैं और दावा करते हैं कि उनकी जैविक आयु वास्तविक आयु से कई वर्ष कम हो चुकी है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण: चार प्रमुख मार्ग- वैज्ञानिक दृष्टि से अमरता या दीर्घायु की खोज चार प्रमुख दिशाओं में आगे बढ़ रही है। पहली, सेनोलिटिक्स, जिसमें शरीर से बूढ़ी और क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को हटाने का प्रयास किया जाता है। चूहों पर इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं, लेकिन मनुष्यों पर व्यापक परीक्षण अभी जारी हैं।

- दूसरी दिशा टेलोमियर विस्तारण की है। टेलोमियर हमारे गुणसूत्रों के सिरे होते हैं, जो हर कोशिका विभाजन के साथ छोटे होते जाते हैं। इन्हें लंबा करने के प्रयास किए जा रहे हैं, हालांकि इससे कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है।
- तीसरी दिशा नैनोटेक्नोलॉजी और आणविक मरम्मत की है, जहां भविष्य में नैनो-रोबोट्स द्वारा कोशिकाओं की मरम्मत की कल्पना की जा रही है।
- चौथी और सबसे विवादास्पद दिशा क्रायोनिक्स और माइंड अपलोडिंग की है, जिसमें मृत्यु के बाद शरीर या मस्तिष्क को अत्यंत निम्न तापमान पर संरक्षित किया जाता है, इस उम्मीद में कि भविष्य की तकनीक उन्हें पुनर्जीवित कर सकेगी।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: परंपरा और आधुनिकता का संगम

भारतीय दर्शन मृत्यु को जीवन के स्वाभाविक चक्र का हिस्सा मानता है। गीता का कथन- "जातस्य हि ध्रुवो मृत्यु:" इसी सत्य को रेखांकित करता है। यहां अमरता आत्मा के स्तर पर मानी गई है, शरीर के स्तर पर नहीं। आयुर्वेद ने दीर्घ और स्वस्थ जीवन पर जोर दिया, लेकिन शाश्वत शारीरिक अमरता को लक्ष्य नहीं बनाया।

आशा और यथार्थ के बीच

विज्ञान हमें अधिक स्वस्थ और लंबा जीवन दे सकता है, लेकिन मृत्यु को पूरी तरह परास्त करना अभी दूर की बात है। शायद असली प्रश्न यह नहीं है कि क्या हम अमर हो सकते हैं, बल्कि यह है कि क्या हमें अमर होना चाहिए। 120 वर्षों का रोगग्रस्त जीवन, 80 वर्षों के स्वस्थ, सार्थक और संतुलित जीवन से बेहतर नहीं कहा जा सकता। वास्तविक बुद्धिमत्ता शायद सीमाओं को पूरी तरह तोड़ने में नहीं, बल्कि यह समझने में है कि हमें कहां रुकना चाहिए।

व्यक्तिगत उपचार योजनाएं

इन तमाम प्रयासों के बावजूद वास्तविकता अपेक्षाकृत संयमित है। पिछले सौ वर्षों में वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 30 से बढ़कर लगभग 73 वर्ष हुई है, लेकिन यह वृद्धि मुख्यत: बेहतर स्वच्छता, पोषण और चिकित्सा सुविधाओं के कारण है, न कि उम्र बढ़ने की मूल जैविक प्रक्रिया पर विजय के कारण। आज तक प्रमाणित अधिकतम मानव आयु 122 वर्ष ही है और पिछले दशकों में इस सीमा में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। मेटफॉर्मिन, रैपामाइसिन और एनएडी प्लस जैसी दवाओं ने प्रयोगशाला में जानवरों की आयु बढ़ाई है, लेकिन मनुष्यों पर उनके दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं हैं। अधिकांश वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि हम "स्वस्थ जीवनकाल" बढ़ा सकते हैं, पूर्ण अमरता अभी विज्ञान कथा ही है।

इस खोज को गति देने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका निर्णायक बनती जा रही है। एआई दवा खोज की प्रक्रिया को तेज कर रहा है, जैविक बायोमार्कर्स की पहचान में मदद कर रहा है और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं तैयार कर रहा है।

एआई आधारित एल्गोरिदम अब किसी व्यक्ति की जैविक आयु का आकलन पहले से कहीं अधिक सटीकता से कर पा रहे हैं, लेकिन यह खोज गंभीर नैतिक और सामाजिक प्रश्न भी खड़े करती है। यदि दीर्घायु तकनीकें सफल होती हैं, तो क्या वे केवल अमीरों तक सीमित रहेंगी? क्या समाज में एक नया जैविक वर्गभेद पैदा होगा? जनसंख्या, संसाधन और पीढ़ियों के बीच अवसरों का संतुलन भी एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,307 .37	25,289 .90
बढ़त	397 .74	132 .40
प्रतिशत में	0 .49	0 .53

सोना 1,57,200
प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,20,000
प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1890, फ़ॉर्चून कि . 2380, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2100, जय जवान 2080, सचिन 2090, सूरज 2080, अवसर 1950, उजाला 2040, गृहणी 13 किग्रा 1925, क्लासिक (किग्रा) 2265, मोर 2275, चक्र टिन 2330, ब्लू 2155, आशीर्वाद मस्टर्ड 2340, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-11000,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 8000, अरहर पटका मोटा 8400, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10300-10900, अरहर कोरी छोटी 11700

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3300, मसूरी- 780, बासमती- 5600, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8000-11100, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2100, मसूर दाल- 1900, उड़द साबुत- 3600, काबुली चना- 7800, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 1300

ईयू ने निर्यात लाभ छूट की स्थगित

87% भारतीय उत्पाद उच्च आयात शुल्क से होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

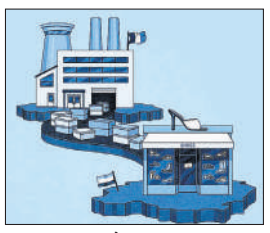

- भारतीय निर्यातकों को करना पड़ेगा महत्वपूर्ण चुनौती का सामना

यूरोपीय संघ (ईयू) ने 1 जनवरी, 2026 से भारत और दो अन्य देशों को सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत कुछ क्षेत्रों को दिए गए विशेष निर्यात लाभ को स्थगित कर दिया है। यह कदम 27 देशों वाले इस समूह को भारत से होने वाले निर्यात पर असर डालेगा। यह घटना इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत और यूरोपीय संघ 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर बातचीत पूरी होने की घोषणा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ के आधिकारिक जर्नल के मुताबिक, यूरोपीय आयोग ने सितंबर, 2025 में नियम जारी किए थे, जिनके तहत जीएसपी लाभ पाने वाले कुछ देशों- भारत, इंडोनेशिया और केन्या के लिए यह निर्यात छूट एक जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2028 तक लागू नहीं होगी। इसका मतलब है कि अब तक 12 प्रतिशत शुल्क वाले किसी वस्त्र उत्पाद पर जीएसपी के तहत 9.6 प्रतिशत शुल्क ही देना पड़ता था, लेकिन अब पूरी 12 प्रतिशत दर लागू होगी। यह छूट अब सभी प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों- खनिज, रसायन, प्लास्टिक, रबर, वस्त्र और परिधान, पत्थर एवं सिरेमिक, कीमती धातुएं, लोहा एवं इस्पात, मशीनरी, इलेक्ट्रिकल वस्तुएं और परिवहन उपकरण से हटा दी गई है। ये क्षेत्र भारत के यूरोपीय निर्यात का प्रमुख आधार हैं।

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि वस्त्र एवं प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों को मिले जीएसपी लाभ हटाए जाने से भारतीय निर्यातकों को ''महत्वपूर्ण चुनौती'' का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि 87 प्रतिशत निर्यात अब उच्च आयात शुल्क के अधीन होंगे। केवल कृषि और चमड़ा जैसे 13 प्रतिशत निर्यात ही अब जीएसपी लाभ के दायरे में रह जाएंगे। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए संपन्न होने से जुड़ी उम्मीदों के बीच जीएसपी छूट हटाए जाने और कार्बन कर प्रणाली सीबीएएम के तहत कर शुरू होने से भारतीय निर्यातकों को निकट भविष्य में उच्च शुल्क, बढ़ी हुई अनुपालन लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि 87 प्रतिशत भारतीय निर्यात अब सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) के लिए लागू दर पर यूरोप में प्रवेश करेंगे, जिससे भारत की कीमत प्रतिस्पर्धा कमजोर

महाशक्तियों के लिए ये साथ आने का अवसर : जर्मन चांसलर

दावोस। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने गुरुवार को कहा कि महाशक्तियों का युग संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के बजाय नियम-आधारित व्यवस्था एवं मुक्त व्यापार का समर्थन करने वाले देशों के लिए एक अवसर है। मर्ज ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में कहा कि यूरोप उच्च आर्थिक वृद्धि चाहता है और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भारत जाएंगी, जहां भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सिद्धांतों को अंतिम रूप दिया जाएगा। मर्ज ने कहा कि एक सप्ताह पहले मैं भारत में था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य उन देशों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है जो मनमाने फैसलों के बजाय नियमों को प्राथमिकता देते हैं और संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के स्थान पर मुक्त व्यापार में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में यूरोपीय संघ नए साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मर्ज ने मेक्सिको एवं इंडोनेशिया के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिए जाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

- भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले मर्ज ने की टिप्पणी

वैश्विक आर्थिक शक्ति बना भारत

दावोस, एजेंसी

- दावोस में आयोजित सीआईआई और केपीएमजी के सत्र में भारतीय मंत्रियों ने दिए बयान

भारत ने पिछले दशक में उभरती अर्थव्यवस्था की छवि से बाहर निकल कर खुद को महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में तब्दील किया है, जिसकी नींव मजबूत वृद्धि एवं व्यापक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने यहां आयोजित एक सत्र में यह बात कही।

सीआईआई और केपीएमजी द्वारा आयोजित सत्र में नायडू ने कहा कि भारत विश्वास, पैमाने एवं नवाचार के संगम पर खड़ा है। भारत अपने स्थिर लोकतांत्रिक संस्थानों के जरिये भरोसेमंद व्यवस्था, विविधता एवं आकार के जरिये मजबूती और किफायती एवं मूल्यवर्धित समाधान देकर प्रासंगिकता प्रदान करता है। संघवी ने इस बात पर जोर दिया कि दशकों तक भारत को उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन आज की सच्चाई और है। भारत अब केवल उभरता हुआ देश नहीं रहा बल्कि वह वैश्विक वृद्धि के लिए, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए, लोकतांत्रिक स्थिरता के लिए तथा नवाचार, निरंतरता एवं समावेशी विकास के भविष्य के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहा है। नायडू ने कहा कि भारत को अब उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य बनता जा रहा है।

नायडू ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के इतर सत्र में कहा कि भारत की वर्तमान वृद्धि व्यापक है, डिजिटल रूप से सक्षम है, मजबूत अवसंरचना से समर्थित एवं समावेशी है। भारत के विकास मॉडल में बदलावों में से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण रहा है। डिजिटल पहचान, वास्तविक समय (रीयल-टाइम) में भुगतान और सहमति-आधारित डेटा साझाकरण जैसे मंचों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को विशेष लाभ प्रदान किया है।

व्यापार समझौते पर ट्रंप की टिप्पणी उत्साहजनक : वैष्णव

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के साथ अच्छा व्यापार समझौता करने के बयान पर गुरुवार को कहा कि वैश्विक व्यापार मामलों में भारत की स्थिति और गहरी भागीदारी को देखते हुए यह बेहद उत्साहजनक है। ट्रंप ने कल शाम कहा था कि अमेरिका, भारत के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करने जा रहा है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को एक बेहदतरीन व्यक्ति और अपना मित्र बताया था जिनके लिए उनके मन में बेहद सम्मान है। वैष्णव ने कहा कि व्यापार मामलों में भारत की स्थिति और गहन भागीदारी को देखते हुए, यह बेहद उत्साहजनक है। वैष्णव डब्ल्यूईएफ की बैठक के लिए आए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

डाक विभाग का लक्ष्य राजस्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि करना : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- तिमाही समीक्षा के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा- छह में से पांच क्षेत्रों के दर्ज की गई वृद्धि

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष में राजस्व में 30% की वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। डाक विभाग (डीओपी) की 2025-26 तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई जबकि अमेरिकी प्रतिबंधों से अंतर्राष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा।

सिंधिया ने कहा कि 2025-26 के लिए हमारा लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपये है, जिसका मतलब है कि हम वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपये से एक ही वित्त वर्ष में राजस्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2023-2024 में यह 12,800 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 13,240 करोड़ रुपये हुआ जो केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि है। सिंधिया ने कहा कि इसलिए, 2023-2024 से 2024-25 की तुलना में वृद्धि दर मात्र तीन प्रतिशत है। इसे हम वित्त वर्ष 2025-26 में 10 गुना कर 30 प्रतिशत करने का इरादा रखते हैं।

भू-राजनीतिक तनाव घटने से सेंसेक्स 398 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

- वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड पर राष्ट्रपति ट्रंप के नरम रुख ने बाजार को दी मजबूती
- रुपये में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को मिला समर्थन

वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नरम रुख अपनाने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहे। सेंसेक्स 398 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 132 अंकों की तेजी रही। कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला।

बीएसई का सेंसेक्स 397.74 अंक बढ़कर 82,307.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 873.55 अंक उछला था, लेकिन ऊपरी स्तर पर बिकवाली से यह उस तेजी को कायम नहीं रख सका। वहीं, एनएसई का निफ्टी 132.40 अंक बढ़कर 25,289.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, सन फार्मास्युटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इटर्नल, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.28 प्रतिशत की तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों का स्मालकैप सूचकांक 1.13 प्रतिशत चढ़ गया। क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक में सर्वाधिक 2.43 प्रतिशत की तेजी रही जबकि पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.03 प्रतिशत, औद्योगिक खंड में 1.78 प्रतिशत और जनकेंद्रित सेवा खंड में 1.57 प्रतिशत की बढ़त रही।

एशिया और यूरोप के बाजार बढ़त के साथ हुए बंद

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार मजबूत रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,787 .66 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,520 .47 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस बीच, अंतर्राष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.10 प्रतिशत गिरकर 64 .52 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को सेंसेक्स 270 .84 अंक टूटकर 81,909 .63 अंक और निफ्टी 75 अंक गिरकर 25,157 .50 अंक पर बंद हुआ था।

डायमंड पैटर्न : अनिश्चितता बढ़ने का एक सूचक

शेयर बाजार और तकनीकी विश्लेषण में चार्ट पैटर्न कीमतों की दिशा समझने का एक अहम साधन होते हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण लेकिन कम चर्चा में रहने वाला पैटर्न है डायमंड पैटर्न। डायमंड पैटर्न एक प्रभावशाली लेकिन अपेक्षाकृत दुर्लभ चार्ट पैटर्न होता है जो सही समझ, धैर्य और कन्फर्मेशन के साथ ट्रेंड रिवर्सल को पकड़ने में मददगार होता है। यह पैटर्न आमतौर पर तब बनता है जब बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के बाद अनिश्चितता बढ़ जाती है। कीमतें पहले फैलती हुई दिखती हैं और फिर धीरे-धीरे सिमटने लगती हैं, जिससे चार्ट पर हीरे (डायमंड) जैसी आकृति बनती है। यह पैटर्न अक्सर ट्रेंड के बदलाव का संकेत देता है, इसलिए ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए इसे पहचानना और समझना काफी जरूरी माना जाता है। सही तरीके से उपयोग करने पर यह पैटर्न अच्छे ट्रेडिंग अवसर दे सकता है।

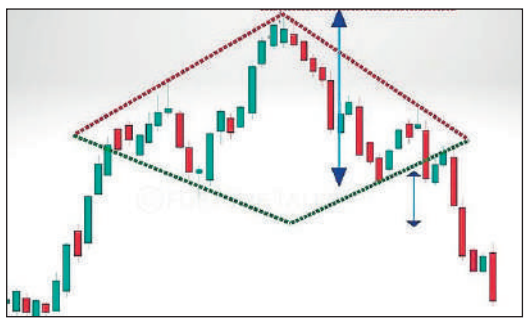

क्या है डायमंड पैटर्न

डायमंड पैटर्न एक रिवर्सल चार्ट पैटर्न है, जो मुख्य रूप से दो रूपों में पाया जाता है। पहला डायमंड टॉप और दूसरा डायमंड बॉटम होता है। डायमंड टॉप आमतौर पर तेजी (बुलिश ट्रेंड) के अंत में बनता है और गिरावट का संकेत देता है, जबकि डायमंड बॉटम मंदी (बेयरिश ट्रेंड) के बाद बनता है और तेजी की शुरुआत का संकेत देता है।

ट्रेडिंग में महत्व

डायमंड पैटर्न को सही समय पर पहचानना आसान नहीं होता, लेकिन एक बार पहचान में आ जाए तो यह मजबूत रिवर्सल सिग्नल दे सकता है। यह पैटर्न खासतौर पर स्विंग ट्रेडर्स और पोजिशनल ट्रेडर्स के लिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसमें ट्रेंड बदलने से पहले ही संकेत मिलने लगते हैं।

सीमाएं और सावधानियां

हर पैटर्न की तरह डायमंड पैटर्न भी 100% सही नहीं होता। कई बार यह फॉल्स ब्रेकआउट दे सकता है। इसलिए इसे हमेशा अन्य तकनीकी संकेतकों जैसे वॉल्यूम, RSI या सपोर्ट-रेजिस्टेंस के साथ मिलाकर देखना चाहिए।

पैटर्न की संरचना

इस पैटर्न की खासियत इसकी अनोखी बनावट है। शुरुआत में कीमतें ऊपर-नीचे ज्यादा फैलाव के साथ चलती हैं, जिससे वाइडनिंग फॉर्मेशन बनता है। इसके बाद धीरे-धीरे उतार-चढ़ाव कम होने लगता है और कीमतें सिमटने लगती हैं, जिसे कॉन्ट्रैक्टिंग फॉर्मेशन कहते हैं। इन दोनों हिस्सों को मिलाकर देखने पर चार्ट पर हीरे जैसी आकृति बनती है, जिसे डायमंड पैटर्न कहा जाता है।

ब्रेकआउट व सिग्नल

डायमंड पैटर्न में सबसे अहम भूमिका ब्रेकआउट की होती है। डायमंड टॉप में यदि कीमत नीचे की ओर सपोर्ट लाइन तोड़ती है, तो यह बिकवाली का संकेत देता है। डायमंड बॉटम में यदि कीमत ऊपर की ओर रेजिस्टेंस लाइन तोड़ती है, तो यह खरीदारी का संकेत माना जाता है। अक्सर देखा जाता है कि ब्रेकआउट के समय वॉल्यूम बढ़ता है, जो सिग्नल की विश्वसनीयता को मजबूत करता है।

10,000 करोड़ का हिस्सा बेचेंगे वॉलमार्ट, टाइगर ग्लोबल, माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे के शेयरधारक वॉलमार्ट, टाइगर ग्लोबल और माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल फाइनेंस कंपनी के आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 10,115 करोड़ की हिस्सेदारी बेचेंगे। कंपनी के अद्यतन आईपीओ दस्तावेजों से यह जानकारी मिली।

कंपनी का आईपीओ बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसलिए आईपीओ के माध्यम से कंपनी कोई अतिरिक्त पूंजी नहीं जुटाएगी। फोनपे की प्रवर्तक डब्ल्यूएम डिजिटल कॉमर्स होल्डिंग्स पीटीई कंपनी में 0.12% हिस्सेदारी यानी 45,942,496 शेयर बेचेगी। वॉलमार्ट के नियंत्रण वाली फोनपे की प्रवर्तक इकाई है। टाइगर पीआईपी 9-1 द्वारा 10,39,160 शेयर जबकि माइक्रोसॉफ्ट द्वारा 36,78,790 शेयर बिक्री पेशकश के जरिये बेचे जाएंगे। बिक्री के जरिये 10,115.87 करोड़ के शेयर की बिक्री होगी।

रोजगार-सृजन, निर्यात समर्थन को प्राथमिकता देने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक व्यापार तनाव का फिक्की ने किया सर्वे
- उद्योग प्रतिनिधियों को जीडीपी 7 से 8% रहने की उम्मीद

वैश्विक व्यापार तनावों में बढ़ोतरी के बीच आगामी बजट में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और निर्यात को मजबूत समर्थन दिए जाने की जरूरत है। फिक्की के एक सर्वेक्षण में यह बात कही गई है। उद्योग मंडल फिक्की की तरफ से गुरुवार को जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकांश उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत की आर्थिक वृद्धि संभावनाओं को लेकर भरोसा जताया है। सर्वे में शामिल आधे उद्योग प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि 2026-27 में जीडीपी की वृद्धि दर 7 से 8% के दायरे में बनी रहेगी।

80% प्रतिभागियों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मध्यम अवधि के आर्थिक बुनियादी पहलुओं पर विश्वास जताया है। यह सर्वे दिसंबर 2025 के अंत से जनवरी 2026 के मध्य किया गया था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की 100 कंपनियों ने भाग लिया। फिक्की ने कहा कि बढ़ते वैश्विक व्यापार तनाव, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं के कारण उद्योग जगत को बजट से निर्यात समर्थन की स्पष्ट अपेक्षा है। निर्यात प्रदर्शन को मजबूत करने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में बेहतर एकीकरण के लिए प्रतिभागियों ने व्यापार सुविधा और सीमा-शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने, लॉजिस्टिक एवं बंदरगाह संबंधी अड़चनों को कम करने और निर्यात प्रोत्साहन एवं रिफंड व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

गैर-शुल्क बाधाओं के तौर पर यूरोपीय संघ के सीबीएएम और वन-कटौती नियमों का उल्लेख किया गया है। सीबीएएम व्यवस्था के तहत इस्पात, एल्युमीनियम और सीमेंट जैसे उत्पादों के उत्पादन में होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर शुल्क लगाया जाता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए आरओडीटीईपी योजना के तहत आवंटन बढ़ाने, विशेष आर्थिक क्षेत्र नीति में सुधार और सीमा-शुल्क करों को युक्तिसंगत बनाए जाने की भी मांग की।

प्रौद्योगिकी भविष्य की सफलता के भरोसे पर टिकी : नैसकॉम

नई दिल्ली, एजेंसी

- डिजिटल समस्याओं से निपटने के लिए एआई के लिए संतुलित दृष्टिकोण को अपना रहा भारत

नैसकॉम के सार्वजनिक नीति उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि भारत अपनी बड़ी एवं विविध आबादी को देखते हुए डीपफेक, डिजिटल धोखाधड़ी और उपयोगकर्ताओं को पेश होने वाली समस्याओं से निपटने को कृत्रिम मेधा (एआई) के कामकाज को लेकर संतुलित एवं चरणबद्ध दृष्टिकोण अपना रहा है। प्रौद्योगिकी उद्योग की भविष्य की सफलता की नींव, भरोसे पर ही टिकी होगी।

प्रौद्योगिकी को सशक्त माध्यम बताते हुए अग्रवाल ने कहा कि एआई का उपयोग इसके कारण उत्पन्न होने वाली कई तरह की समस्याओं को कम करने और रोकने के लिए भी किया जा सकता है। उपयोगकर्ताओं को नुकसान के बाद प्रतिक्रिया देने वाले विनियमन के बजाय अब प्रौद्योगिकी-आधारित सुरक्षा सीमाएं (टेक्नोलॉजी-लेड गार्डरेल्स) तय करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। चाहे वह डीपफेक हों या अन्य समस्याएं जो लगातार तेजी से बढ़ रही हैं, खासतौर पर वित्तीय धोखाधड़ी एवं डिजिटल गिरफ्तारी जैसे मामले...। इसलिए इन सभी मुद्दों का प्रभावी ढंग से समाधान करना बेहद जरूरी है।

अग्रवाल ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रस्तावित एआई ढांचे एवं भारतीय रिजर्व बैंक के एआई अपनाने को बढ़ावा देने के समग्र दृष्टिकोण संबंधी रिपोर्ट सहित हालिया घटनाक्रमों का उल्लेख किया और एआई के कामकाज को लेकर सरकार के समग्र सरकारी दृष्टिकोण (होल-ऑफ-गवर्नमेंट अप्रोच) की सराहना की।

बजट से उम्मीद | स्वास्थ्य उद्योग के अनुसार, विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए उन्नत अनुसंधान जरूरी, 2047 तक 500 अरब डॉलर की महत्वाकांक्षा

औषधि, चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नवाचार के लिए वित्तपोषण जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

स्वास्थ्य उद्योग ने आगामी बजट में देश में नवाचार और शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए व्यवस्थित वित्तपोषण ढांचे की मांग की है। उद्योग का मानना है कि विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए इन क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान जरूरी है।

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी ने कहा कि फार्मा उद्योग अब मात्रा के बजाय गुणवत्ता एवं मूल्य-आधारित वृद्धि की तरफ बढ़ रहा है। यह क्षेत्र 2047 तक 500 अरब डॉलर का उद्योग बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे में बजट 2026 से मुख्य उम्मीद नवाचार और आरएंडडी को मजबूत करने को व्यवस्थित वित्तपोषण ढांचा तैयार करने की है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रमुख निकाय मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमताई) ने कहा कि ऐसे समय में जब गैर-संक्रामक बीमारियां, कैंसर, ट्रॉमा और गहन चिकित्सा की जरूरतें भारत में बीमारियों के बोझ का बड़ा हिस्सा हैं, यह बजट सरकार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे, रोकथाम और टेक्नोलॉजी-आधारित देखभाल में और अधिक निवेश करने का एक अहम मौका है। एमताई के चेयरमैन पवन चौधरी ने कहा कि इस बजट में इन जरूरी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य हर भारतीय के लिए सुलभ और सस्ता हो सके।

वहीं, पॉली मेडिक्योर के प्रबंध निदेशक हिमांशु बैद ने कहा कि चिकित्सा-प्रौद्योगिकी (मेडटेक) क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने को लागत कम करने और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियों की जरूरत है। कर ढांचे में सुधार के साथ इस क्षेत्र को अनुसंधान और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश की जरूरत है। बजट में 1,000 करोड़ का मेडटेक रिसर्च फंड बनाने से स्वदेशी उत्पादों के विकास और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी तैयार उत्पादों पर 5% और कच्चे माल पर 18% जीएसटी से उल्टा शुल्क ढांचा बन गया है।

आवास ऋण पर ब्याज छूट बढ़ाकर पांच लाख करे सरकार : नारेडको

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनियों के निकाय नारेडको ने गुरुवार को आगामी बजट में आवास ऋण पर ब्याज कटौती की सीमा को मौजूदा दो लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने और रियल एस्टेट क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने की मांग रखी। नेशनल रियल एस्टेट डवेलपमेंट काउंसिल (नारेडको) ने किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव की मांग करते हुए कहा कि अब 90 लाख तक की कीमत वाले घरों को किफायती आवास माना जाना चाहिए, जिसकी मौजूदा सीमा 45 लाख है। बजट से पहले नारेडको ने यह मांग रखी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को बजट पेश करेंगी। नारेडको के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि केंद्र सरकार ने रियल एस्टेट क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कई उपाय किए हैं, लेकिन किफायती आवास क्षेत्र के लिए और अधिक काम करने की आवश्यकता है। हमें सभी के लिए आवास सुनिश्चित करना होगा। आवास को अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के समान महत्व मिलना चाहिए। हीरानंदानी ने सुझाव दिया कि सरकार को किफायती और मध्यम आय वर्ग के आवासों के लिए खाली पड़ी जमीन का उपयोग करना चाहिए।

नैसकॉम ने की क्लाउड कर में स्पष्टता ईएसओपी कर स्थगन की मांग

नई दिल्ली। उद्योग जगत की संस्था नैसकॉम को बजट में कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत कर स्थगन का लाभ अधिक स्टार्टअप को देने और भारतीय डेटा केंद्रों के विदेशी क्लाउड उपयोग की कर संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए उचित स्पष्टीकरण लाने की उम्मीद है। इस संगठन में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियां सहित प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विभिन्न दिग्गज शामिल हैं। साथ ही, उसने विलय या समामेलन की स्थिति में संचित घाटे एवं अप्रयुक्त अवमूल्यन के कैरी-फॉरवर्ड और समायोजन (सेट-ऑफ) से जुड़े लाभों को सभी कंपनियों तक उनके व्यवसाय की प्रकृति की परवाह किए बिना विस्तारित करने का भी प्रस्ताव रखा है। अन्य सुझावों में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) पुनर्निवेश आरक्षित कोष के पात्र उपयोग के दायरे का विस्तार करना भी शामिल है ताकि इसमें पट्टे पर ली गई प्रौद्योगिकी परिसंपत्तियां, क्लाउड अवसंरचना, सॉफ्टवेयर सब्सक्रिप्शन, इंटीरियर, सुविधाएं एवं अधिकृत एसईजेड परिचालनों से जुड़े नए कर्मचारियों की भर्ती तथा प्रशिक्षण पर होने वाला व्यय भी शामिल किया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

फ्रांस की नौसेना ने रूस से आ रहे तेल टैंकर को भूमध्य सागर में रोका

पेरिस। फ्रांस की नौसेना ने ब्रिटेन से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर बृहस्पतिवार को भूमध्य सागर में रूस से आ रहे एक तेल टैंकर को रोक लिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित रूसी गुप्त बेड़े को निशाना बनाने के उद्देश्य से की गई। भूमध्य सागर में तैनात फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि ग्रिंच नामक जहाज पर फर्जी झंडा लगाकर संचालन करने का संदेह है। बयान में कहा गया है कि फ्रांसीसी नौसेना आगे की जांच के लिए टैंकर को बंदरगाह तक ले जा रही है।

बांग्लादेश: पहले आम चुनाव के लिए शुरू हुआ प्रचार, रैलियां हुईं

ढाका। बांग्लादेश में 2024 के जन आंदोलन और लंबे समय से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद 12 फरवरी को होने जा रहे पहले राष्ट्रीय चुनाव के लिए बृहस्पतिवार से प्रचार अभियान शुरू हो गया। प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव से पहले राजधानी ढाका समेत कई शहरों में रैलियां आयोजित कीं। बांग्लादेश के इतिहास में सबसे अहम माना जा रहा यह चुनाव अंतरिम सरकार करा रही है और इसमें मतदाता प्रस्तावित राजनीतिक सुधारों पर भी फैसला करेंगे।

नेपाल में हिंसा की जांच कर रहे आयोग का कार्यकाल बढ़ा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने बृहस्पतिवार को उस आयोग का कार्यकाल 20 दिन के लिए बढ़ा दिया जो जेन जी आंदोलन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग की जांच कर रहा है। गृह मंत्री एवं सरकारी प्रवक्ता ओम प्रकाश आर्यल ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। गृह मंत्रालय के अनुरोध पर दूसरी बार आयोग के कार्यकाल की समय सीमा बढ़ाई गई है, क्योंकि आयोग ने शुरू में दी गई तीन महीने की समय सीमा के बावजूद अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं सौंपी है। आयोग का पिछला कार्यकाल बृहस्पतिवार को समाप्त हो रहा है।

भारत-अमेरिका मादक पदार्थरोधी सहयोग की क्वात्रा ने समीक्षा की

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मादक पदार्थों के खिलाफ द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए प्रभावी प्रवर्तन और मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय दूतावास इस मौके पर क्वात्रा के साथ अमेरिका के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति कार्यालय की निदेशक सारा कार्टर भी मौजूद थीं।

तकनीकी खामी से दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र बंद

टोक्यो, एजेंसी

- फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद कुछ ही घंटे पहले हुआ था शुरू

दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बृहस्पतिवार को फिर से बंद कर दिया गया। यह कदम 2011 के फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद पहली बार संचालन फिर शुरू होने के महज कुछ घंटों बाद उठाया गया। उत्तर-मध्य जापान में स्थित काशिवाजाकी-कारिवा परमाणु संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर को कंट्रोल रॉड्स में तकनीकी खामी के कारण बंद करना पड़ा।

इसके संचालक टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स के अनुसार, कंट्रोल रॉड्स रिएक्टर को सुरक्षित रूप से शुरू करने और बंद करने के लिए बेहद अहम होते हैं। तेप्को ने कहा कि इस तकनीकी खराबी से कोई सुरक्षा समस्या नहीं है और कंपनी स्थिति की जांच कर रही है। फिलहाल यह पता नहीं है कि रिएक्टर को फिर से चालू करने की प्रक्रिया कब से शुरू होगी। काशीवाजाकी-कारिवा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर के काम दोबारा शुरू करने पर सबकी नजरें थीं क्योंकि तेप्को वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी देखती है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु संयंत्र के सभी सात रिएक्टर मार्च 2011 में फुकुशिमा दाइची संयंत्र में भीषण भूकंप और सुनामी आने के एक साल बाद से बंद पड़े हैं।

भारत के लिए नई चुनौतियों का वर्ष

डोनाल्ड ट्रंप का एक साल

अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के पहले ही साल में डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। इस कार्यकाल में टैरिफ को तमाम देशों के खिलाफ अपना प्रमुख रणनीतिक हथियार बनाने के साथ उन पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश की है, जिससे लगभग पूरी दुनिया जूझ रही है। भारत के लिहाज से भी ट्रंप के फैसले और अमेरिका फर्स्ट की नीति नई चुनौतियां खड़ी करने वाली रही है और भारत को उनसे पार पाने के लिए अपनी आर्थिक और रणनीतिक नीतियों में कई बदलाव करने पड़े हैं। भारत के लिए राहत की बात बस इतनी है कि रणनीतिक सहयोग में निरंतरता जारी है। निष्कर्ष की बात करें तो भारत और अमेरिका के संबंध अब लेनदेन आधारित और यथार्थवादी हो गए हैं। ट्रंप ने दिखाया है कि ये संबंध अब भावनात्मक मित्रता के बजाय व्यावहारिकता पर आधारित रहेंगे।

भारत पर 50% टैरिफ का असर

- भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्र कपड़ा, रत्न-आभूषण, चमड़ा और समुद्री उत्पादों जैसे श्रमकेंद्रित क्षेत्रों पर बेतहाशा मार पड़ी है, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो गई है।
- विकास दर में गिरावट, अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि उच्च टैरिफ के कारण भारत की जीडीपी विकास दर में 0.3% से 0.5% तक की गिरावट आ सकती है।
- उत्पादन में कटौती, तिरुपुर जैसे कपड़ा केंद्रों में उत्पादन में 30% तक की कमी दर्ज की गई है, क्योंकि अमेरिकी खरीदार अब सस्ते विकल्प तलाश कर रहे हैं।
- शेयर बाजार में अस्थिरता, टैरिफ नीतियों के कारण विप्रो, रिलायंस और प्रमुख बैंकों के शेयरों में गिरावट देखी गई है, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगाया है।

वीजा-आव्रजन नीतियों के नतीजे

- एच- 1 बी वीजा के लिए 100,000 डॉलर यानी करीब 84 लाख रुपये का एकमुश्त शुल्क प्रस्तावित, अमेरिकी कंपनियों भारतीयों को नौकरी मिलना मुश्किल।
- सितंबर 2025 में ट्रंप प्रशासन के एक आदेश के तहत 100,000 डॉलर का अतिरिक्त भुगतान न करने वाले नए एच- 1 बी आवेदकों के प्रवेश पर कड़े प्रतिबंध लागू।
- वीजा सख्ती और भविष्य में नौकरी की अनिश्चितता के कारण अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के दाखिले में लगभग 75 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- वर्ष 2025 में अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के निर्वासन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई, जिसमें नवंबर तक लगभग 3,250 भारतीयों को वापस भेजा गया।

- ट्रंप ने डेड इकोनॉमी व टफ नेगोशिएटर कहकर भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की हैं

पाकिस्तान से नजदीकियां

- ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान को 686 मिलियन डॉलर की एफ-16 डील दी है जिससे दक्षिण एशिया में सैन्य संतुलन प्रभावित होने की आशंका है।
- ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाकर भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लागू कर दिया, लेकिन पाकिस्तानी सामान पर टैरिफ घटाकर 19% कर दिया गया।
- पाकिस्तान को ऑपरेशनल पार्टनर बनाने और गाजा शांति योजना में शामिल करने से अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी में दरार आई है।

भारत के उपाय

- बाजार विविधीकरण की नीति के तहत भारतीय निर्यातकों ने अन्य वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शुरू कर दिया है।
- अमेरिका के बदले रुख के जवाब में भारत ने चीन और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की पहल।
- जीएसटी को सरल बनाकर और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाकर उद्योगों को टैरिफ के झटकों से बचाने का प्रयास।

ट्रंप की गाजा पर बोर्ड ऑफ पीस की पहल में शामिल नहीं हुआ भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को भेजा गया था आमंत्रण

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में स्थाई शांति स्थापित करने और संभवतः वैश्विक संघर्षों का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए प्रस्तावित बोर्ड ऑफ पीस का बृहस्पतिवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में औपचारिक रूप से अनावरण किया। भारत इस मौके पर अनुपस्थित रहा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई और वैश्विक नेताओं के साथ बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भारत के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी और कई और प्रमुख देश भी न्योते के बावजूद शांति बोर्ड के अनावरण समारोह में नहीं पहुंचे। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस स्थित पहाड़ी रिसॉर्ट में आयोजित वार्षिक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से अलग इस समारोह की मेजबानी की। ट्रंप ने अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इस बोर्ड को दुनिया के लिए एक बेहद अनोखी पहल बताया। उन्होंने बोर्ड के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में कहा, यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर न सिर्फ पश्चिम एशिया बल्कि अन्य जगहों पर भी युद्धों को सुलझाने में मदद कर सकता है।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ किस प्रकार सहयोग करेगा।

दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस का अनावरण किया।

बोर्ड में शामिल होने पर अभी कोई फैसला भी नहीं

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों का प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के निमंत्रण के बारे में कहना है कि भारत ने अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि भारत इसके विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहा है क्योंकि इसमें कई संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। भारत फिलिस्तीन मुद्दे के लिए 'दोराष्ट्र समाधान' पर जोर दे रहा है, जिसमें इजराइल और फिलिस्तीन मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति के साथ रहें।

- **ये देश शामिल :** बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने वाले देशों में अर्जेंटीना, अर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई), सऊदी अरब और वियतनाम शामिल हैं।
- **नहीं दिया जवाब :** जर्मनी, इटली, पैराग्वे, रूस, स्लोवेनिया, तुर्किये और यूक्रेन सहित कई देशों ने निमंत्रण के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है।

अमेरिका पहले ही घोषणा कर चुका है कि शांति बोर्ड गाजा के संघर्ष से शांति और विकास की ओर संक्रमण के दौरान रणनीतिक निगरानी प्रदान करने, अंतरराष्ट्रीय संसाधनों को जुटाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की ट्रंप की 20 सूत्री योजना को पूरा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाएगा। ट्रंप की योजना में गाजा को एक आतंकवादमुक्त क्षेत्र बनाना शामिल है जो पड़ोसियों के लिए कोई खतरा पैदा न करे और इसे गाजा पट्टी के लोगों के लिए पुनर्विसित किया जाए। व्हाइट हाउस ने पिछले सप्ताह शांति बोर्ड को साकार करने के लिए संस्थापक कार्यकारी बोर्ड के गठन की घोषणा की। कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, पश्चिम एशिया मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, व्यवसायी और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा को शामिल किया गया है।

अटकलें: संयुक्त राष्ट्र के समानांतर संगठन खड़ा करने की कोशिश तो नहीं

ट्रंप के शांति बोर्ड को अमेरिका की ओर से गाजा और उसके बाहर शांति और स्थिरता लाने के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय निकाय के रूप में पेश किया जा रहा है। इस पहल से अटकलें लगाई जा रही हैं कि शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के प्रतिद्वंद्वी निकाय के तौर पर उभर सकता है। मूल रूप से इस शांति बोर्ड को गाजा के पुनर्निर्माण के लिए शासन की देखरेख करने और धन के समन्वय का कार्य सौंपा जाना था, जो इजराइल की सेना की दो वर्ष तक चली कार्रवाई के दौरान तबाह हो गया है। बोर्ड के घोषणापत्र में भी कहा गया है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो संघर्ष से प्रभावित या खतरे में पड़े क्षेत्रों में स्थिरता को बढ़ावा देने, विश्वसनीय और वैध शासन को बहाल करने और स्थाई शांति का प्रयास करेगा। यह भी कहा गया है कि स्थाई शांति के लिए व्यावहारिक निर्णय, सामान्य ज्ञान पर आधारित समाधान और उन दृष्टिकोणों और संस्थानों से अलग होने का साहस आवश्यक है जो अक्सर विफल रहे हैं।

बोर्ड ऑफ पीस को एक अरब डॉलर देंगे पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीस ऑफ बोर्ड एक अरब अमेरिकी डॉलर दान करने की घोषणा करते हुए कहा है कि बोर्ड में शामिल होने के बारे में फैसला वह अपने रणनीतिक साझेदारों से परामर्श के बाद ही लेंगे। पुतिन ने जोर दिया कि पूरी प्रक्रिया फिलिस्तीन-इजराइली संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली होने के साथ संयुक्त राष्ट्र के निर्णयों के आधार पर होनी चाहिए।

संप्रभुता पर समझौता नहीं : डेनमार्क

कोपनहेगन, एजेंसी

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा है कि उनका देश अपनी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं कर सकता। यह टिप्पणी फ्रेडरिक्सन ने तब की जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रूट के साथ आर्कटिक सुरक्षा पर भविष्य के समझौते का ढांचा तय करने पर सहमति व्यक्त की है और इससे अमेरिका को जरूरत के मुताबिक ग्रीनलैंड तक सैन्य पहुंच मिल जाएगी।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का दबाव बनाने के लिए आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की धमकी को बुधवार को वापस ले लिया। ग्रीनलैंड नाटो सहयोगी डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इससे कुछ समय पहले ट्रंप ने कहा था कि वह द्वीप को पूरे अधिकार, स्वामित्व और कब्जे सहित प्राप्त करना चाहते हैं। संभावित करार को लेकर बृहस्पतिवार को भी स्थिति बहुत अस्पष्ट रही। हालांकि ट्रंप ने

- प्रधानमंत्री मेटा फ्रेडरिक्शन ने ट्रंप को फिर दिया दो टूक जवाब
- ट्रंप ने किया था नाटो प्रमुख के साथ समझौते का दावा

फॉक्स बिजनेस को दिए साक्षात्कार में कहा कि हमें ग्रीनलैंड तक वह सारी सैन्य पहुंच मिलेगी जो हम चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि यदि समझौता पूरा हो जाता है, तो अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली गोल्डन डोम को स्थापित करने की अनुमति मिल जाएगी।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्कटिक में सुरक्षा नाटो के सभी सदस्यों का मामला है और अमेरिकी राष्ट्रपति और रुट के बीच इस पर चर्चा होना स्वाभाविक और उचित है। फ्रेडरिक्सन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने रुट से लगातार बातचीत की है, जिसमें दावोस में ट्रंप से मुलाकात से पहले और बाद की बातचीत भी शामिल है। उन्होंने लिखा कि नाटो डेनमार्क साम्राज्य की इस स्थिति से पूरी तरह अवगत है कि सुरक्षा, निवेश और आर्थिक मुद्दों सहित किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर बातचीत की जा सकती है लेकिन हम अपनी संप्रभुता पर बातचीत नहीं कर सकते।

सिर्फ डेनमार्क और ग्रीनलैंड लेंगे फैसला

नाटो प्रमुख मार्क रुट के साथ ट्रंप की वार्ता पर टिप्पणी करते हुए डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैंड से संबंधित मुद्दों पर निर्णय केवल डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही ले सकते हैं। फ्रेडरिक्सन ने कहा कि डेनमार्क आर्कटिक में सुरक्षा को मजबूत करने के तरीकों पर सहयोगियों के साथ रचनात्मक संवाद जारी रखना चाहता है, जिसमें अमेरिकी गोल्डन डोम कार्यक्रम भी शामिल है, बशर्ते कि यह हमारी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए किया जाए। डेनमार्क ने कहा है कि अमेरिका की पहले ही ग्रीनलैंड में सैन्य उपस्थिति है और वह अपने सैन्य अड्डों का विस्तार कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर अंधाधुंध गोलीबारी, तीन की मौत के बाद पूरे शहर में लॉकडाउन

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में गुरुवार शाम अंधाधुंध गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सिडनी से लगभग 611 किमी पश्चिम में स्थित कस्बे लेक कारजेलिगो में हुई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। हमलावर का पता न लगने के कारण सुरक्षा कारणों से कस्बे में 'लॉकडाउन' जैसी स्थिति है। लोगों को सख्ती से घरों के भीतर रहने की हिदायत दी गई है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस के अनुसार घटना दोपहर शुरू हुई, जब वाकर स्ट्रीट के पास गोलियां चलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को एक वाहन के भीतर एक पुरुष और महिला के शव मिले। इसके कुछ ही देर बाद, एक अन्य स्थान पर हुई दूसरी गोलीबारी में एक और महिला की मौत हो गई, एक पुरुष गंभीर घायल पाया गया। घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने हमलावर की पहचान कर ली है और उसे पकड़ने के लिए सिडनी से विशेष 'टैक्टिकल ऑपरेशंस यूनिट' के कमांडो विमान से मौके पर भेजे गए

- हमलावर फरार, पुलिस ने लोगों को दी घरों में रहने की हिदायत

अल्बनीज ने बोंडी बीच हमले पर माफी मांगी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बोंडी बीच पर दिसंबर में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों की सुरक्षा नहीं कर पाने के लिए माफी मांगी है। अल्बनीज ने हमले के 15 पीड़ितों के लिए सिडनी ओपेरा हाउस में एक स्मारक सेवा को संबोधित करते हुए 14 दिसंबर को प्रतिष्ठित बीच पर हनुक्का कार्यक्रम को निशाना बनाकर की गई सामूहिक गोलीबारी के जवाब में यहूदी ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे दुख है कि हम आपके प्रियजनों को नहीं बचा सके।

सिंगापुर में ट्री लेडी के नाम से मशहूर कीर्तिदा का निधन

सिंगापुर। कर्नाटक से आकर सिंगापुर में पर्यावरण के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनी कीर्तिदा मेकानी का 66 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से निधन हो गया। प्यार से 'ट्री लेडी' कहलाने वाली कीर्तिदा मेकानी के अचानक निधन से सिंगापुर के पर्यावरण, कला और नागरिक समुदायों को झटका लगा है।

सिंगापुर के ऑनलाइन टैब्लॉइड 'टब्ला' के अनुसार, पर्यावरण की दिशा में कार्य करने के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित और 2024 में 'सिंगापुर विमेंस हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल कीर्तिदा मेकानी की विरासत

इस द्वीप के हरित क्षेत्रों, उद्यानों, शैक्षिक संस्थानों और सांस्कृतिक स्थलों में बसी हुई है। जब वह 1990 में अपने पति भरत मेकानी के साथ सिंगापुर आईं, तो उन्हें चांगी हवाई अड्डे से शहर तक के रास्ते में सड़क किनारे की हरियाली ने प्रभावित किया। मेकानी 1993 में 'सिंगापुर एनवायरनमेंट काउंसिल' की संस्थापक कार्यकारी निदेशक बनीं।

भारत ने यूएन में की अफ्रीका-एशिया प्रशांत की पैरवी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समयबद्ध सुधारों को लागू करने में हो रही देरी के प्रति आगाह करते हुए सुझाव दिया है कि अफ्रीका एवं एशिया प्रशांत को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के लिए स्थाई तथा अस्थाई सीटों की संख्या बढ़ाकर 15 से 25 की जानी चाहिए । संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने बुधवार को जी-4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) की ओर से बयान देते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद में उन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए जिनका प्रतिनिधित्व नहीं है या बहुत कम है।

- पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए सुरक्षा परिषद में 15 से बढ़ाकर 25 सदस्य करने की मांग

हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद में छह नए स्थाई सदस्य होने चाहिए, दो अफ्रीकी क्षेत्र, दो एशिया प्रशांत, एक लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों के समूह (ग्रुलैक) और एक पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह (विओग) से। साथ ही चार या पांच अतिरिक्त अस्थाई सदस्य होने चाहिए, एक या दो अफ्रीका, एक एशिया प्रशांत, और एक-एक ग्रुलैक और पूर्वी यूरोपीय समूह (ईईजी) से। गौरतलब है कि ग्रुलैक 33 मध्य अमेरिकी और कैरिबियाई देशों का एक क्षेत्रीय समूह है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के भीतर मानवाधिकार, पर्यावरण और सतत विकास जैसे वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति और संवाद के लिए काम करता है। विओग 28 पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों का समूह है। इस समूह में अधिकांश पश्चिमी यूरोप के देश हैं, लेकिन उत्तरी अमेरिका, पूर्वी भूमध्यसागर और ओशिनिया के देश भी शामिल हैं।

अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है पूरी दुनिया

भारतीय राजदूत कहा कि दुनिया अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है। लगभग हर दिन अलग-अलग तरह की चुनौतियां उभर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसी सार्वभौमिक बहुपक्षीय संगठन भी इसका अपवाद नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। दुनिया भर में भीषण संघर्षों को सार्थक रूप से संबोधित करने में संयुक्त राष्ट्र की सीमाएं इस स्थिति का एक प्रमुख कारण हैं, हालांकि यह बहुत व्यापक शक्ति समीकरणों का हिस्सा है। हरीश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र की कमियां स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रभावशीलता की कमी से जुड़ी हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 24 जनवरी 01.46 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

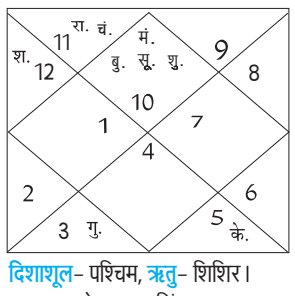

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 14.33 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज मन किसी पुरानी बुरी घटना को लेकर अशांत हो सकता है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ऑनलाइन कारोबार में नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपमानित होना पड़ सकता है।

वृष — आज सिनेमा में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। बच्चों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आप सभी काम बेहतरीन तरीके से कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन — आज नौकरीपेशा लोग अतिरिक्त आय के लिए कुछ नए स्रोत खोज सकते हैं। आप कुछ नया और रचनात्मक कार्य करने को प्रेरित होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों को आज पार्टी दे सकते हैं। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिता सकते हैं।

कर्क — आज उच्च अधिकारी आपकी पदोन्नति की घोषणा कर सकते हैं। धीमे चल रहे निर्माण कार्यों में गति आएगी। जॉब में आपके काम की प्रशंसा होगी। यदि किसी मीटिंग के लिए जा रहे हैं, तो परिणाम आपके पक्ष में हो सकते हैं।

सिंह — आज आपको नया काम भी शुरू करने से बचना चाहिए। आपको मेहनत का उचित परिणाम नहीं मिलेगा। कार्यक्षेत्र में लोग आपका उपहास करने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपको इन सब पर ध्यान न देते हुए केवल काम पर ध्यान देना है।

कन्या — आज का दिन उच्च पदस्थ लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत एकाग्र रहेंगे। कारोबारी यात्रा करनी पड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी नई परियोजना को लेकर चर्चा कर सकते हैं।

तुला — आज आप आराम करना पसंद करेंगे। मन में किसी अप्रिय खबर की आशंका रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना चाहिए। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ मीठी नोक-झोंक हो सकती है। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपकी व्यस्तता बढ़ने वाली है। दूसरों पर अपने काम को लेकर अधिक निर्भर न रहें। इसके बावजूद आप दूसरों की सहायता को तत्पर रहेंगे, लेकिन अपनी क्षमता से अधिक किसी की सहायता न करें।

धनु — आज का दिन कुछ अजीबोगरीब रहने वाला है। राजनीति और परनिंदा आदि से दूर रहें। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। आपके विरोधी मित्रता दिखाने का प्रयास करेंगे, किंतु कोई अपना व्यक्ति छल-कपट का व्यवहार करने का प्रयास करेगा।

मकर — आज नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर हावी न होने दें। अनुभवी व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही आपको अच्छा परिणाम मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपसे अत्यंत प्रभावित रहेंगे।

कुंभ — आज साझेदारी से जुड़े हुए कार्यों में उत्तम सफलता मिलेगी, लेकिन आपको पारदर्शिता अवश्य रखनी पड़ेगी। जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। घर में कुछ पार्टी जैसा माहौल रहेगा। लोग आपको अत्यधिक सम्मान देंगे।

मीन — आज व्यापारिक संबंधों का अच्छा लाभ उठाएंगे। आय के स्रोत काफी अच्छे रहेंगे। धार्मिक कार्यों में आपका मन लगा रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी बड़े प्रोग्राम में जुड़ने का अवसर मिलेगा।

सुडोकू-40

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

							2	
4		3		6	1		8	
5		7	8	2				9
		9			5		1	
	5		3		8		7	
	8		4			5		
8				5	2	1		3
	6		7	3		4		8
	3							

सुडोकू - 39 का हल

5	3	2	4	8	6	1	7	9
7	8	9	1	2	5	3	4	6
6	1	4	9	3	7	8	5	2
8	9	3	6	4	2	5	1	7
4	6	5	7	1	8	9	2	3
1	2	7	3	5	9	4	6	8
9	5	8	2	6	4	7	3	1
2	7	1	5	9	3	6	8	4
3	4	6	8	7	1	2	9	5

विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भारत भी कमाल करेगा। वह दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं। उनका आत्मविश्वास का स्तर शिखर पर है।
-रवि शास्त्री

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार ,23 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

स्थिति सामान्य होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने इस प्रचलित धारणा को खारिज कर दिया है कि टीम चयन में उनके पास असीमित अधिकार हैं और कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा उनकी भूमिका को प्रधानमंत्री के बाद सबसे मुश्किल काम बताने के बाद खुद को अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ा किए जाने पर उन्होंने हैरानी जताई है। क्रिकेट के शौकीन थरूर ने नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले गंभीर के साथ एक सेल्फी साझा की और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज की लगातार आलोचनाओं के बावजूद अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उनकी प्रशंसा व्यक्त की। गंभीर ने कहा जब मामला शांत हो जाएगा तब कोच के कथित 'असीमित अधिकार' को लेकर सच्चाई स्पष्ट हो जाएंगे।

डी गुकेश ने वान गुयेन को हराया

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लगातार चार ड्रॉ मुकाबलों के बाद टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराकर पहली जीत दर्ज की जबकि अर्जुन एरिगैसी को स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के हाथों चौंकाने वाली हार झेलनी पड़ी। एरिगैसी ने इस हार के कारण अपनी संयुक्त बढ़त गंवा दी।

सचिन तेंदुलकर ने साइना की तारीफ की

नई दिल्ली। महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने पूर्व विश्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की तारीफ करते हुए कहा कि आपका करियर इस बात का प्रमाण है कि महानता समय के साथ बनती है और उसकी विरासत केवल पदकों तक सीमित नहीं है। साइना ने पिछले दो साल से घुटने की चोट से परेशान रहने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन से संन्यास की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि उनका शरीर अब उच्च स्तरीय खेल की जरूरतों को सहन नहीं कर सकता।

फिनिशर की भूमिका में खरे उतरे टीम से अंदर-बाहर होने वाले रिंकू

रायपुर, एजेंसी

रिंकू सिंह को भले ही भारतीय टीम की तरफ से खेलने के बहुत कम मौके मिल रहे हों लेकिन जब भी उन्हें अवसर मिलता है तब उन्होंने डेथ ओवरों में अपना खास प्रभाव छोड़ा जिसकी एक बानगी नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान देखने को मिली। सितंबर में एशिया कप में एकमात्र गेंद पर चौका लगाकर जीत दिलाने के बाद रिंकू ऑस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला के अधिकतर मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे। जिस एकमात्र मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिली उसमें उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले रिंकू ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच आठ नवंबर को ब्रिस्बेन में खेला था। नागपुर में उन्होंने हालांकि केवल 20 गेंदों पर 44 रन बनाकर मैच का रुख बदलने वाली पारी खेली। कामचलाऊ गेंदबाज डैरिल मिचेल के पारी 20वें ओवर में उन्होंने दो छक्के और एक चौका लगाया जिससे भारत सात विकेट पर 238 रन बनाने में सफल रहा। इससे पहले शुभमन गिल के शीर्ष क्रम में होने से रिंकू के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल हो गया था। अब गिल के टीम से बाहर होने के बाद रिंकू को अंतिम एकादश में जगह मिली।

इससे टीम प्रबंधन विकेटकीपर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में अधिक समय दे सकता है, क्योंकि निचले क्रम में रिंकू और हार्दिक पंड्या जैसे अच्छे फिनिशर मौजूद हैं। रिंकू की सबसे उल्लेखनीय क्षमता यह है कि वह खासकर तेज गेंदबाजों के खिलाफ पहली ही गेंद से लय हासिल कर लेते हैं। पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रिंकू को विश्व कप की टीम में शामिल करने के बारे में अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम सभी हार्दिक की फिनिशर के रूप में असाधारण क्षमता से अवगत हैं। अब जब संजू सैमसन शीर्ष क्रम पर जमे हुए हैं और ईशान किशन विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में वापस आ गए हैं, तो क्या बचा है। उन्होंने कहा आखिरी ओवरों में हार्दिक के साथ एक फिनिशर की जरूरत होती है। रिंकू से बेहतर यह कौन कर सकता है जितेश शर्मा स्पिनरों के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन तेज गेंदबाजी और पारी के आखिर में रिंकू के आंकड़े और रिकॉर्ड शानदार हैं। इसलिए टीम ने उन्हें मौका दिया। रिंकू ने बुधवार को भी हमेशा की तरह शांत और सहजता से बल्लेबाजी की। रिंकू ने कहा, टीम में मैं अंदर बाहर होता रहा हूं और इसलिए मुझ पर दबाव था। मेरी रणनीति एक या दो रन लेना और बीच-बीच में बाउंड्री लगाना था। इसके अलावा मैं आखिर तक टिके रहना चाहता था और मैंने वही किया। यहां तक कि जब अर्शदीप सिंह ने अंतिम ओवर से पहले वाले ओवर में तीन डॉट बॉल खेलीं, तब भी रिंकू ने दूसरे छोर पर निराशा नहीं दिखाई। वह जानते थे कि वह इसकी भरपाई अंतिम ओवर में कर सकते हैं। अगले महीने होने वाले विश्व कप में रिंकू का फिनिशर का कौशल भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा।

चौंकाने वाले हैं आंकड़े

रिंकू के 19वें और 20वें ओवर में आंकड़े चौंका देने वाले हैं। रिंकू ने 36 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 19वें और 20वें ओवर में 74 गेंदों पर 213 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 287 .83 रहा है। उन्होंने मैच के इस निर्णायक मोड़ पर 22 छक्के जड़े हैं। एक फिनिशर के रूप में उनकी दक्षता को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके करियर के 35 प्रतिशत से अधिक रन पारी के अंतिम दो ओवरों में आए हैं।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टी-20 टीम

सैमसन और किशन पर रहेगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

रायपुर, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से भरी भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी, जिसमें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन की भूमिका पर निगाह टिकी रहेगी।

वनडे श्रृंखला में हारने के बाद भारत ने नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 48 रनों से शानदार जीत हासिल की थी, लेकिन उस मैच में सैमसन और किशन बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा पाए थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं लेकिन अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें निश्चित रूप से लंबा मौका मिलेगा। श्रृंखला के पहले मैच में आसानी से अपना विकेट गंवाने वाले सैमसन अपने विभिन्न तरह के शॉट का शानदार नमूना पेश करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जिनके दम पर उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में तीन शतक बनाए हैं।

एक और बल्लेबाज जिसे टीम प्रबंधन के भरोसे को सही साबित करने की जरूरत है, वह है किशन, जिन्हें विश्व कप के लिए टीम में शामिल किया गया है और नागपुर में पहले मैच में श्रेयस अय्यर पर उन्हें प्राथमिकता दी गई थी। कवर पर कैच आउट होने से पहले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी संक्षिप्त पारी में अच्छा प्रदर्शन किया। भारत के अधिकतर खिलाड़ी शुरू में ही हर गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाने की कोशिश में पूरी ताकत से बल्लेबाजी करते हैं। किशन भी इसी निडर रवैये को जारी रखेंगे और उम्मीद कर सकते हैं कि इसका उन्हें फायदा मिले। आईसीसी टूर्नामेंट से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं और भले ही वह कोई बड़ा योगदान नहीं दे सके, लेकिन 22 गेंदों में बनाए गए 32 रन ने उनके आत्मविश्वास को कुछ हद तक जरूर बढ़ाया होगा। पहले टी20 में मिली जीत से व्यक्तिगत तौर पर सुधार के कई क्षेत्र सामने आए, इसके बावजूद टीम के प्रदर्शन ने विश्व कप से पहले अपने प्रतिद्वंद्वियों को खतरनाक संकेत दिए हैं, जहां भारत मौजूदा चैंपियन के रूप में उतर रहा है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

मैं अनावश्यक परेशान नहीं होना चाहता : अर्शदीप

नागपुर। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ऐसी किसी परिस्थिति में भी सकारात्मक पक्ष ढूंढ लेते हैं जो उनके अनुकूल नहीं हो और यही वजह है कि वह हर तरह की परिस्थितियों में खेल का पूरा आनंद लेते हैं।

गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से भारतीय टीम में लगातार अंदर-बाहर होते रहे इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज से पूछा गया कि क्या टीम में लगातार होने वाले बदलावों ने उन्हें प्रभावित किया है। अर्शदीप ने मुस्कुराते हुए कहा, जैसे मैं टीम से अंदर-बाहर होता हूं, उसका अपना फायदा भी है। मेरी गेंद भी अंदर-बाहर जाती है। इसलिए मैं इसका आनंद ले रहा हूं। अर्शदीप ने इस तरह से सबको याद दिलाया कि चयन न होने से गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की उनकी क्षमता पर जरा भी असर नहीं पड़ा है। अर्शदीप ने 73 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 111 विकेट लिए हैं और वह अभी भी सबसे छोटे प्रारूप में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें हाल के महीनों में टीम संयोजन के लिए अक्सर नजरअंदाज किया गया है। भारत ने 2025 में 21 टी20 मैच खेले जिनमें से अर्शदीप केवल 13 मैच में ही खेल पाए। इस प्रारूप में प्रभावशाली रिकॉर्ड होने के बावजूद एशिया कप के अधिकतर मैचों में जगह नहीं दी गई।

आईसीसी से अब भी न्याय की उम्मीद : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ बैठक के बाद घोषणा की कि आईसीसी का रुख उन्हें स्वीकार्य नहीं है। आईसीसी ने इस मामले में क्रिकेट स्कॉटलैंड को कोई सूचना दी है या नहीं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है क्योंकि उसकी सीईओ टूडी लिंडब्लैड ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के संचार प्रमुख चार्ल्स पैटरसन ने पीटीआई के सवाल के जवाब में कहा हम इस स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। यदि परिस्थितियों में कोई बदलाव होता है तो हम अपनी वेबसाइट पर एक आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति जारी करेंगे। नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा और स्पष्ट किया कि देश भारत में मैच नहीं खेलेगा। उन्होंने कहा हालांकि हमारे क्रिकेटरों ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का खतरा अब भी बना हुआ है। यह चिंता किसी काल्पनिक विश्लेषण पर आधारित नहीं है। उन्होंने कहा हम इस बात से आश्वस्त नहीं हैं कि वे हमारी पूरी टीम, पत्रकारों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा हमने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। हमारी टीम तैयार है। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमारे वास्तविक सुरक्षा जोखिमों पर विचार करके हमें श्रीलंका में खेलने की इजाजत देकर न्याय करेगा। बांग्लादेश को भारत में चार मैच (तीन कोलकाता में और एक मुंबई में) खेलने हैं। नजरुल ने कहा टूर्नामेंट में नहीं खेलने से होने वाले नुकसान को खिलाड़ियों, दर्शकों और पत्रकारों को एक जोखिम भरी क्षेत्रीय राजनीतिक स्थिति में धकेलने से होने वाली संभावित आपदा के साथ तुलनात्मक देखना बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत में खिलाड़ियों को खतरा नहीं : आईसीसी

आईसीसी ने बुधवार को बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा किसी भी स्वतंत्र सुरक्षा निष्कर्ष के अभाव में आईसीसी के लिए मैचों का स्थल बदलना संभव नहीं है। ऐसा करने से दुनिया भर की अन्य टीमों और प्रशंसकों के लिए गंभीर समस्याएं और दूरगामी मिसाल कायम करने वाली चुनौतियां पैदा होंगी। इससे आईसीसी के संचालन की निष्पक्षता, तटस्थता और अखंडता को खतरा पैदा होगा। भारत में उनके खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था।

जीत का जश्न मनातीं गुजरात जाएंट्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

गुजरात जाएंट्स ने वॉरियर्स को 45 रनों से हराया

वडोदरा, एजेंसी

सोफी डिवाइन के हरफनमौला खेल से गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग टी20 मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां यूपी वॉरियर्स को 45 रन से शिकस्त देकर लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा। डिवाइन ने नाबाद 50 रन की संयमित पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए 16 रन देकर दो विकेट चटकाए। गुजरात जाएंट्स ने आठ विकेट पर 153 रन बनाने के बाद यूपी वॉरियर्स को 108 रन पर आउट कर दिया। इस जीत के बाद गुजरात छह अंक के साथ तालिका में दूसरे जबकि यूपी वॉरियर्स चार अंक के साथ पांचवें और आखिरी पायदान पर है। गुजरात के लिए राजेश्वरी गायकवाड़ ने भी 16 रन देकर तीन विकेट झटक कर टीम में अपनी वापसी को यादगार बनाया। रेणुका सिंह ने भी दो सफलता हासिल की।

यूपी वॉरियर्स के लिए फोबे लिचफील्ड ने 32 और क्लो ट्रायोन ने नाबाद 30 रन का योगदान दिया। इससे पहले डिवाइन ने पिछले तीन मैचों की लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए।

महिला प्रीमियर लीग

न्यूजीलैंड की यह अनुभवी खिलाड़ी पारी की शुरुआत में रन आउट होने से बचीं और बाद में 35 रन पर नो-बॉल पर उनका कैच भी छूटा। उन्होंने इसका पूरा लाभ उठाते हुए अंतिम ओवर में शिखा पांडे की गेंदों पर दो छक्के जड़कर जायंट्स को 150 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्स को पहले ओवर में ही किरण नवगिरे के निराशाजनक तरीके से आउट से बड़ा झटका लगा।

रेणुका सिंह की गेंद विकेटकीपर बेथ मूनी के पैड से लगकर विकेटों से टकरा गयी और वह खाता खोले बगैर स्टंप करार दी गयी। शानदार लय में चल रही फोबे लिचफील्ड ने क्रीज पर आते ही चौके से खाता खोला दूसरे छोर से मैग लैनिंग ने काश्वी गौतम की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराये। काश्वी ने पांचवें ओवर में हालांकि दो चौके खाने के बाद लैनिंग को बोल्ड कर 10 गेंद में 14 रन की पारी को खत्म किया। लिचफील्ड ने डिवाइन की गेंद पर चौके के साथ पावर प्ले को खत्म किया। इस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 46 रन था। आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आयी गार्डनर की गेंद को लिचफील्ड रिवर्स स्वीप करते हुए रेणुका को कैच दे बैठी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर भी आगे बढ़ने में रहे सफल

जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 399वीं जीत से तीसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में जगह बनाई जबकि महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज़ भी आगे बढ़ने में सफल रही।

जोकोविच ने वर्तमान टूर्नामेंट में पहली बार अपनी सर्विस गंवाई लेकिन इसके बाद उन्होंने कोई चूक नहीं दिखाई और दूसरे दौर के मैच में फ्रांसेस्को मैस्ट्रेली को 6-3, 6-2, 6-2 से पराजित किया। यह ग्रैंड स्लैम एकल मैच में जोकोविच की 399वीं जीत है। इस तरह से रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता को 400 जीत तक पहुंचने वाला पहला खिलाड़ी बनने के लिए अब केवल एक और जीत की जरूरत है। जोकोविच ने तीसरे सेट के छठे गेम में सर्विस गंवाई लेकिन अगले गेम में उन्होंने मैस्ट्रेली की सर्विस तोड़कर 5-2 की बढ़त बना ली। बाद में जोकोविच ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच अपने नाम किया। वह मेलबर्न पार्क में अपना 11वां और कुल मिलाकर 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में हैं।

कल तक मैं उसके बारे में ज्यादा नहीं जानता था। उसकी सर्विस दमदार है। उसका खेल भी शानदार है। उसे बड़े मंच पर खेलने का अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उसमें बड़े शॉट लगाने की क्षमता है।
-नोवाक जोकोविच

तीसरे दौर में जोकोविच का सामना बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचल्प से होगा, जिन्होंने शांग जुनचेंग को 7-6 (6), 6-2, 6-3 से हराया। यानिक सिनर ने जेम्स डकवर्थ को रोड लेवर एरीना में 6-1, 6-4, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार लगातार जीत का अभियान जारी रखा।

इगा स्वियातेक ने बोजकोवा को आसानी से हराया

महिला वर्ग में शुरुआती दो दौर में अपनी फैशन से सुर्खियां बटोरने वाली नाओमी ओसाका को सोराना सिस्तेआ से कड़ी टक्कर मिली। उन्होंने हालांकि दूसरा सेट गंवाने के बाद अच्छी वापसी करते हुए 6-3, 4-6, 6-2 से जीत दर्ज की। इगा स्वियातेक ने मैरी बोजकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज़ को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी एशलीन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद नौवीं वरीयता प्राप्त कीज़ दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ गईं, लेकिन जॉन केन एरिना में उन्होंने जोरदार वापसी करने का शानदार नमूना पेश किया और लगातार पांच अंक हासिल करके जीत दर्ज की। कीज़ ने कहा मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छी शुरुआत की और एशलिन ने थोड़ी धीमी शुरुआत की। मुझे पूरी उम्मीद थी कि वह अपने खेल का स्तर बढ़ाएगी और उसने ऐसा किया भी लेकिन मैंने वापसी के लिए अपनी तरफ से पुरजोर कोशिश जारी रखी और आखिर में उसमें सफल रही। कीज़ का अगला मुकाबला कैरोलिना प्लिस्कोवा से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की जेनिस ट्जेन को 6-4, 6-4 से हराया। रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अमांडा अनिसिमोवा ने युगल चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा को 6-1, 6-4 से हराया और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने अपनी युगल साथी मैककार्टनी केसलर को 6-0, 6-2 से मात दी। पिछले दो प्रमुख टूर्नामेंटों में उपविजेता रहीं अनिसिमोवा का अगला मुकाबला साथी अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से होगा। पेगुला के सामने ओक्साना सेलेखमेतेवा की चुनौती होगी। ओक्साना ने 2025 की सेमीफाइनलिस्ट पाउला बडोसा को 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

इगा स्वियातेक।

श्रीराम बालाजी दूसरे राउंड में, भांबरी का अभियान समाप्त

मेलबर्न। ओलंपियन एन श्रीराम बालाजी गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुषों के युगल मुकाबले के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं, जबकि हार के साथ युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त हो गया।

आज यहां खेले गये मुकाबले में बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई जोड़ीदार नील ओबरलीटनेर ने फ्रांस के पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई।

बालाजी-ओबरलीटनेर की जोड़ी ने दो घंटे और 43 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7(7)-6(4), 3-6, 7(10)-6(8) से जीत दर्ज की। पिछले हफ्ते बैंकॉक में नॉनथबुरी चैलेंजर द्वितीय जीतने के बाद, बालाजी और ओबरलीटनेर ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली।